{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
सोमवार 16 फरवरी 2026
फाल्गुन कृष्ण 15 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 144
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

# बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

## खास खबर

### तारिक रहमान के शपथग्रहण में पीएम मोदी नहीं, ओम बिरला होंगे शामिल

नई दिल्ली। एजेंसी। बांग्लादेश में हुए आम चुनावों में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 12 फरवरी 2026 को आयोजित चुनाव में 300 में से 212 सीटें जीतकर स्पष्ट बहुमत हासिल किया है। इसके साथ ही पार्टी अध्यक्ष तारिक रहमान देश के नए प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं।

भारत सरकार ने स्पष्ट किया है कि शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शामिल नहीं होंगे। भारत की ओर से इस कार्यक्रम में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला प्रतिनिधित्व करेंगे। यह समारोह 17 फरवरी को ढाका में आयोजित होगा।

भारत और बांग्लादेश के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंध लंबे समय से मजबूत रहे हैं। भारत ने बांग्लादेश में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के तहत चुनी गई नई सरकार का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने तारिक रहमान को फोन कर जीत की बधाई भी दी है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओम बिरला की भागीदारी दोनों देशों के बीच निरंतर सहयोग और संवाद का संकेत है। इसे भारत की ओर से पड़ोसी देशों के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों और पारस्परिक सम्मान पर आधारित संबंधों को प्राथमिकता देने के रूप में देखा जा रहा है।

### जयपुर में फिल्मी स्टाइल में सराफा व्यापारी से लूट, 27 लाख के जेवर लूटे

जयपुर। एजेंसी। राजधानी जयपुर में शनिवार देर रात फिल्मी अंदाज में बदमाशों ने चलती कार के आगे अपनी गाड़ी अड़ाकर सराफा व्यापारी को बीच सड़क पर रोक लिया और फिर डंडों से हमला कर कार के शीशे तोड़कर गहनों से भरा बैग लूटकर फरार हो गए। इस वारदात में करीब 27 लाख रुपए के सोने-चांदी के आभूषण लूटने की बात सामने आई है। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया और पुलिस महकमे में भी अफरा-तफरी मच गई।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सराफा व्यापारी रामनिवास सोनी, जिनकी वाटिका क्षेत्र में ज्वेलरी शॉप है, शनिवार देर रात अपनी दुकान बंद कर घर जा रहे थे। उनके पास कार में एक बैग था, जिसमें करीब 50 ग्राम सोना और करीब 7 किलो चांदी रखी थी जैसे ही वे प्रताप नगर इलाके में अजय मार्ग पर पहुंचे, तभी पीछे से आई एक कार ने उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर अचानक ब्रेक लगा दिए। इससे रामनिवास सोनी को कार रोकनी पड़ी। गाड़ी से उतरते ही बदमाशों ने उन पर हमला बोल दिया। आरोपियों ने डंडों से कार के शीशे तोड़ दिए और रामनिवास सोनी के साथ मारपीट की। बदमाशों ने कार में रखा गहनों से भरा बैग छीना और मौके से फरार हो गए। घटना को देखक वहां से गुजर रहे अन्य वाहन चालक भी दहशत में आ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे शहर में नाकाबंदी कर दी।

## कुछ ना कहना

# ई'शान'दार, अद्भूत और ऐतिहासिक जीत

## पाकिस्तान को 61 रनों से रौंदकर भारत ने सुपर-8 राउंड में की एंट्री

*कोलंबो। एजेंसी।*

*भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान को 61 रनों से हरा दिया है। टूर्नामेंट के इतिहास में यह भारत की पाकिस्तान पर रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत है। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने सुपर-8 राउंड के लिए क्वालिफाई कर लिया है। टीम लगातार 3 जीत के साथ ग्रुप ए की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर है। रविवार को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में 176 रन का टारगेट चेज कर रही पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में 114 रन पर ऑलआउट हो गई। उस्मान खान ने सबसे ज्यादा 44 रन बनाए। भारत के लिए जसप्रीत बुमराह, अक्षर पटेल, वरुण चक्रवर्ती और हार्दिक पंड्या ने 2-2 विकेट झटके। टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 175 रन बनाए। ईशान किशन ने 40 बॉल पर 77 रन की पारी खेली। इस पारी में 10 चौके और 3 छक्के शामिल हैं। कप्तान सूर्यकुमार ने 32 रन बनाए। सईम अयूब ने 3 विकेट।*

### टॉस के दौरान आपस में हाथ नहीं मिलाया

टॉस के दौरान दोनों टीमों के कप्तानों ने हाथ नहीं मिलाया। भारतीय खिलाड़ियों ने पिछले साल एशिया कप के दौरान पाकिस्तान के प्लेयर्स से हाथ नहीं मिलाया था। यह फैसला पहलगाम में आतंकी हमले के विरोध में किया गया था।

### धुरंधर फिल्म के रैपर हनुमानकाइंड ने परफॉर्म किया

टॉस से पहले धुरंधर फिल्म के रैपर हनुमानकाइंड ने परफॉर्म किया। ये वही सिंगर हैं, जिनके गाने पर पाकिस्तान में विवाद हो गया था। उन्होंने टाइटल ट्रैक सहित कई गाने परफॉर्म किए।

## सरकार ने ट्रेड डील से कॉटन किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को दिया धोखा-राहुल गांधी

नई दिल्ली। एजेंसी।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील को लेकर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर हमले तेज कर दिए हैं। राहुल गांधी ने सरकार पर इस डील के जरिए देश में कॉटन किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि इस समझौते से दोनों सेक्टर्स को गहरा नुकसान हो सकता है। राहुल गांधी ने एक्स पर लिखा- 18फीसदी टैरिफ बनाम 0फीसदी। कैसे पीएम मोदी और उनकी कैबिनेट इसपर भ्रम फैला रहे हैं। और किस तरह से वे भारत-अमेरिका व्यापार समझौते से देश के कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स को धोखा दे रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक उन्होंने लिखा- बांग्लादेश को अमेरिका में गारमेंट्स निर्यात पर 0फीसदी टैरिफ का फायदा दिया जा रहा है। शर्त बस इतनी है कि वह अमेरिकी कपास आयात करें। भारत के गारमेंट्स पर 18फीसदी टैरिफ की घोषणा के बाद जब संसद में बांग्लादेश को मिल रही खास रियायत पर सवाल उठाया, तब मोदी सरकार के मंत्री का जवाब आया- अगर यही फायदा हमें भी चाहिए, तो अमेरिका से कपास मंगवानी होगी। राहुल ने कहा कि आखिर, ये बात तब तक देश से छुपाई क्यों गई? और, ये कैसी नीति है? क्या यह सचमुच में कोई विकल्प है या फिर आगे कुआं, पीछे खाई की हालत में फंसाने वाला जाल? अगर हम अमेरिकी कपास मंगवाते हैं तो हमारे अपने किसान बर्बाद हो जाएंगे। अगर नहीं मंगवाते, तो हमारा टेक्सटाइल उद्योग पिछड़कर तबाह हो जाएगा और अब बांग्लादेश यह संकेत दे रहा है कि वह भारत से कपास आयात भी कम या बंद कर सकता है। राहुल गांधी ने कहा कि भारत में टेक्सटाइल उद्योग और कपास की खेती आजीविका की रीढ़ हैं। करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी इन्हीं पर टिकी है। इन क्षेत्रों पर चोट का मतलब है लाखों परिवारों को बेरोजगारी और आर्थिक संकट में धकेल देना। एक दूरदर्शी और राष्ट्रहित में सोचने वाली सरकार ऐसा सौदा करती जो कपास किसानों और टेक्सटाइल एक्सपोर्टर्स- दोनों के हितों की रक्षा और समृद्धि सुनिश्चित करती है, लेकिन इसके ठीक उलट, नरेंद्र सरेंडर मोदी और उनके मंत्रियों ने ऐसा समझौता किया है जो दोनों क्षेत्रों को गहरी चोट पहुंचाने वाला साबित हो सकता है।

## जमानत के मिलने के बाद बार-बार नई एफआईआर करना कानून का दुरुपयोग-सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अगर किसी आरोपी को अदालत से जमानत मिल जाती है, तो उसे जेल में रखने के लिए बार-बार नई एफआईआर दर्ज करना कानून का दुरुपयोग है। कोर्ट ने साफ कहा कि यह तरीका मौलिक अधिकार के तहत सीधे हस्तक्षेप की मांग करता है। यह मामला झारखंड का है। 20 मई 2025 को रांची के एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) ने 1988 के तहत पहली एफआईआर दर्ज की थी। इसी मामले में आरोपी से पूछताछ चल रही थी, तभी एसीबी हजारीबाग ने 2010 में कथित वन भूमि के म्यूटेशन से जुड़े मामले में दूसरी एफआईआर दर्ज कर दी। यह मामला करीब 15 साल पुरानी घटना से जुड़ा था। इसके बाद 2025 में दो और एफआईआर दर्ज की गईं। याचिकाकर्ताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जानबूझकर एक के बाद एक एफआईआर दर्ज कर रही है, ताकि जमानत मिलने के बावजूद आरोपी जेल में ही रहे। उनका कहना था कि यह कोर्ट के जमानत आदेश को बेअसर करने की सोची-समझी कोशिश है। सुप्रीम कोर्ट ने पाया कि आरोपी को जानबूझकर हिरासत में रखा गया। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी नोट किया कि 17 दिसंबर 2025 को जमानत मिलने के बाद भी 19 दिसंबर को एक अन्य एफआईआर में उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया और 20 दिसंबर को एक और मामले में सात दिन की रिमांड दे दी गई।

## एआई इम्पैक्ट समिट दिल्ली में कल से, 20 देशों के नेता व टेक लीडर्स होंगे शामिल

नई दिल्ली। एजेंसी।

दिल्ली में होने जा रहे एआई इम्पैक्ट समिट में करीब 20 देशों के नेता और यूनाइटेड नेशंस चीफ के भाग लेने की उम्मीद है। कई टेक लीडर्स भी इस समिट में शामिल होने वाले हैं। यह समिट सोमवार से शुरू होकर शुक्रवार यानी 20 फरवरी तक चलेगी। यह पांच दिनों का इवेंट है, जो नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित किया जा रहा है। इसे अब तक का सबसे बड़ा एडिशन बताया जा रहा है, यह चौथी सालाना ग्लोबल मीटिंग होगी जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस टेक्नोलॉजी की तेजी से ग्रोथ से जुड़े रिस्क और अवसरों पर फोकस करेगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि यह समिट एआई के लिए आगे के रास्ते पर बातचीत करने के लिए दुनिया भर के ग्लोबल लीडर्स, पॉलिसीमेकर्स, इनोवेटर्स और एक्सपर्ट्स को एक साथ लाएगी। एआई इम्पैक्ट समिट में दुनियाभर के नेताओं को आमंत्रित किया गया है, जिनमें शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, क्राउन प्रिंस ऑफ अबू धाबी- यूएई, शेरिंग तोबगे, पीएम-भूटान, एडमंड लारा मॉंटानो, वाइस प्रेसिडेंट-बोलीविया, लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा, प्रेसिडेंट-ब्राजील, आंद्रेज प्लेनकोविक, पीएम-क्रोएशिया, अलार करिस, राष्ट्रपति-एस्टोनिया, पेटेरी ओर्पो, पीएम-फिनलैंड, इमैनुएल मैक्रों, राष्ट्रपति-फ्रांस, किरियाकोस मित्सोटाकिस, पीएम-ग्रीस, डॉ. भारत जगदेव, वाइस प्रेसिडेंट-गुयाना, ओल्जास बेक्टेनोव, पीएम-कजाकिस्तान, एलोइस, लिकटेंस्टीन की रियासत के वंशानुगत राजकुमार-लिकटेंस्टीन, डॉ. नवीनचंद्र रामगुलाम, पीएम-मॉरिशस, अलेक्जेंडर वुसिक, राष्ट्रपति-सर्बिया, पीटर पेलेग्रिनी, राष्ट्रपति-स्लोवाकिया, पेड्रो सांचेज पेरेज-कास्टेजोन, राष्ट्रपति-स्पेन, अनुरा कुमारा डिसानायका, प्रेसिडेंट-श्रीलंका, सेबेस्टियन पिल्ले, वाइस प्रेसिडेंट-सेशेल्स, गाय परमेलिन, प्रेसिडेंट-स्विट्जरलैंड, डिक शूफ, पीएम-नीदरलैंड्स शामिल हैं। यूनाइटेड नेशंस के सेक्रेटरी-जनरल एंटोनियो गुटेरेस के साथ यूएन के दूसरे सीनियर अधिकारियों के भी नई दिल्ली में होने वाले इस अहम समिट में मौजूद रहने की उम्मीद है। यूएन चीफ के साथ यूएन ह्यूमन राइट्स के हाई कमिश्नर वोल्कर टर्क, डिजिटल और इमर्जिंग टेक्नोलॉजी के अंडर-सेक्रेटरी-जनरल और स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव अमनदीप सिंह गिल, इंटरनेशनल मॉनिटरी फंड की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा, इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन के डायरेक्टर-जनरल गिल्बर्ट एफ हौंगबो, इंटरनेशनल टेलीकम्युनिकेशन यूनियन की सेक्रेटरी-जनरल डोरेन बोगदान-मार्टिन, डिजास्टर रिस्क रिडक्शन के लिए सेक्रेटरी-जनरल के स्पेशल रिप्रेजेंटेटिव कमल किशोर भी होंगे।

## शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद बोले- जो हत्या करना चाह रहे उनसे सुरक्षा कैसे मांगें

वाराणसी। एजेंसी। शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद ने हाल ही में अपने एक बयान कहा कि उनकी सुरक्षा के लिए, उन लोगों से मदद मांगना मुश्किल है, जो उनकी हत्या करना चाहते हैं। शंकराचार्य ने यह प्रतिक्रिया जगद्गुरु रामभद्राचार्य के शिष्य और शाकुंभरी पीठाधीश्वर आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा उनके खिलाफ दायर यौन उत्पीड़न के आरोपों के संदर्भ में दी है। गौरतलब है कि आशुतोष ने शंकराचार्य पर दो शिष्यों के यौन शोषण का आरोप लगाया है। इस मामले की सुनवाई के बाद अदालत ने फैसला सुरक्षित रखा है और 21 फरवरी को तय होगा कि शंकराचार्य के खिलाफ एफआईआर होगी या केस डिसमिस कर दिया जाएगा। यहां शंकराचार्य ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा, कि आरोप लगाने वाला व्यक्ति खुद आपराधिक इतिहास वाला है। उनके अनुसार, आशुतोष गो-तस्करी और गोहत्या से जुड़े लोगों के संपर्क में रहा है और उस पर ट्रकों को पार कराने के लिए रिश्वत लेने जैसे गंभीर आरोप भी लगे हैं। शंकराचार्य ने कहा कि इस तरह के व्यक्ति द्वारा आरोप लगाना अपने आप में बहुत कुछ कहता है। उन्होंने कहा कि उनके खिलाफ अभियान इसलिए चल रहा है क्योंकि वे गोरक्षा की बात करते हैं और गोहत्या बंद करने का नारा उठाते हैं।

## लोकसभा में डिप्टी स्पीकर का पद 7 साल से खाली, कांग्रेस सांसद ने उठाए सवाल

नई दिल्ली। एजेंसी। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार में लोकसभा डिप्टी स्पीकर का पद सात साल से खाली रहने पर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक प्रक्रियात्मक चूक नहीं, बल्कि संसदीय लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ किया जा रहा कार्य है। सांसद टैगोर ने संविधान के अनुच्छेद 93 का हवाला देते हुए कहा कि सदन को एक स्पीकर और एक डिप्टी स्पीकर का चुनाव करना अनिवार्य है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसमें शैल शब्द का प्रयोग किया गया है, जो बाध्यता दर्शाता है, न कि विकल्प। इसी के साथ ही कांग्रेस सांसद ने कहा कि संसदीय परंपरा के अनुसार डिप्टी स्पीकर का पद आमतौर पर विपक्ष को दिया जाता है, ताकि सदन की कार्यवाही में संतुलन, निष्पक्षता और लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान सुनिश्चित हो सके। उन्होंने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव के संदर्भ में भी सवाल उठाए। टैगोर ने आरोप लगाया कि सरकार ने जानबूझकर डिप्टी स्पीकर का पद खाली रखा है। उनका कहना था, जब स्पीकर के खिलाफ नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाया गया है, तब डिप्टी स्पीकर का न होना इस खालीपन को और स्पष्ट करता है। क्या यह जवाबदेही से बचने का प्रयास है?

## सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र कल से ऑस्ट्रेलिया दौरे पर, रक्षा सहयोग को मजबूत करने करेंगे चर्चा

नई दिल्ली। एजेंसी। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी 16 से 19 फरवरी तक ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर जा रहे हैं। इस यात्रा का उद्देश्य भारत-ऑस्ट्रेलिया रक्षा सहयोग को और मजबूत करना और दोनों देशों के बीच बढ़ते तालमेल को सुदृढ़ करना है। अपनी सेना प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बलों के वरिष्ठ नेतृत्व के साथ व्यापक वार्ता करेंगे, जिसका उद्देश्य प्रशिक्षण, संयुक्त अभ्यास, पेशेवर आदान-प्रदान और क्षमता निर्माण समेत सेना-से-सेना के बीच संबंधों को बढ़ाना है। सिडनी में सेना प्रमुख (सीओएएस) फोर्सेस कमांड (एफओआरकॉमडी), स्पेशल ऑपरेशंस कमांड (एसओकॉमडी) और द्वितीय डिवीजन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे। यह उल्लेखनीय है कि द्वितीय डिवीजन के सैनिक द्विपक्षीय सेना अभ्यास ऑस्ट्राहिंद में भाग लेते हैं, जिसका अगला संस्करण 2026 में भारत में आयोजित होने वाला है। सेना प्रमुख उपेंद्र कैनबरा में ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल साइमन स्टुअर्ट के साथ बातचीत होगी। ऑस्ट्रेलियाई सेना प्रमुख और जनरल उपेंद्र द्विवेदी, यूएस आर्मी वॉर कॉलेज के 2015 बैच के पूर्व छात्र हैं और उनके बीच मजबूत पेशेवर संबंध हैं।

## ममता बनर्जी ने तारिक भाई को भेजा फूल और मिठाइयां, रमजान की अग्रिम मुबारकबाद

कोलकाता। एजेंसी। बांग्लादेश की राजनीति में बड़े बदलाव के तौर पर तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) ने 13वें संसदीय चुनाव में ऐतिहासिक जीत दर्ज की है। पार्टी को दो-तिहाई बहुमत मिलने के बाद तारिक रहमान 17 फरवरी को प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने जा रहे हैं। उनके शपथ ग्रहण समारोह के लिए विभिन्न देशों के राष्ट्राध्यक्षों को निमंत्रण भेजे जा रहे हैं। इसी बीच पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने भाई रहमान को बधाई देने के साथ ही फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयां भेजकर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। तारिक रहमान को मिली शानदार जीत के बाद पड़ोसी भारत समेत अनेक देशों ने उन्हें बधाई प्रेषित की है। यहां पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तारिक रहमान को फूलों का गुलदस्ता और मिठाइयाँ भेजकर अपनी शुभकामनाएँ दी हैं। बीएनपी चेयरमैन के राजनीतिक कार्यालय की ओर से जारी बयान में बताया गया, कि शनिवार को गुलशन स्थित कार्यालय में बीएनपी मीडिया सेल सदस्य अतिउर रहमान रुमन ने सीएम ममता बनर्जी की ओर से भेजे गए उपहार को प्राप्त किया। इससे एक दिन पहले ही ममता बनर्जी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तारिक रहमान को 'तारिक भाई' संबोधित करते हुए चुनावी जीत की बधाई दी थी। उन्होंने अपने संदेश में बांग्लादेश की जनता को शुभकामनाएं देते हुए अग्रिम रमजान की मुबारकबाद भी दी।

## जेतलसर जंक्शन ओवरब्रिज से टकराकर दो टुकड़ों में बंटी स्कोडा कार, युवती समेत तीन की दर्दनाक मौत

राजकोट। एजेंसी। जिले के जेतपुर में रविवार की सुबह एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। जेतलसर जंक्शन रेलवे ओवरब्रिज पर एक तेज रफ्तार स्कोडा कार का इतना भयानक एक्सीडेंट हुआ कि कार के दो टुकड़े हो गए। इस भीषण हादसे में अब तक एक युवती समेत तीन लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि एक युवक का इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, चार युवक-युवती जूनागढ़ में आयोजित महाशिवरात्रि मेले से लौट रहे थे। उनकी स्कोडा कार जैसे ही जेतलसर जंक्शन रेलवे पुल पर पहुंची, चालक का स्टेयरिंग से नियंत्रण हट गया और कार पुल की सुरक्षा दीवार से जोरदार टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के दो हिस्से हो गए और उसके हिस्से सड़क के दोनों ओर जा गिरे। हादसे के बाद कुछ समय के लिए मौके पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बन गई। इस दर्दनाक दुर्घटना में मुस्कान बगड़ा नामक युवती और अरुण वाला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, अमित परमार और जयदीप चौहान को गंभीर हालत में तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। इलाज के दौरान जयदीप चौहान ने भी दम तोड़ दिया, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई। हादसे में घायल अमित परमार का इलाज जारी है और उसकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस का काफिला तुरंत घटनास्थल पर पहुंच गया। पुलिस ने मौके का मुआयना कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में तेज रफ्तार और वाहन पर से नियंत्रण खोना हादसे का मुख्य कारण माना जा रहा है, हालांकि पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है। रविवार की यह सुबह जेतपुर के लिए खूनी रविवार साबित हुई। महाशिवरात्रि मेले की खुशियां मातम में बदल गईं। मृतकों के परिवारों में शोक की लहर दौड़ गई है और पूरे इलाके में इस हादसे को लेकर गहरा दुःख व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से ओवरब्रिज पर सुरक्षा इंतजाम और कड़े ट्रैफिक नियंत्रण की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं को रोका जा सके।

## अमरावती में पांच न्यायाधीशों और चार न्यायालयीन कर्मचारियों के घरों में सेंधमारी

अमरावती। एजेंसी। महाराष्ट्र के अमरावती जिला सत्र न्यायालय के पांच न्यायाधीशों और चार न्यायालयीन कर्मचारियों के घरों में चोरों ने सेंध लगाई और चोरी की। चोरों की भी हिम्मत देखिए जो उन्होंने पुलिस की सुरक्षा में न्यायाधीशों को कॉलोनी होने के बावजूद चोरी की वारदात को अंजाम दिया। न्यायाधीशों की कॉलोनी, जो दो हिस्सों में बंटी हुई है, में पांच न्यायाधीश शनिवार और रविवार को लगातार दो दिन की छुट्टी होने की वजह से शहर से बाहर गए हुए थे और उनके घरों में ताला लगा हुआ था। साथ ही, न्यायालयीन कर्मचारियों की कॉलोनी में कुल चार कर्मचारी शहर से बाहर गए हुए थे और उनके घरों में ताला लगा हुआ था। चोरों ने न्यायाधीशों के नव दमयंती के नए फ्लैट में कुल तीन घरों में सेंध लगाई, जबकि इस फ्लैट के बगल में पैनगंगा के फ्लैट में रहने वाले दो न्यायाधीशों के घरों में सेंध लगाई। चोरों ने न्यायाधीशों के नए फ्लैट के पीछे न्यायालयीन कर्मचारियों के कुल तीन इमारतों में स्थित चार फ्लैटों में सेंध लगाई और चोरी की। दिलचस्प बात यह है कि शनिवार और रविवार को छुट्टी होने की वजह से चोरों को अंदाजा हो गया होगा कि कॉलोनी में कौन-कौन बाहर गया है और कितने घरों में ताले लगे हैं। उन्होंने पहले ही कॉलोनी की टोह ले ली होगी। सुबह 4 बजे न्यायाधीश कॉलोनी में चोरी की खबर मिलने पर अमरावती पुलिस कमिश्नर राकेश ओला और पुलिस उपायुक्त गणेश शिंदे समेत पुलिस टीम न्यायाधीश कॉलोनी इलाके में पहुंची। फॉरेंसिक डिपार्टमेंट के अधिकारी और कर्मचारी भी न्यायाधीशों के घर पहुंचे। पुलिस कमिश्नर ने खुद सुबह आठ बजे तक चोरी वाले हर घर का मुआयना किया। इस दौरान सीसीटीवी भी चेक किए गए, जिसमें सीसीटीवी में चोर दीवार फांदकर अपार्टमेंट के पीछे झाड़ियों से भागते हुए दिखे, ऐसा पुलिस कर्मियों ने कहा। कोर्ट के कर्मचारी आशीष गेडाम, जो वास्तु शांति के लिए अकोला गए थे, को जैसे ही खबर मिली कि उनके घर में सेंधमारी हुई है, वे सुबह 7 बजे की ट्रेन से अमरावती लौट आए। चोर उनके घर में घुसे और बेडरूम में रखी अलमारी तोड़ दी। उन्होंने देखा कि चोरों ने अलमारी के सेफ से तीन से चार हजार रुपये कैश और सोने-चांदी के गहने चुरा लिए हैं। जब वे घर लौटे, तो उन्होंने देखा कि चोरों ने अलमारी से एक बहुत छोटे से बॉक्स में रखे गहने निकाल लिए थे और बॉक्स को फिर से बंद कर दिया था। बहरहाल न्यायाधीश कॉलोनी में चोरी की खबर से अमरावती शहर में लोग डरे सहमे हैं क्योंकि लोगों का कहना है कि अब जब न्यायाधीश ही सुरक्षित नहीं हैं तो आम लोगों की सुरक्षा क्या होगी?

# खैरलांजी में महाशिवरात्रि पर सुबह से लगी रही मंदिरों में भक्तों की भीड़

## हवन पूजन और महाप्रसादी का हुआ वितरण

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी/खैरलांजी।** महाशिवरात्रि पर रविवार के दिन मुख्यालय सहित आसपास के शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों की भीड़ देखने को मिली भीड़ दिन भर चलती रही। इस दौरान मंदिरों में हवन पूजन का भी आयोजन किया गया। भक्तों द्वारा हवन पूजन में हिस्सा लेकर पुण्य लाभ अर्जित किया गया। इसके दोपहर बाद मंदिरों में महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें भक्तों द्वारा प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ कमाया गया। महाप्रसादी का कार्यक्रम चार बजे से रात तक चलता रहा। इस कड़ी में मुख्यालय के तहसील कार्यालय प्रांगण में स्थित शिव मंदिर में शिव लिंग की स्थापना की गई। जिसमें सभी दुकानदार भाईयों और माता बहनों द्वारा उपस्थित होकर हवन पूजन और आरती का लाभ लिया गया। जिसके बाद सभी ने महाप्रसादी का लाभ लिया गया। तहसील प्रांगण में विगत तीन वर्षों से किए जा रहे इस तरह के आयोजन की उपस्थित सभी लोगों द्वारा प्रशंसा की जा रही है।

जिसमें नागरिक भी धीरे धीरे जुड़ते चले जा रहे हैं। ऐसे आयोजन करते रहने के लिए समिति के सभी सदस्यों की जनता प्रशंसा करते नजर रही। समिति द्वारा शिवरात्रि की रात में भक्तों के मनोरंजन के लिए स्वेता समूह का संगीतमय जागरण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इसी प्रकार समीप के नवेगाँव स्थित नर्मदेश्वर शिव मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी भक्तों का तांता लगा रहा। सुबह से दिन भर भक्तों ने पहुंचकर देवो के देव महादेव को एक लोटा जल,दूध दही, धतुरे और बेल पत्र से अभिषेक किया। यहां भी दोपहर में हवन पूजन के बाद महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जहाँ ग्राम सहित आसपास की जनता ने पहुंचकर पुण्य लाभ अर्जित किया। इसके पूर्व सप्ताह भर श्रीराम कथा में सती चरित्र एवं शिव विवाह महोत्सव, श्रीरामलला जन्मोत्सव, श्रीराम जानकी विवाह, वन गमन,केवट संवाद सहित अन्य प्रसंग और कांड की संगीतमय प्रस्तुति पंडित मनीष शास्त्री पारसिया छिंदवाड़ा के द्वारा दी गई।

# पति के साथ हुआ विवाद, जेठ ने की मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कटंगी में एक महिला को अपने पति के साथ झगड़ा करना उस समय महंगा पड़ गया जब इस महिला को उसके जेठ ने मारपीट कर कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी। मलाजखंड पुलिस ने महिला पुष्पा पति उजियार सिंह धुर्वे 30 वर्ष द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके जेट मोतीलाल पिता भद्दुसिह धुर्वे के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पुष्पा धुर्वे अपने परिवार के साथ खेती किसानी के अलावा व घरेलू काम करती है 14 फरवरी की शाम 5‿ बजे करीब पुष्पा अपने घर में पति के साथ थी और घरेलू बातों को लेकर दोनों पति-पत्नी के बीच विवाद हो रहा था। तभी पुष्पा का जेठ मोतीलाल धुर्वे आया और उसने पुष्पा को मेरे भाई के साथ विवाद करती है, कहकर अश्लील गालियां देने लगा। पुष्पा ने उसे गालियां देने से मना कि थी।तभी मोतीलाल ने आवेश में आकर पुष्पा को मारपीट किया और उठाकर पटक दिया। पुष्पा के चिल्लाने पर मोहल्ले के लोग दौड़े और बीच बचाव किये। उसके बाद मोतीलाल ने पुष्पा को भाई के साथ विवाद करने पर जान से खत्म करने की धमकी दे दी। 15 फरवरी को पुष्पा अपनी बहन के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंची मलाजखंड पुलिस ने पुष्प का इलाज बरसा के अस्पताल में करवाए और उसके द्वारा की गई रिपोर्ट पर उसके जेठ मोतीलाल धुर्वे के विरुद्ध स्टील गाड़ियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

# महादेव पहाड़ी डोंगरगाव मे स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

पद्मेश न्यूज। हट्टा। सामुदायिक पुलिस कार्यक्रम के तहत उच्च अधिकारी के निर्देशन और पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा के मार्ग दर्शन मे दिनाक 15 फरवरी 2026 को महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर

ग्राम डोंगरगाव मे स्थित महादेव पहाड़ी पर स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया । जिसमे पुलिस चिकित्सक डॉ पी आर रोकड़े , प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हट्टा से डॉ हर्षा अजित , राजेश फार्मेस्टी , उमेश तेलासे कम्पाडर ने 160 मरीजों का परीक्षण कर निशुल्क दवा का वितरण किया गया । पुलिस थाना हट्टा से विजय पटले , बरसन सिह धुर्वे , श्री चंद पटले , दिनेश जायसवाल ,विनोद उमरे महिमा सहारे ,अंकिता पटले , मुकेश लिलहारे , देवेन्द्र हरिनखेड़े , कन्हैया टेभरे आदि का कार्यक्रम को सफल बनाने मे सराहनीय योगदान रहा ।

# रमरमा में मार्शल की ठोकर से महिला घायल

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** वारासिवनी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम रमरमा में एक महिला मार्शल की ठोकर से घायल हो गई घायल महिला गीता बाई पति बाबूलाल बारसागड़े 45 वर्ग ग्राम सिर्रा निवासी है। जिसे जिला अस्पताल बालाघाट में भर्ती किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार

गीताबाई अपने परिवार के साथ मजदूरी करती है। जिसके परिवार में पति और दो बेटी है जिसमें एक बेटी की शादी हो चुकी है। बताया गया है कि 15 फरवरी को गीता बाई अपने परिवार के साथ ग्राम रमराम में शिवरात्रि पर आयोजित मेला जा रही थी। 12‿00 करीब गीता बाई रमरमा के पास ही पहुंची थी और रोड किनारे खड़ी थी। सामने से तेज रफ्तार से आ रही मार्शल कार ने गीताबाई को चपेट में ले ले लिया। मार्शल कार की ठोकर से गीता बाई का बाया पैर ही फ्रैक्चर हो गया। घायल गीता बाई को 108 एंबुलेंस से वारासिवनी सिविल अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल बालाघाट रेफर किया गया है।

# बालक छात्रावास उकवा में 14 फरवरी को पुलवामा हमले के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

**पद्मेश न्यूज। उकवा।** बालक छात्रावास उकवा में 14 फरवरी को ब्लैक डे के रूप में मनाया। इस अवसर पर पुलवामा आतंकी हमले में शहीद हुए भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। छात्रावास के द्वारा श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

इसमें शहीदों की याद में मोमबत्तियां जलाई गईं और उनके बलिदान को नमन किया गया। यह कार्यक्रम पुलवामा हमले की पूर्व संध्या पर आयोजित किया गया था। समाज सेवी संदीप गजभिये ने इस दौरान कहा कि 14 फरवरी को वैलेंटाइन डे के बजाय पुलवामा में शहीद हुए 40 सैनिकों के बलिदान को याद करना चाहिए। उन्होंने देशवासियों से अपील कि है की यदि वे अपने वतन से प्रेम करते हैं, तो एक दिया या मोमबत्ती जलाकर शहीदों को श्रद्धांजलि दें। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में सर्व धर्म सेवा समिति अध्यक्ष जेम्स बारिक, अधीक्षक रामलाल पटले सचिव नितिन कुमार समाजसेवी संदीप गजभिये अमन गौतम डॉक्टर प्रभात घुले, बाबूलाल धुर्वे, प्रमोद मरकाम, शक्ति तेकाम, सागर तेकाम आर्यन तिलासे, भूपेंद्र परते,आयुष उइके, सहित समस्त छात्रावास के बच्चे उपस्थित रहे। सभी ने शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

# हर बोला हर हर महादेव,ओम नम: शिवाय से गूंजे शिवालय

**पद्मेश न्यूज। किरनापुर।** महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर नगर सहित क्षेत्र भर के शिवालयों मे सुबह से ही श्रद्धालु भक्तों के आस्था का जन सैलाब पूजा आराधना के लिए उमड़ पड़ा। इस अवसर पर मंदिरों मे सुबह से शुरू हुआ पूजा आराधना का दौर देर शाम तक चलते रहा। अनेक स्थानों में मेले के नजारे दिखलाई दिए। नन्हे बच्चों को बाबा भोलेनाथ की वेशभुषा धारण कर सजाया गया। इस दौरान अनेक मंदिरों से डीजे की धुनों पर नाचते हुए युवाओं द्वारा शिव बारात निकालकर ग्राम का भ्रमण कराया गया। जिसमे शामिल शिव भक्तों द्वारा हर बोला हर हर महादेव, बम बम भोले, ओम नम: शिवाय के जयघोष लगाए गए। मंदिरों मे बाबा भोलेनाथ के पूजन के साथ जगह जगह हवन पूजन कर भंडारे का आयोजन कर प्रसादी वितरण आयोजकों द्वारा किया गया। जिसमे शामिल होकर शिव भक्तों द्वारा बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद प्राप्त किया। मन्दिरों मे सुबह से बाबा भोलेनाथ के भक्ति गीतों से समूचा माहौल शिवमय बना रहा।

# अन्तर्राष्टीय इस्सयोग समाज के तत्वावधान में महाशिवरात्रि महोत्सव सम्पन्न

पटना। आध्यात्मिक चेतना,श्रद्धा और साधना के विराट संगम के रूप में अन्तर्राष्टीय इस्सयोग समाज द्वारा आयोजित महाशिवरात्रि महोत्सव बिहार की राजधानी पटना के 1 माल रोड स्थित विशाल पण्डाल में भावपूर्ण वातावरण में सम्पन्न हुआ। इस महा महोत्सव में देश-विदेश से आए पाँच हजार से अधिक इस्सयोगियों और श्रद्धालुओं की सहभागिता ने इस आयोजन को वैश्विक आध्यात्मिक चेतना का दिव्य उत्सव बना दिया।इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष एवं ब्रह्मनिष्ठ सद्गुरुमाता माँ विजया जी ने अपने आशीर्वचन में कहा कि अहंकार साधना-पथ की सबसे बड़ी बाधा है। थोड़ी-सी आध्यात्मिक उपलब्धि भी साधक के भीतर अहंकार का अंकुर उत्पन्न कर देती है,जो उसे साधना के मार्ग से विचलित कर सकता है। उन्होंने साधकों से आग्रह किया कि सद्गुरु में अखंड प्रीति रखते हुए निरंतर यह प्रार्थना करें कि उच्चतम आध्यात्मिक उपलब्धि के बाद भी अहंकार का प्रवेश न हो।माँ विजया जी ने कहा कि प्रत्येक मानव में शिव और शक्ति का वास है और इस्सयोग की साधना से शिव-शक्ति के एकत्व का अनुभव संभव है। उन्होंने मन की शक्ति और चंचलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि मन ही समस्या का कारण भी है और समाधान भी।श्रद्धा,विश्वास और निरंतर अभ्यास से मन शुद्ध होता है और आत्मा का प्रकाश स्वयं प्रकट होने लगता है।आंतरिक साधना की तुलना उन्होंने सूर्य-किरणों को एक बिंदु पर केंद्रित करने वाले मैग्निफाइंग ग्लास से करते हुए कहा कि जब मन की शक्तियाँ एकाग्र होती हैं,तब अद्भुत आध्यात्मिक उपलब्धियाँ संभव होती हैं। आज के महामहोत्सव का शुभारंभ पूर्वाह्न दस बजे सामूहिक 'ओमकारम' के उद्घोष के साथ हुआ।संस्था के संयुक्त सचिव सरोज गुटगुटिया ने देश-विदेश से आए इस्सयोगियों और अतिथियों का अभिनन्दन करते हुए इस्सयोग की सूक्ष्म साधना-पद्धति की दिव्यता का परिचय कराया।संयुक्त सचिव संदीप गुप्ता ने शिव-विवाह के रोचक प्रसंगों का कथात्मक वर्णन करते हुए शिव-तत्त्व की महिमा पर प्रकाश डाला।भजन-संकीर्तन, शिव-स्तुति,रुद्राष्टकम तथा प्रभात झा व गोल्डी द्वारा प्रस्तुत 'शिव ताण्डव स्तोत्र' ने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। संस्था के संयुक्त सचिव डॉ. अनिल सुलभ ने बताया कि कुमार सहाय वर्मा, दीनानाथ शास्त्री,इशा कुमारी, सीमा बाबेजा,सुनील कुमार, संगीता ठाकुर, संतोष कुमार, निहारिका, सुमन सुहसरिया, गिरिजा शंकर सहित अनेक इस्सयोगियों ने अपने आध्यात्मिक अनुभव साझा किए।बाल इस्सयोगियों ने भी अपनी अनुभूतियाँ सुनाकर उपस्थित जनसमूह को भावविभोर कर दिया।

महोत्सव के अंतर्गत गोला रोड स्थित संस्था के 'एम एस एम बी भवन' में शक्तिपात-दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया,जिसमें माँ विजया जी ने तीन सौ से अधिक नव-जिज्ञासु साधकों को इस्सयोग साधना आरंभ करने हेतु दीक्षा प्रदान की। कार्यकारणी की बैठक, सांस्कृतिक कार्यक्रम,जगत- कल्याण हेतु सामूहिक ब्रह्मांड- साधना और महाप्रसाद के साथ महोत्सव का समापन हुआ। इस भव्य आयोजन में नीना दुबे गुप्ता,पूर्व विधायक नीलम सिंह, लक्ष्मी प्रसाद साहू,शिवम् झा, वंदना वर्मा,अनंत कुमार साहू,अजीत पटनायक,डॉ. द्राशनिका सोलंकी सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों, संस्था के कार्यकारणी समिति सदस्य और स्वयंसेवकों की सक्रिय सहभागिता रही।यह महाशिवरात्रि महोत्सव साधना,श्रद्धा और मानव-चेतना के उत्कर्ष का एक स्मरणीय अध्याय बन गया।


## आवश्यकता है

प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि केन्द्र खमरिया में बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति खमरिया अंतर्गत योग्यता धारक फार्मासिस्ट की आवश्यकता है।

नियम व शर्तें लागू -

1. फार्मासिस्ट बी फार्मा/डी फार्मा धारी होना चाहिए तथा ड्रग लाइसेंस होना अनिवार्य है।
2. स्थानीय फार्मासिस्ट को प्राथमिकता दी जावेगी।
3. कमीशन/वेतन का निर्धारण समिति द्वारा किया जायेगा।

**संस्था प्रबंधक**
**बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति खमरिया।**

**किराये से देना है**
ऑफिस काम हेतु
800 Sq.Fit जगह
लेट-बाथ सहित सीमेंट रोड में
1st फ्लोर में सर्वसुविधायुक्त
मो. 9827983285

**सुरक्षा कर्मी की बंपर भर्ती**
योग्यता 10 वी 12वीं पास
सैलरी 15 से 20 हजार रूपए,
पीएफ ईएसआईसी लीव सैलेरी बोनस की सुविधा
सनफ्लैग स्टील प्लांट भंडारा (वरठी)
संपर्क-7030497666, 9766188388

==5वीं पूण्यतिथि ==

स्व. अमीलाल जी मेश्राम
(से.नि.प्र.पा.)
देहावसान - 16-02-2021

चले गये वे अपने घर से
किन्तु दिल से दुर नही
रूखसत हुए वे दुनिया से
लेकिन वे हम से दुर नही
**स्व. अमीलाल जी मेश्राम**
(से.नि.प्र.पा.)
आपके स्नेह और आशिर्वाद हमारे लिए
सदैव प्रेरणा स्त्रोत रहेगा।
आज दिनांक 16.02.2026 को आपकी पांचवी पुण्यतिथि पर आपके चरणों में शत् शत् नमन.....

शोकाकुल परिवार :: श्रीमती होमिन्द्रा मेश्राम (पत्नि), राजेश, सुरेश, महेश (पुत्र), लक्ष्मी, कविता, गीता (पुत्रवधु), धर्मेश, नीरज, कृपांशु (पोते), कु. शिल्पा (पोती), विनीता (पोता बहु), कुमार लक्षित (परपोता) एवं समस्त मेश्राम परिवार मोहगांव ध. (लालबर्रा)।


## गुम सूचना

मैं शपथकर्ता मो. इकबाल कुरैशी पिता स्व. मो रमजान खान उम्र 55 वर्ष निवासी वार्ड न 10 रजा नगर तह0 व जिला बालाघाट म0प्र0 का निवासी हूँ। मेरे दवारा एक भूमि क्रय की गई जिसका खसरा क्रमाक 141/3/3/1 (S) है जो कि वार्ड न 13 सागौन वन बुढी बालाघाट तह व जिला बालाघाट में स्थित है। मेरे दवारा उक्त रजिस्टी को घर मे कही रख दी गई थी जो कि आवश्यकता पड़ने पर मेरे दवारा काफी खोजबीन करने पर आज दिनाँक तक मुझे अप्राप्त हुई है । रजिस्ट्री रखरखाव के अभाव में कही गुम हो गई है।

अत: मुझे डुप्लीकेट रजिस्ट्री की कॉपी की अनुमति प्रदान किया जाना उचित व न्यायवत होगा।

**आवदेनकर्ता**
**मो. इकबाल कुरैशी**


**बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध**
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

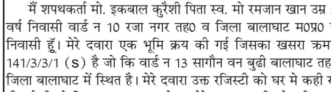

निर्माता
**तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स**
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

## पत्रकार एकादश एवं मेडिकल एकादश ने जीता मैच

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** स्थानीय उत्कृष्ट विद्यालय खेल मैदान में खेले जा रहे स्व पत्रकार सुदेश पौराणिक स्व सुनील बिसेन ओम भारद्वाज मुकेश बढ़ई सुरेन्द्र शुक्ला अनीश खान स्मृति हीरो सद्भावना क्रिकेट टूर्नामेंट का दूसरे दिन का पहला मैच श्रमजीवी पत्रकार एकादश एवं बैंक इलेवन के बीच खेला गया जिसमें बतौर अतिथि अजय नारायण तिवारी,योगेश देशमुख,नईम खान राजेश नगपुरे जहर लाल अंगारे उपस्थित रहे।श्रमजीवी पत्रकार एकादश ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया।निर्धारित 20 ओवर में 5 विकेट खोकर 187 रन बनाए जिसमें संदीप भीमटे ने 77 रन, धानेश्वर कुशले 37 रन,सचिन भोज 22

रन,आकाश श्रीवास्तव 16 रन का योगदान दिया।बैंक इलेवन की ओर से विजय सोनेकर ने 2 विकेट सुजीत,राजू,अजय मोटवानी ने एक एक विकेट प्राप्त किए।जवाबी पारी खेलने मैदान पर उतरी बैंक इलेवन ने 20 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 113 रन ही बना सकी।जिसमें चंद्रेश चौहान ने 24 रन अनुराग मडावी 21 रन सुजीत डोकेवार 20 रन का योगदान दिया।पत्रकार एकादश के कप्तान ने कहर बरपाती गेंद करते हुए 6 विकेट हासिल किए।आकाश श्रीवास्तव ने 2 विकेट,संदीप भीमते एवं रोहित चौहान ने एक एक विकेट प्राप्त किए।इस प्रकार पत्रकार एकादश ने 74 रन से मैच जीतकर अगले चक्र में प्रवेश किया। शानदार गेंदबाजी की बदौलत इंद्रजीत भोज को मैन ऑफ द मैच के रूप में नवाजा गया।दूसरा मैच मेडिकल एकादश एवं व्यापारी इलेवन के बीच खेला गया।जिसमें बतौर अतिथि वरिष्ठ पत्रकार अशोक मोटवानी,अमित असाटी मौजूद रहे।व्यापारी इलेवन ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया।निर्धारित 20 ओवर में अपने सभी विकेट खोकर 133 रन बनाए जिसमें दीपक यादव ने 84 रन का योगदान दिया।मेडिकल एकादश की ओर से गौरव शर्मा ने 5 विकेट हासिल किए।निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेडिकल एकादश ने 14 ओवर में 3 विकेट खोकर 138 रन बनाकर 7 विकेट से मैच जीता। मेडिकल एकादश की ओर से मोहित आचार्य ने 70 रन,इरफान ने 23 रन का योगदान दिया।व्यापारी इलेवन की ओर से प्रशांत मंडले ने 1 विकेट प्राप्त किया शेष दो खिलाड़ी रन आउट हुए।गौरव शर्मा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच के दौरान अंपायर की भूमिका अजय शुक्ला,प्रमोद कनौजिया, रोहित चौहान,नितेश जलकेशर एवं स्कोरिंग संदीप भीमटे,शुभम मेश्राम एवं कमेंट्री रजनीश राहंगडाले,महेंद्र अमूले,आकाश श्रीवास्तव अजय बिसेन,तपन राजा चौधरी हर्षविंदर भाटिया ललित प्रधान द्वारा की गई। प्रतियोगिता के तीसरे दिन का पहला मैच अधिवक्ता एकादश एवं हॉक फोर्स कनकी के मध्य सुबह 9 बजे एवं दूसरा मैच मॉयल एकादश भरवेली एवं राजा भोज फाउंडेशन के बीच दोपहर 1 बजे खेला जाएगा। मध्यप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष इंद्रजीत भोज महासचिव ओमेंद्र,उपाध्यक्ष श्रवण शर्मा,रजनीश राहंगडाले महेंद्र अमूले आकाश श्रीवास्तव,नईम खान,अजय नारायण तिवारी योगेश देशमुख,संदीप आश्वले सहित समस्त साथियों ने खेलप्रेमी जनता से उपस्थिति का आग्रह किया है।

# महाशिवरात्रि पर चहूंओर गूंजा हर-हर महादेव का जयघोष

## महाशिवरात्रि में सभी मंदिरों सहित शंकरघाट में उमड़ा आस्था का जनसमूह

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर स्थानीय शंकरघाट में श्रद्धालुओं का जनसैलाब उमड़ पड़ा। सुबह होते ही भगवान शंकर के मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की लंबी-लंबी कतारें लग गईं। श्रद्धालु अपने-अपने घरों से गंगाजल और पूजन सामग्री लेकर मंदिर पहुंचे और विधि-विधान से अभिषेक एवं पूजा की। हर-हर महादेव के जयकारों से पूरा घाट गूंज उठा और वातावरण भक्तिमय बना रहा।**

हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महाशिवरात्रि का पर्व स्थानीय शंकरघाट में पूरे हर्षोल्लास और उमंग के साथ मनाया गया। पर्व से एक दिन पूर्व ही विभिन्न शिव समितियों द्वारा शहर के अलग-अलग वार्डों से शिव बारात निकाली गई, जो देर रात 14 फरवरी को शंकर घाट पहुंचीं। भव्य झांकियों, शिव-पार्वती की आकर्षक शोभायात्राओं और हर-हर महादेव के जयकारों के साथ पूरा वातावरण भक्तिमय बना रहा। श्रद्धालु पूरी आस्था और श्रद्धा के साथ शंकर घाट पहुंचे और रात्रि तक धार्मिक आयोजन जारी रहे। 15 फरवरी को महाशिवरात्रि के दिन सुबह से ही श्रद्धालु अपने घरों से पूजा-अर्चना के लिए निकल पड़े। इस बार शंकर मंदिर एवं परिसर को विशेष लाइटिंग और आकर्षक सजावट से सजाया गया था, जिससे घाट की सुंदरता और अधिक निखर उठी। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर परिसर में अतिरिक्त शिवलिंग भी स्थापित किए गए, ताकि भक्तों को पूजा-अर्चना में किसी प्रकार की असुविधा न हो। सुरक्षा की दृष्टि से महिला और पुरुष श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग कतारें बनाई गईं, जो मंदिर के गर्भगृह तक सुव्यवस्थित रूप से संचालित होती रहीं। सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को लेकर भी विशेष इंतजाम किए गए। यातायात पुलिस द्वारा दो दिन पूर्व ही वाहनों की पार्किंग को लेकर एडवाइजरी जारी की गई थी, जिससे श्रद्धालुओं के आवागमन में किसी प्रकार की बाधा उत्पन्न न

हो। विभिन्न समितियों द्वारा विशाल भंडारे और महाप्रसाद का आयोजन भी किया गया, जो सुबह से लेकर देर शाम तक निरंतर चलता रहा। पूरे दिन शंकर घाट आस्था, भक्ति और अनुशासन का अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत करता रहा।

### शंकर-पार्वती का स्वरूप बना आकर्षण का केंद्र

महाशिवरात्रि पर शंकर घाट स्थित मंदिर के गर्भगृह में भगवान शंकर और माता पार्वती के संयुक्त मुखमंडल को विशेष श्रृंगार से सजाया गया। मंदिर समिति द्वारा उज्जैन के महाकालेश्वर मंदिर की तर्ज पर शिव-पार्वती का आकर्षक शीश स्वरूप तैयार किया गया था। यह सज्जा श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। दर्शन के दौरान श्रद्धालु इस मनोहारी स्वरूप को निहारते रहे और कई श्रद्धालुओं की नजरें इस दिव्य साज-सज्जा से हटने का नाम ही नहीं ले रही थीं। पूरा मंदिर परिसर भक्तिभाव और श्रद्धा से सराबोर नजर आया।

### भारी पुलिस बल रहा तैनात

महाशिवरात्रि के अवसर पर उमड़ी भारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस विभाग द्वारा व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई। सुबह से ही वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में पुलिस जवान मंदिर परिसर में तैनात रहे। समय-समय पर बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करते हुए पुलिस बल ने श्रद्धालुओं को सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन कराने में सहयोग किया। वहीं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी परिसर में मौजूद रहे और पुलिस के साथ समन्वय बनाकर व्यवस्थाओं की निगरानी करते रहे, जिससे पूरा आयोजन शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न हुआ।

### जागपुर घाट में पूज्य सिंधी पंचायत समिति का महाशिवरात्रि मेला लगा

जिले में महाशिवरात्रि का पर्व इस वर्ष भी श्रद्धा, आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर सहित ग्रामीण अंचलों के शिवालयों में भक्तों की लंबी कतारें देखी गईं। श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जल, दूध, बेलपत्र एवं धतूरा अर्पित कर विधिवत पूजा-अर्चना की तथा परिवार की सुख-समृद्धि और क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इसी क्रम में स्थानीय जागपुर घाट में पूज्य सिंधी पंचायत द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला शिवरात्रि मेला इस वर्ष भी आकर्षण का केंद्र रहा। घाट परिसर को विशेष रूप से सजाया गया था। सुबह से ही यहां श्रद्धालुओं का लगातार आगमन होता रहा, जिससे पूरे दिन धार्मिक वातावरण बना रहा।

महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर शहर के स्थानीय जागपुर घाट में पूज्य सिंधी पंचायत समिति, बालाघाट द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किया जाने वाला पारंपरिक मेला इस वर्ष भी श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ। समिति के पदाधिकारियों ने पद्मेश न्यूज़ से चर्चा करते हुए बताया कि जागपुर घाट में बीते लगभग 65 वर्षों से महाशिवरात्रि पर प्रात: 4:00 बजे से मेले और विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जाता रहा है। अमृत बेला से ही जागपुर घाट स्थित शंकर मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटनी शुरू हो गई थी। सामाजिक बंधु एवं श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित होकर भगवान शिव का विधि-विधान से पूजन, अभिषेक और आरती करते रहे। इसके उपरांत महाप्रसाद का वितरण किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस वर्ष भी जागपुर घाट में दिनभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। कई श्रद्धालु अपने-अपने स्तर पर हवन-पूजन और महाआरती का आयोजन करते नजर आए। पूरा घाट क्षेत्र हर-हर महादेव के जयघोष से गुंजायमान रहा, जिससे वातावरण पूर्णत: शिवमय हो गया।सुरक्षा और व्यवस्थाओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस प्रशासन तथा नगर पालिका द्वारा विशेष इंतजाम किए गए थे। प्रात:कालीन अंधेरे को देखते हुए लाइटिंग की समुचित व्यवस्था की गई थी, साथ ही भीड़ नियंत्रण और यातायात संचालन के लिए भी आवश्यक प्रबंध किए गए।परंपरा, आस्था और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक यह आयोजन एक बार फिर शांतिपूर्ण और सफलतापूर्वक संपन्न हुआ ।

# गुप्तेश्वर मंदिर डोंगरगांव में उमड़ा आस्था का अपार जनसमूह

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** 15 फरवरी को जिले सहित ग्रामीण अंचलों में महाशिवरात्रि का पर्व श्रद्धा, आस्था और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के प्रमुख शिवालयों के साथ-साथ गांवों में भी धार्मिक आयोजन और विशेष पूजा-अर्चना का क्रम दिनभर चलता रहा। जिला मुख्यालय के समीप ग्राम पंचायत डोंगरगांव में स्थित पहाड़ी पर विराजमान गुप्तेश्वर मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर विशेष आयोजन किए गए। सुबह से ही श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचने लगे। भक्तों ने सामूहिक रूप से त्रिशूल यात्रा निकाली, जिसमें युवक, महिलाएं और बच्चे शामिल हुए साथ ही

महाशिवरात्रि के अवसर पर ग्राम पंचायत डोंगरगांव स्थित पहाड़ी पर विराजमान गुप्तेश्वर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। जिले सहित छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र से भी बड़ी संख्या में भक्त यहां अपनी आस्था और विश्वास के साथ पहुंचे। श्रद्धालुओं ने बताया कि गुप्तेश्वर मंदिर वर्षों से क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केंद्र रहा है। दूर-दराज से लोग मनोकामनाएं लेकर यहां पहुंचते हैं , गुप्तेश्वर मंदिर के सचिव योगेश्वर सोनवाने ने बताया कि प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर हवन-पूजन और महाआरती का आयोजन किया गया। सुबह से ही श्रद्धालु नंदी महाराज के साथ मंदिर पहुंचते रहे। कई भक्त अपनी मान्यता के अनुसार भगवान शिव को चुनरी, त्रिशूल और अन्य पूजन सामग्री अर्पित करते नजर आए। उन्होंने कहा कि मंदिर की बढ़ती प्रसिद्धि को देखते हुए प्रशासन को यहां तक पहुंचने वाले मार्ग को दुरुस्त करना चाहिए, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिल सके। स्थानीय श्रद्धालु मुकेश सिंह चौहान ने बताया कि गुप्तेश्वर मंदिर अत्यंत प्राचीन और चमत्कारी स्थल माना जाता है। यहां दूर-दूर से लोग आस्था के साथ पहुंचते हैं। उन्होंने जिला प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की कि मंदिर परिसर और पहुंच मार्ग का कायाकल्प किया जाए, ताकि क्षेत्र का समुचित विकास हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि पूर्व में भी इस संबंध में कई प्रयास किए गए, किंतु अब तक प्रशासनिक स्तर पर ठोस पहल नहीं हुई है। मोहगांव खुर्द से त्रिशूल यात्रा लेकर पहुंचे पवन पारधी ने बताया कि उनके क्षेत्र में स्थित यह रहस्यमयी गुफा और मंदिर विशेष आस्था का केंद्र है। उन्होंने बताया कि वे पिछले दो वर्षों से महाशिवरात्रि पर त्रिशूल यात्रा निकालते हुए यहां पहुंच रहे हैं। इस वर्ष वे एक कुंटल, 31 फीट लंबा त्रिशूल लेकर श्रद्धालुओं के साथ गुप्तेश्वर मंदिर पहुंचे। उन्होंने भी आवागमन मार्ग की जर्जर स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि प्रशासन को इस ओर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से मांग की कि गुप्तेश्वर मंदिर को पर्यटन क्षेत्र के रूप में विकसित किया जाए और मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था और सुविधा दोनों सुदृढ़ हो सकें। महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का वातावरण बना रहा तथा हर-हर महादेव के जयघोष से पहाड़ी क्षेत्र गूंजता रहा।

### पर्यटन क्षेत्र किए जाने की मांग

महाशिवरात्रि के पर्व पर मंदिर पहुंचे, कुछ श्रद्धालुओं द्वारा क्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित किए जाने की मांग की गई । सभी ने कहा कि यह मंदिर बहुत प्राचीन है, यहां पर मध्यप्रदेश सहित छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र जैसे क्षेत्रों से श्रद्धालु पहुंच रहे हैं और यह क्षेत्र पहाड़ी से लगा होने के कारण यहां लोगों की मंदिर से आस्था जुडी हुई है, इसलिए अब अधिकतर श्रद्धालुओं की मांग है कि इस पुरे क्षेत्र को पर्यटन स्थल घोषित किया जाए ताकि इस पूरे क्षेत्र का विकास के साथ कायाकल्प हो सके।

# महाशिवरात्रि पर निकली रुद्र संग रुद्र अवतार की भव्य शोभायात्रा

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** शहर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर उत्साह का माहौल बना रहा। जय बजरंग सेवादल समिति द्वारा विगत तीन वर्षों से महाशिवरात्रि का पर्व धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस वर्ष समिति ने चौथे वर्ष में प्रवेश करते हुए रुद्र संग रुद्र अवतार की भव्य शोभायात्रा एवं चल समारोह का आयोजन किया। महाशिवरात्रि के अवसर पर बल भीम व्यायाम शाला से शोभायात्रा प्रारंभ हुई, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होकर पुन: व्यायाम शाला पहुंचकर संपन्न हुई। आयोजन की तैयारियां कई दिनों से चल रही थीं। 6 फरवरी को भगवान महाकाल और हनुमान जी के स्वरूप मुकुट की विधिवत पूजा-अर्चना कर स्थापना की गई। इसके बाद 15 फरवरी तक प्रतिदिन संध्या समय पूजा-अर्चना, हनुमान चालीसा पाठ, सुंदरकांड एवं महाआरती के पश्चात भंडारे का आयोजन किया जाता रहा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। 13 फरवरी को शाम 7 बजे शोभायात्रा का ट्रायल भी निकाला गया था। आयोजन समिति के अध्यक्ष अतेश यादव ने बताया कि इस वर्ष भगवान महाकाल का चोला पियूष सावरे द्वारा तथा हनुमान जी महाराज का चोला लक्ष्य अग्रवाल द्वारा धारण किया गया। 15 फरवरी को शाम 7 बजे रुद्र संग रुद्र अवतार की भव्य शोभायात्रा विशेष लाइटिंग, आकर्षक सज्जा और भक्ति गीतों के साथ डीजे की धुन पर निकली। जहां-जहां से यह शोभायात्रा गुजरी, वहां आमजन ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कई श्रद्धालुओं ने रुद्र और रुद्र अवतार को पुष्पमालाएं अर्पित कर पूजा-अर्चना की। यह शोभायात्रा मुख्य मार्ग से होते हुए हनुमान चौक, गोंदिया रोड, अंबेडकर चौक और काली पुतली चौक से गुजरकर पुन: बल भीम व्यायाम शाला पहुंची। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे मार्ग पर भारी पुलिस बल तैनात रहा। पुलिस प्रशासन समय-समय पर यातायात को डायवर्ट कर व्यवस्था बनाए रखने में जुटा रहा ।

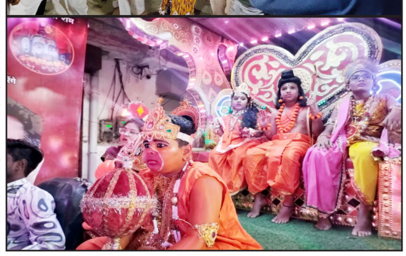

# गोंडीटोला कामथी में आदिवासी देवस्थल पर चली जेसीबी, समुदाय में भारी आक्रोश

## बड़ा देव पूजा स्थल को खण्डित करने वाले पर कार्यवाही एवं पुनः स्थापना की मांग की, मांगे पूरी नही होने पर आंदोलन की दी चेतावनी

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।**

**नगर मुख्यालय से लगभग 12 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत कामथी के अंतर्गत आने वाले गोंडीटोला में उस समय तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। जब एक निजी खेत मालिक ने आदिवासी समुदाय के प्राचीन पूजा स्थल बड़ा देव में लगे झंडे व भगवान की मूर्ति ( पूजा स्थल ) को अपनी जमीन में स्थित होने पर जेसीबी मशीन से खण्डित कर ढहा दिया गया है। जिससे आदिवासी समाज के लोगों में आक्रोश व्याप्त है। वहीं आदिवासी समाज के लोगों का कहना है कि पुरातन समय से इस स्थान पर बड़ा देव पूजा स्थल है जहां पत्थर की मूर्ति स्थित है और हम लोग पूजा अर्चना करते है जो आस्था का केन्द्र बन गया है। लेकिन खेत मालिक अमितकुमार देशमुख के द्वारा जिस स्थान पर बड़ा देव की मूर्ति स्थापित थी। उसे निजि जमीन है कहकर बेच दिया गया है उसके बाद रविवार को बड़ा देव पूजन स्थल व मूर्ति को जेसीबी मशीन से हटा दिया गया है जो गलत है। अगर उनकी जमीन पर बड़ा देव का पूजा स्थल था तो तो उन्हे आदिवासी समाज के लोगों को पूर्व में अवगत करवा देना था, हम लोग उन्हे अन्य स्थान पर विराजित कर देते। लेकिन उनके द्वारा बिना जानकारी दिये हमारे बड़ा देव की मूर्ति को जेसीबी मशीन से खण्डित कर ढहा दिया गया है। जिससे हमारी धार्मिक आस्था को आहत पहुंची है जिससे आदिवासी समाज के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं पूजा स्थल से मूर्ति को हटा देने की जानकारी जब आदिवासी समाज के लोगों को लगी तो बड़ी संख्या में ग्रामीणजन पहुंचे। जिन्हे देखकर वे लोग भाग गये। आदिवासी समाज के लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि जिनके द्वारा बड़ा देव पूजा स्थल व मूर्ति को खण्डित कर नुकसान पहुंचाया गया है।**

**उन पर कार्यवाही एवं पुनः देवस्थल की स्थापना की व्यवस्था करें। उक्त मांगे पूरी नही होने पर उग्र आंदोलन करने की चेतावनी दी है।**

### बिना सूचना के कार्यवाही से आदिवासी समाज की आस्था हुई आहत

प्राप्त जानकारी के अनुसार कामथी के अंतर्गत आने वाले गोंडीटोला स्थित भूमि-स्वामी अमितकुमार देशमुख के खेत में आदिवासी समुदाय का पूजा स्थल (देवठाना) स्थापित था। जहां वर्षों से समाज के लोग अपनी धार्मिक परंपराओं का निर्वहन करते आ रहे थे और आदिवासी समाज के लोगों को यह भी जानकारी नही था कि जिस स्थान पर आदिवासी समाज का पूजा स्थल (बड़ा देव) है वह किसी के खेत में है। वे यही समझ रहे थे कि यह आदिवासी समाज का ही होगा और अपनी आस्था के साथ उक्त स्थान पर पूजा अर्चना करते थे। बाद में उन्हे पता चला कि यह किसी की निजि भूमि है लेकिन आदिवासी समाज का आरोप है कि किसी की निजि भूमि पर आदिवासी समाज का देवस्थल था तो पहले भूमि - स्वामी द्वारा आदिवासी समाज को सूचना देना था कि आप लोगों का देवस्थल हमारी भूमि पर है उसे अलग कर ले। लेकिन उनके द्वारा बिना किसी पूर्व सूचना या समाज को विश्वास में लिये रविवार को जेसीबी चलाकर पूजा स्थल को क्षतिग्रस्त कर दिया गया है। जिससे आदिवासी समाज के लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। वहीं आदिवासी समाज के लोगों का कहना है कि हमारी आस्था पर सीधा प्रहार किया गया है। यदि हमें पहले से सूचित किया जाता, तो हम सम्मानपूर्वक अपने देवों को अन्यंत्र स्थापित कर लेते। लेकिन जिस तरह से हमारे आराध्य स्थल को तोड़ा गया है, उससे हमारी धार्मिक भावनाएं बुरी तरह आहत हुई हैं। साथ ही यह भी कहा कि यह केवल एक निर्माण का टूटना नहीं, बल्कि उनकी संस्कृति और परंपराओं का अपमान है। प्रशासन से मांग है कि क्षतिग्रस्त पूजा स्थल को उसी स्थान पर सम्मान के साथ पुनः स्थापित किये जाये। जल्द ही पूजा स्थल की पुर्नस्थापना के लिए ठोस कदम नहीं उठाये गये तो समस्त आदिवासी समाज एकजुट होकर जिला स्तर पर उग्र प्रदर्शन और आंदोलन करने के लिए बाध्य होगें।

### बिना सूचना दिये की गई है तोड़ फोड़ - भागवंती

श्रीमती भागवंती टेकाम ने बताया कि गोंडीटोला कामथी में किसी भूमि स्वामी के जमीन में पुरातन से हमारे आदिवासी समाज के बड़ा देव का पूजा स्थल था जहां मूर्ति थी हम लोग पूजा अर्चना करते थे।

लेकिन भूमि स्वामी ने जमीन बेच दी है किन्तु हमें बिना सूचना दिये पूजा स्थल एवं मूर्ति को जेसीबी मशीन से खंडित कर क्षतिग्रस्त किया गया है जिससे सामाजिक लोगों में आक्रोश व्याप्त है। श्रीमती टेकाम ने बताया कि अगर हमें पूर्व में सूचना दे देते तो हम स्वयं सम्मान के साथ देवों को अन्य स्थान पर ले जाते। लेकिन उन्होंने बिना किसी जानकारी के सीधे जेसीबी चलाकर देवों का अपमान किया है। इस नुकसान की पूरी भरपाई भूमि स्वामी को करनी होगी, अन्यथा हम अपनी मांग मनवाने के लिए सड़कों पर उतरेंगे।

### हमारी आस्था के साथ हुआ है खिलवाड़ - हंसलाल

हंसलाल टेकाम ने बताया कि भूमि स्वामी द्वारा जेसीबी चलवाकर हमारे देव स्थल को तोड़ा गया है जो हमारी सदियों पुरानी आस्था का अपमान है। बड़ा देव पूजा स्थल एवं मूर्ति को तोड़ देने के कारण हम इस वर्ष महाशिवरात्रि की पारंपरिक पूजा संपन्न नहीं कर पा रहे हैं, जिससे पूरे समाज को अपने परिवारों पर संकट आने का डर सता रहा है। हमारी मांग है कि तोड़े गये देव स्थल की पुनः उसी स्थान पर स्थापना की जाये और इसका पूरा खर्च भूमि स्वामी स्वयं वहन करें।

### पूर्वजों के समय से पूजा अर्चना करते आ रहे है आदिवासी - शेरसिंह

शेरसिंह देशमुख ने बताया कि गोंडीटोला में जिस भूमि पर आदिवासी समाज का देवस्थल था वह भूमि भले ही निजी हो, लेकिन यहांपूर्वजों के समय से पूजा-पाठ होते आ रहा है और आदिवासी समाज के लोग पूजा अर्चना करते है। आगे बताया कि भूमि स्वामी जमीन बेचने का बहाना बनाकर अपनी जिम्मेदारी से भाग रहे हैं। आदिवासी समाज के पूजा स्थल व मूर्ति को क्षतिग्रस्त किया गया है जिससे लोगों में आक्रोश व्याप्त है। जल्द ही ठोस निर्णय नहीं लिया गया और देव को उसी स्थान पर सम्मानपूर्वक स्थापित नहीं किया गया, तो आदिवासियों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन किया जायेगा।

### देव की पुर्नस्थापना नहीं हुई तो होगा थाने का घेराव - भागचंद

कामथी पूर्व सरपंच भागचंद पटले ने बताया कि जैसे ही उन्हें ग्रामीणों से सूचना मिली कि आदिवासी समाज के पूजा स्थल में तोड़-फोड़ की जा रही है। जिसके बाद मौके में पहुंचे तो हमें देखकर भूमि स्वामी और जमीन के खरीददार वहां से फरार हो गये। श्री पटले ने बताया कि देवस्थल को नुकसान पहुंचाने वाला यह कृत्य आदिवासियों की भावनाओं को कुचलने जैसा है, यदि जल्द ही देव स्थल की पुर्नस्थापना नहीं करवाई गई तो आदिवासी समुदाय एकजुट होकर लालबर्रा थाने का घेराव करेगें, जिसकी जवाबदारी शासन-प्रशासन की होगी।

### सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है - अमित

दूरभाष पर चर्चा में अमितकुमार देशमुख ने बताया कि मेरी पैतृक भूमि गोंडीटोला कामथी में है और उक्त भूमि पर आदिवासी समाज के लोग झंडे लगाकर रखे थे एवं पत्थर था, जिसे वे लोग अपना भगवान मानते है। मेरे द्वारा आदिवासी समाज के लोगों को डेढ़ माह पूर्व एवं आज सुबह सूचना दी गई थी कि मूर्ति एवं झंडे को हटा ले किन्तु वे नही हटाये और आये भी नही। जिसके बाद मेरे द्वारा झंडे एवं मूर्ति को सुरक्षित आदिवासी समाज के एक किसान के खेत में रख दिया गया है। श्री देशमुख ने बताया कि जेसीबी मशीन से पूजा स्थल व मूर्ति को खंडित कर नुकसान पहुंचाने एवं जानकारी नही देने का जो आरोप लगा रहे है सभी आरोप निराधार एवं बेबुनियाद है।

# धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया महाशिवरात्रि पर्व

## शिवालयों में लगा भक्तों का तांता, रूद्राभिषेक, हवनपूजन एवं भंडारे का हुआ आयोजन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में हिन्दु धर्मालंबियों के द्वारा देवों के देव महादेव की शक्ति, उपासना का महाशिवरात्रि पर्व 15 फरवरी को धार्मिक आस्थाओं के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान चहुंओर (क्षेत्रभर) देवों के देव हर-हर महादेव के जयकारे गुंजता रहा और महादेव के भक्तजन भक्ति में लीन नजर आये। इसी कड़ी में नगर मुख्यालय स्थित सिंधी मोहल्ला, राम मंदिर, ग्राम अमोली स्थित मंदिर, पांढरवानी, मानपुर व पनबिहरी शिव मंदिर सहित शिवालयों में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सुबह से ही शिव भक्तों की भीड़ दिनभर लगी रही और भगवान भोलेनाथ और माँ गौरी की पूजा में भक्तों ने भोलेनाथ का प्रिय बेलपत्र, सफेद फूल, पेड़ों पर आई नई बौर, बेल व गेहूं की बाली सहित दूध, दही आदि से विधि-विधान के साथ शिवलिंग में स्नान करवाकर पूजा-अर्चना करते हुए मंगल कामना की। इस महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर चहुंओर हर-हर महादेव का जयकारा गुंजायमान रहा। साथ ही इस दौरान विभिन्न मंदिरों में विविध अनुष्ठान, रूद्राभिषेक, जलाभिषेक, हवन-पूजन व भंडारे का आयोजन किया गया एवं श्रध्दालुओं ने उक्त कार्यक्रम में शामिल होकर धर्मलाभ अर्जित किये।

### शिव मंदिर से निकली भगवान भोलेनाथ की बारात, जीवंत झाकियां रही आकर्षण का केन्द्र

नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत पनबिहरी स्थित श्री भीमाशंकर शिव मंदिर में 15 फरवरी को महाशिवरात्रि का पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। इस महाशिवरात्रि पर्व के एक दिन पूर्व 14 फरवरी को शाम 7 बजे श्री भीमाशंकर शिव मंदिर से भगवान भोलेनाथ की शिव बारात डीजे की धुन एवं जीवंत झाकियों के साथ निकाली गई। जो रात में छोटी पनबिहरी स्थित शिव मंदिर पहुंची जहां भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती का विवाह संपन्न करवाया गया एवं 15 फरवरी को बड़ी पनबिहरी स्थित श्री भीमाशंकर शिव मंदिर में सुबह रूद्राभिषेक, हवन-पूजन, कन्यापूजन, महाआरती एवं विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है। वहीं भगवान भोलेनाथ की बारात में उपस्थित श्रध्दालुजनों ने जमकर नृत्य भी किये एवं इस शिव बारात में भगवान भोलेनाथ और माता पार्वती की जीवंत झांकिया आकर्षण का केन्द्र रही। चर्चा में श्री भीमाशंकर शिव मंदिर बड़ी पनबिहरी के पदाधिकारी, पनबिहरी सरपंच वीरेन्द्र बनवाले ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर पर्व के एक दिन पूर्व 14 फरवरी को शिव बारात निकाली गई जो पूरे नगर का भ्रमण करने के बाद छोटी पनबिहरी स्थित शिव मंदिर पहुंची जहां भगवान भोलेनाथ एवं माता पार्वती का विवाह संपन्न करवाया गया। साथ ही 15 फरवरी को भगवान भोलेनाथ का रूद्राभिषेक, हवन-पूजन के बाद आरती के पश्चात भंडारा रूपी महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

# स्वयं सेवक देश की निःस्वार्थ भाव से सेवा करते हैं- मौसम

## राष्ट्रीय सेवा योजना के 7 दिवसीय विशेष शिविर का समारोहपूर्वक हुआ समापन

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** उच्च शिक्षा विभाग एवं रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय जबलपुर के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा का गत दिवस से ग्राम पंचायत सिहोरा में 7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविर का शनिवार को समारोहपूर्वक समापन किया गया। यह कार्यक्रम पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन के मुख्य आतिथ्य, जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर, जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के विशेष आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। जिसमें सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने मॉ सरस्वती, स्वामी विवेकानंद, डॉ. अम्बेडकर एवं महात्मा गांधी के छायाचित्र के समक्ष दीप प्र'वलित कर माल्यार्पण किया। इस 7 दिवसीय शिविर में 65 स्वयं सेवकों को बेहतर कार्य प्रदर्शन एवं प्रेरणा के लिए स्वयं सेवकों को शील्ड एवं मेडल तथा प्रमाण पत्र अतिथियों के हस्ते प्रदान कर सम्मानित किया गया। वहीं राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर की थीम - मेरा युवा भारत डिजिटल साक्षरता के लिए युवा स्वास्थ्य जन स्वच्छता एवं व्यक्तिगत स्वास्थ्य पर समापन अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. प्रदीप कुमार भिमटे ने 7 दिवसीय शिविर में हुए विभिन्न गतिविधियों की जानकारी से संबंधित पालन प्रतिवेदन का वाचन किया। जिसमें सायबर सुरक्षा एवं आर्टिफि शियल इंटेलिजेन्स, ई ग्रंथालय, जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, वित्तीय साक्षरता, महिला सशक्तिकरण एवं किशोरी स्वास्थ्य, उद्यानिकी, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि, पशुपालन, स्व' छता, मतदाता जागरूकता, स्वास्थ्य एवं खेलों का महत्व आदि विषयों पर विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर निर्माण, परियोजना कार्य, भाषण, सांस्कृतिक गतिविधियों की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग सदस्य मौसम बिसेन ने विद्यार्थियों से कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक देश की निःस्वार्थ भाव से सेवा करते है। शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों का बेहतर व्यक्तित्व का विकास होता है इसलिए शिविर में जो सीखाये गये है उस ज्ञान का जन-जन तक पहुंचाये। जनपद उपाध्यक्ष किशोर पालीवाल ने एन.एस.एस. के राष्ट्र निर्माण में योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि एन.एस.एस. के स्वयंसेवक प्राकृतिक आपदा, समाज सेवा एवं यातायात तथा अन्य गतिविधि में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। जिला पंचायत सभापति झामसिंह नागेश्वर ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक समाज निर्माण में अपना योगदान देते है। बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं एवं पर्यावरण संरक्षण पर जनमानस में जनजागरूकता के कार्यो को सम्पन्न करते है। एनएसएस जिला संगठक डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे ने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों की जानकारी दी और प्रेरक गीत गाकर विद्यार्थियों को प्रेरित किया। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सुमन बरवा ने स्वयंसेवको को संबोधित करते हुए कहा की शिविर के माध्यम से विद्यार्थी सामूहिक हित की भावना से कार्यो को सम्पन्न करते है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संजय टेम्भरे सरपंच ग्राम पंचायत सिहोरा, शिविर प्रभारी डॉ. कामाक्षा बिसेन, शिविर सहायक प्रभारी दीपक अहिरवार, डॉ. सुरेन्द्र कुमार खण्डायत, डॉ. ऋषिकेश पटेल, नरेश सौलखे, मनीष शिवहरे, हिमालय टेम्भरे, संजीव अवधिया, डॉ. आशीष बागड़े, श्रीमती अनिभा शरणागत, श्रीमती सरिता ऐड़े, श्रीमती वंदना कुर्वे, कु. सोनम हरिनखेड़े, लकेश गेडाम, रामदयाल मथारे, प्रशिक हुमनेकर, व्यंकट नगपुरे, मिनेश पंचेश्वर, निशांत तलवरे, शिविर नायक राहुल मानेश्वर, शिविर उपनायक सिध्दार्थ खण्डाते, साजेन्द्र लांजेवार, गौरव उइके, दिपेश नागेश्वर, स्टॉफ एवं ग्राम के गणमान्य नागरिकों का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

# माँ नर्मदा के पावन जल से हुआ बाबा महाकाल का जलाभिषेक, भक्तिमय हुआ पोटियापाट धाम

## पोटियापाट धाम महाकाल मंदिर में महाशिवरात्रि पर हुई विशेष पूजा अर्चना, श्रध्दालुओं का लगा तांता

**पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।** नगर मुख्यालय से लगभग 5 किमी. दूर समनापुर मार्ग स्थित वैनगंगा नदी के पावन तट धार्मिक स्थल पोटियापाट धाम स्थित महाकाल मंदिर में 15 फरवरी को प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि पर्व पर क्षेत्रीय श्रध्दालुओं ने पहुंचकर बाबा भोलेनाथ का पूजन अर्चन कर शिवरात्रि का पर्व भक्तिभाव एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर दोपहर 1 बजे मॉ नर्मदा के पावन तट की यात्रा से लौटे कांवड़ियों का स्वागत किया गया, जिसके पश्चात भगवान शिव (बाबा महाकाल) का माँ नर्मदा के जल से अभिषेक व रूद्राभिषेक किया गया। जिसके बाद पावन सलिल मॉ वैनगंगा के जल से महा अभिषेक किया गया और शाम में हवन-पूजन के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर मंदिर में सुबह से ही क्षेत्रीय श्रध्दालुओं की भारी भीड़ रही। जहां भक्तों ने कतारबध्द होकर महादेव का दर्शन किये और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा पोटियापाट धाम क्षेत्र शिवमय नजर आया। चर्चा में श्रध्दालुओं ने बताया कि वैनगंगा नदी के पावन तट धार्मिक पोटियापाट धाम स्थित महाकाल मंदिर पहुंचकर महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की गई और जो भी भक्तजन स'चे मन से पूजा अर्चना करते है उनकी मनोकामनाएं भी पूरी होती है। साथ ही यह भी बताया कि पोटियापाट धाम पर्यटक व तीर्थ स्थल बन सकता है क्योंकि मुंडन व अन्य कार्यक्रमों के लिए पहले लोग इलाहाबाद, मंडला जाते थे किन्तु अब वैनगंगा नदी में ही सभी लोग उक्त कार्य संपन्न करने लगे है परन्तु सुविधाएं पर्याप्त नही होने के कारण कुछ परेशानी भी होती है। साथ ही यह स्थल नदी के दोनों ओर जंगल से गिरा हुआ है इसलिए पर्यटक व तीर्थ स्थल बन सकता है, शासन-प्रशासन से मांग करते है कि पोटियापाट धाम को पर्यटक एवं तीर्थ स्थल घोषित कर सुविधाएं प्रदान करें। नर्मदा नदी से जल लेकर आये कावड़ियों में श्रीराम तुमसरे, तिलकराम नखाते, भूमेश्वर ढबाले, मोहिल ढबाले, आनंद पंचेश्वर, खुशीराम मरठे, बसराम बाहेश्वर, बिट्टू मानेश्वर, सियाराम मरठे, भरत तुमसरे, लिखिराम कावरे, हंसराज भोयर, दयाल हरिनखेड़े, स्वरूप लांजेवार, रोहित बोपचे, गोलू बोपचे, विशाल, धनेन्द्र ढबाले, हिमांशु ढबाले, हिमांशु आश्वले, सतिश बोपचे, रितिक तिड़के, विनय भोयर, लखन सपाटे शामिल है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रध्दालुजन उपस्थित रहे।

### जनसहयोग एवं जनप्रतिनिधियों की मदद से धार्मिक स्थल का किया जा रहा विकास - ढबाले

बम्हनी सरपंच बीआर ढबाले ने बताया कि महाशिवरात्रि के अवसर पर पोटियापाट धाम में मेले का आयोजन किया जाता है और मंडला से माँ नर्मदा नदी से जल लाकर भोलेबाबा का जलाभिषेक किया गया एवं सुबह से श्रध्दालुओं की भीड़ थी। सभी ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की है और क्षेत्रीयजन अपनी मनोकामनाओं को लेकर इस मंदिर में पहुंचते है, जिनकी मनोकामनाएं भी पूरी होती है। श्री ढबाले ने बताया कि पूर्व में यह मंदिर इतनी विकसित नहीं था जिससे भक्तों व श्रध्दालुओं को कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ता था , धीरे धीरे जनसहयोग से एवं जनप्रतिनिधियों की मदद से इस धार्मिक स्थल का विकास किया जा रहा है। जिससे अब व्यवस्थाएं पहले से बेहतर है, आगे भी व्यवस्था में और सुधार करने का प्रयास किया जायेगा। शासन-प्रशासन से मांग है कि इस स्थल को पर्यटक एवं तीर्थ स्थल घोषित कर विकास करें।

# धार्मिक आस्था के साथ चहुंओर मनाई गई महाशिवरात्रि

### वारा के पशुपतिनाथ शिव पार्वती मंदिर में लगा मेला

ग्राम पंचायत वारा के गोंडीटोला में करीब १२० वर्ष पुराने पशुपतिनाथ शिव पार्वती मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी मेले का आयोजन हुआ। इस दौरान प्रात:काल भक्तों के द्वारा भगवान शिव का दूध और दही से रूद्राभिषेक किया गया। वहीं हवन पूजन के पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इसके बाद दूर दराज से बड़ी संख्या में भक्तगण पहुंचे जिनके द्वारा पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया जाता रहा। विदित हो कि भक्तजनों के सहयोग से मंदिर का भव्य निर्माण कार्य किया जा रहा है जिसका कार्य जारी है। यह मंदिर बहुत पुराना है जहां भक्तजनों की आस्था जुड़ी हुई है। उक्त संबंध में आयोजको ने बताया कि पहले मेला मंदिर से लगे खेतो में भरता था। जिसके बाद मंदिर समिति और ग्राम पंचायत के सहयोग से मंदिर के आसपास भरन भरपाई की गई है और मंदिर का निर्माण कार्य किया जा रहा है। प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि पर मेला भरता है इस दिन प्रात:काल से ही भगवान भोलेनाथ का अभिषेक एवं भार का भी काम किया गया है। पशुपतिनाथ मंदिर में कुण्ड बना हुआ है जिसका पानी कभी कम नही होता है एवं गर्मी के दिनों में क्षेत्र के कुएं सूख जाते है लेकिन उक्त जलकुण्ड कभी नही सूखता है।

### बस स्टैण्ड में महाप्रसादी का हुआ वितरण

नगर के हृदय स्थल बस स्टैण्ड में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर बस एजेन्ट व दुकानदारों के द्वारा भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पिपलेश्वर हनुमान मंदिर में स्थित भोलेनाथ की पिण्डी पर विधि विधान से पूजा अर्चना कर जलाभिषेक किया गया। जिसके बाद शाम ५ बजे से महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें बस स्टैण्ड के व्यापारी सहित यात्रियों ने महाप्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किये। इस अवसर पर मंदिर समिति सहित अन्य भक्तजनो का सराहनीय योगदान रहा।

## जगह-जगह देवाधिदेव महादेव की पूजा भण्डारे का हुआ आयोजन

*रिपोर्टर।*
***पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।***

*देवाधिदेव महादेव की शक्ति उपासना का महाशिवरात्री पर्व १५ फरवरी को नगर सहित क्षेत्र में हर्षोल्लास के साथ आस्था पूर्वक मनाया गया। इस दौरान नगर व क्षेत्र के सभी शिव मंदिरों में सुबह से ही भक्तों का तांता लगा रहा और भक्तगणों ने मंदिरों में मत्था टेककर व्रिशेष पूजा अर्चना की। पर्व के एक दिन पूर्व से ही मंदिरों में सॉज सज्जा का कार्य चलता रहा और सभी शिव मंदिरों को आकर्षक रंग रोगनकर कर सजाया गया। इस दौरान प्राचीन मंदिरों में जहां शिव मेला लगा वहीं धार्मिक अनुष्ठान भी हुए।*

### नगर में महाकाल सेना ने निकाली बाईक रैली

नगर में स्थित जागेश्वर शिवमंदिर में रविवार को प्रात: भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक रुद्राभिषेक कर शिवरात्री पर्व धार्मिक आस्थाओं के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भक्तजनों के द्वारा भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक एवं चना, गेंहू, धतुरे का फुल, अलसी, बेर सहित फल चढ़ाकर विधि विधान से पूजा अर्चना कर धर्मलाभ अर्जित किये। वहीं सुबह १० बजे महाकाल सेना के द्वारा बाईक रैली संगीतमय गीतों के साथ निकाली गई और नगर के विभिन्न चौक चौराहों का भ्रमण करते हुए भगवान शिव व माता पार्वती के विवाह कार्यक्रम में उपस्थित होने का आमंत्रण दिया। समिति सदस्यों ने बताया कि प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्री के पावन अवसर पर महाकाल सेना के द्वारा नगर में बाईक रैली निकाली गई। जिसका समापन जागेश्वर शिव मंदिर में किया गया। इस बाईक रैली के माध्यम से नगर वासियों को भोलेनाथ की बारात में शामिल होने की अपील की गई है। शाम ५ बजे जागेश्वर शिव मंदिर से भोलेनाथ की बारात निकली जो नगर का भ्रमण करते हुए पंचमुखी शिव मंदिर पहुंची। जहां भोलेनाथ एवं माता पार्वती का विवाह संपन्न होगा जिसके बाद १६ फरवरी को महाप्रसादी का वितरण किया जायेगा। इस अवसर पर महाकाल सेना के पदाधिकारी सदस्य मौजूद रहे।

### चंदनेश्वर शिव मंदिर में हवन पूजन एवं भण्डारा आज

नगर के वार्ड नं. १२ स्थित चंदन नदी के तट पर बने चंदनेश्वर शिव मंदिर में भी रविवार को भगवान शिव का महाशिवरात्री पर्व आस्था के साथ मनाया गया। इस अवसर पर दिन भर मंदिर में पूजा अर्चना करने वाले भक्तजनों का तांता लगा रहा जिनके द्वारा विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। जहां पर १६ फरवरी की दोपहर २ बजे हवन पूजा एवं शाम ५ बजे से विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। चर्चा में मनोज दांदरे ने बताया कि प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्री पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें भगवान शिव का दूध दही से प्रात:काल अभिषेक जिसके बाद लोगों की भीड़ लगी रही । जिन्होंने विधि विधान से पूजा अर्चना की जहां सोमवार की दोपहर २ बजे हवन पूजा एवं शाम ५ बजे से विशाल भण्डारे का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर क्षेत्रीय भक्तजनों से अधिकाधिक संख्या में पहुंचने की अपील समिति के पदाधिकारियों ने की है।

### पंचमुखी शिव मंदिर में हुआ अभिषेक

नगर पालिका परिषद के सामने स्थित पंचमुखी शिव मंदिर में महाशिवरात्रि पर्व पर सुबह भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक बड़ी संख्या पर पहुंचे श्रद्धालु भक्तजनों के द्वारा किया जाता रहा। जहां पर दोपहर में बाबा का रुद्राभिषेक कर श्रृंगार किया गया तत्पश्चात महाआरती कर भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित किया गया। जहां बड़ी संख्या में लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराकर बाबा भोलेनाथ का आशीर्वाद ग्रहण किया।

### वार्ड नं.८ कटंगी रोड़ में बाबा भोलेनाथ का किया रुद्राभिषेक

नगर के वार्ड नं.८ कटंगी रोड़ पर शिव मंदिर में बाबा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर श्रृंगार किया गया। इस दौरान समाजसेवी संजय सिंह कछवाहा ने बताया कि प्रतिवर्षा अनुसार इस वर्ष भी नगर के वार्ड नं. ८ कटंगी रोड़ के शिव मंदिर में बाबा भोलेनाथ का रुद्राभिषेक कर श्रृंगार किया गया। तत्पश्चात महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर समाज सेवी राजेश पाठक, समाज सेवी संजय सिंह कछवाहा, निशांत बिसेन, कन्हैयालाल पातरे, आशीष सिंह गौतम, शिवशक्ति सोलंकी, सुरज बिसेन, उमा पटले सहित सभी श्रध्दालु भक्तगण मौजूद रहे।

### चंदोरी में भजन संध्या का हुआ आयोजन

नगर के वार्ड नंबर ८ चंदोरी स्थित शिव मंदिर में हर्षउल्लास के साथ महाशिवरात्रि उत्सव मनाया गया। जहां पर प्रात: मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना का रुद्राभिषेक के पश्चात हवन पूजन किया गया। तत्पश्चात भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित किया गया इस भजन संध्या में श्वेता शर्मा ग्रुप के द्वारा मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गई। जहां पर बड़ी संख्या में ग्रामीणों के द्वारा उपस्थित होकर देर शाम तक भजन श्रवण कर महाप्रसाद का वितरण किया गया। मंदिर में सुबह से बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ लगी रही जिन्होंने बारी.बारी से भगवान भोलेनाथ की पूजा कर आशीर्वाद ग्रहण किया।

### नगर स्थित शिव मंदिरों में भी हुई विशेष पूजा

महाशिवरात्री पर्व के पावन अवसर पर श्रीराम मंदिर, वार्ड नं. १ स्थित हिमाचल नगर शिव मंदिर, अमृत नगर शिव मंदिर, वार्ड नं. ३ सम्राट नगर शिव मंदिर, गणेश शिव मंदिर, तहसील कोर्ट स्थित शिव पार्वती मंदिर, मॉ सिंहवाहिनी दुर्गा मंदिर, सिद्ध जाग्रत हनुमान मंदिर जोडा पीपल सहित नगर के अन्य मंदिरों में प्रात:काल से ही शिवभक्तों का हूजूम भोलेनाथ के दर्शनार्थ उमड़ पड़ा। नगर के सभी शिव मंदिरों में प्रात:काल भगवान शिव का रूद्राभिषेक किया गया। वहीं देर रात्री तक धार्मिक अनुष्ठान व शिव भजन संध्या जैसे कार्यक्रम होते रहे। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, विधायक विवेक पटेल, नपाध्यक्ष श्रीमती सरिता मनोज दांदरे सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

## महाशिवरात्रि पर्व पर विधायक पटेल ने मंदिरो में पहुँचकर भगवान शिव का लिया आशीर्वाद

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** देवो के देव महादेव की आराधना के पर्व महाशिवरात्रि का विशेष महत्व है। इस दिन शिव शक्ति का मिलन हुआ था अर्थात इसी दिन भगवान भोलेनाथ व माता पार्वती का विवाह हुआ था। रविवार को महाशिवरात्रि पर्व आस्था व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वारासिवनी में भी महाशिवरात्रि को लेकर शिव भक्तों में बेहद उत्साह देखा गया। नगर के सभी शिव मंदिरो व ग्राम पंचायत रमरमा की पहाडी में विराजे शिवालयों में साज सज्जा के साथ साथ आकर्षक रौशनी भी की गई थीं। सुबह ५ बजे सभी मंदिरो में विधि विधान के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया गया। वहीं अभिषेक के बाद हवन पूजन कर शिव भक्तों के द्वारा भंडारे का आयोजन भी किया गया। आस्था का प्रमुख केंद्र बन चुके इस प्राचीन मंदिर का जनसहयोग के माध्यम से जीर्णोद्धार किया जा रहा है। यह मंदिर अलग अलग विशेष आकृतियां की भव्यता को प्रदर्शित करने के लिए पर्याप्त है। महाशिवरात्रि के दिन यहां सुबह से लेकर देर रात तक आस्था का जनसैलाब उमड़ा हुआ रहता है। वारासिवनी नगर के अलावा अन्य स्थानों से भी बड़ी संख्या में भक्त जन दर्शन के लिए मंदिर में पहुंचते है। विधायक पटले के कहा की ग्राम रमरमा की पहाडियों में बसे भगवान भोलेनाथ के मंदिर की एक अलग ही पहचान है। इस मंदिर के चारो ओर घना जंगल है जो काफी सुंदर दिखाई देता है। इन पहाड़ियों में हर प्रकार के जंगली जानवर निवास करते है ,हमारा प्रयास रहेगा की इस क्षेत्र को एक पर्यटक स्थल बनाया जायें। इस स्थल को पर्यटक बनाने प्रदेश सरकार को हमारे द्वारा प्रस्ताव भी भेजा गया है।

## सदैव अच्छा ही सोचेंगे तो हमारे साथ धर्म, आध्यात्म और ईश्वर जीवन भर अच्छा ही करेंगे-प्रदीप जायसवाल

### सिकंद्रा में कबीर सत्संग समागम का हुआ आयोजन

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** क्षेत्र के प्रसिद्व तीर्थस्थल शेरपार में आध्यात्मिक शिवपुराण,
रूद्र महायज्ञ एवं महाशिवरात्रि महोत्सव में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने हर हर महादेव के जमकर जयघोष लगाये। साथ ही व्यासपीठ को नमन कर पं चितरंजन तिवारी से आर्शीवाद प्राप्त किया। महाशिवरात्रि के दिवस शेरपार, सिरपुर, आगरी, कोचवाही, नांदगांव के आयोजन में भक्तो की अपार भीड धार्मिकता के विशिष्ट अंदाज को प्रदर्शित करते हुये भी नजर आयी। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा की धार्मिक मान्यता अनुसार शिव व शक्ति एक हुये थे। यानि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह हुआ था। वहीं कुछ मान्यताओ के अनुसार आज ही के दिवस भगवान शिव ने समुद्र मंथन से निकले विष का पान किया था और संसार की रक्षा की थी। श्री जायसवाल ने कहा कि समुद्र मंथन से निकले विष को शिवजी के द्वारा ग्रहण करने के प्रसंग को भी विस्तार से बताकर अभिषेक के महत्व व उससे मिलने वाले आर्शीवाद की जानकारी अपार भक्तो को प्रदान की। इस धार्मिक कार्यक्रम में व्यासपीठ से ही जब महाराज जी ने जानकारी दी आज से हमने महादेव पहाडी का नाम कामनापूर्ति कामेश्वर धाम कर दिया है। अब इसे प्रक्रिया में लाकर इस नाम को स्थापित करने की जवाबदेही पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल आपकी ही है। वहीं सिकन्द्रा के पटेल टोला में आयोजित कबीर सत्संग समारोह में शामिल होकर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने संत हरेन्द्र साहेब छत्तीसगढ, संत मधु साहेब गुजरात, रोमनदास पटले को नमन कर सत्संग के प्रमुख उद्धेश्यो पर प्रकाश डाला। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने कहा कि संतो ने प्रकाशमय विषय का ज्ञान कराया है। हम भी मानते है की राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के तीन नही चार बंदर प्रतिकात्मक थे। बुरा मत बोलो, बुरा मत देखो और बुरा मत सुनो के साथ चौथे अद्रश्य बंदर ने यही संदेश दिया है की बुरा मत सोचो। हम अगर सदैव अच्छा ही सोचेंगे तो हमारे साथ धर्म, आध्यात्म और ईश्वर जीवन भर अच्छा ही करेंगे। श्री जायसवाल ने कहा की इस सत्संग का उद्धेश्य आध्यात्मिक जाग्रति,सामाजिक समता और आत्मशुद्धि व हंस दशा प्रदान करना है। जंहा सत्संगति रूपी सरोवर में ज्ञान के मोती मिलते है, जिससे जीवन आनंदमार्गी और विकारो से मुक्त होता है। महाशिवरात्रि के अवसर पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने नगर के मंदिरो में पंचमुखी शिव मंदिर, जागेश्वर शिव मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर वारा सहित चदोरी के शिव मंदिर में भोलेबाबा की आराधना कर क्षेत्र मे सदैव सुख शांति की कामना की। इस अवसर पर योगेन्द्र ठाकरे , ढालसिंह जामुनपाने, गेंदलाल बिसेन, मोहन सिंह पारधी, शत्रुघन बिसेन, भानूसिंह बिसेन, अनिश मिश्रा , डेलीराम ठाकरे ,राजकुमार चौधरी, परशुराम पंचेश्वर, मोतीराम ठाकरे, देवेन्द्र चौधरी, संतलाल मात्रे सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

## उपजेल वारा में मनाई गई महाशिवरात्रि

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** उपजेल वारा के शिव मंदिर में १५ फरवरी को महाशिवरात्रि पर्व प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी धुमधाम के साथ मनाया गया। जहां पर भगवान शिव की विशेष पूजा अर्चना हवन पूजन एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जेलर अंजू गोस्वामी सहित जेल स्टाफ बंदियों की उपस्थिति में ही प्रारंभ किया गया। विदित है की क्षेत्र के लोगों की उपजेल में स्थित इस शिव मंदिर में काफी आस्था है हर वर्ष लोग आते है उन्हें वापस लौटना पड़ता है। हालांकि विचाराधीन कैंदियो के साथ ही स्वयं जेलर व उनके स्टॉफ ने महाशिवरात्री पर्व धार्मिक मान्यताओं के अनुरूप मनाया। जहाँ भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक करने के बाद हवन पूजन एवं महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस दौरान विचाराधीन कैदियों का उपवास था उन्हे उपवास के दौरान देने वाली सामग्री व जिन्हे भोजन करना था उन्हे भोजन परोसा गया। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने भी उपस्थित होकर बाबा भोलेनाथ के सामने माथा टेकर नगर सहित क्षेत्र की सुख समृद्धि की कामना कर आशीर्वाद ग्रहण किया। जिनके द्वारा जेल में हो रहे परिवर्तन और विकास को लेकर सराहना भी की जाती रही। चर्चा में जेलर अंजू गोस्वामी ने बताया की शासन के दिशा निर्देश अनुसार ही हमारे द्वारा कार्य किया जा रहा है। उपजेल के अंदर स्थित प्राचीन शिव मंदिर है जहाँ महाशिवरात्री पर्व हमारे पूरे स्टॉफ व विचाराधीन कैदियों ने एक साथ मिलकर धार्मिक आस्था के साथ मनाया है। जिसमें भगवान भोलेनाथ का रुद्राभिषेक और समस्त स्टाफ के द्वारा जलाभिषेक किया गया इसके बाद हवन पूजन का महाप्रसादी का वितरण किया गया।

आवश्यकता है
वारासिवनी कार्यालय में
केबल में कार्य हेतु
लड़कों की
आवश्यकता है
स्थानीय या आसपास रहने वालों को प्राथमिकता
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
बस स्टेंड, वारासिवनी

बालाघाट एक्सप्रेस

## संपादकीय

### सत्य एक व्रत की तरह है

सत्यमेव व्रतं यस्य दया दीनेषु सर्वदा।
कामक्रोधौ वशे यस्य स साधुः - कथ्यते बुधैः।।

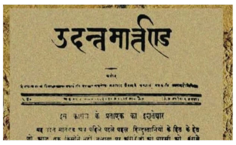


*ऐसा तकरीबन बीस वर्ष बाद होगा, जब बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार बनेगी, क्योंकि 2008 से 2024 के दौरान वहां शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सत्ता में रही थी। तारिक ऐसे वक्त में सत्ता संभालने जा रहे हैं, जब बांग्लादेश के भारत के साथ रिश्ते नाजुक दौर से गुजर रहे हैं।*

## उम्मीदें और आशंकाएं

बांग्लादेश के आम चुनाव में तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) को मिली प्रचंड जीत ने दक्षिण एशिया की राजनीति में एक नया अध्याय तो खोला ही है, जनता ने भी स्पष्ट जनादेश देकर यह संकेत दिया है कि वह निर्णायक नेतृत्व और स्थिर शासन चाहती है। ऐसा तकरीबन बीस वर्ष बाद होगा, जब बांग्लादेश में बीएनपी की सरकार बनेगी, क्योंकि 2008 से 2024 के दौरान वहां शेख हसीना के नेतृत्व वाली अवामी लीग सत्ता में रही थी। तारिक ऐसे वक्त में सत्ता संभालने जा रहे हैं, जब बांग्लादेश के भारत के साथ रिश्ते नाजुक दौर से गुजर रहे हैं। दोनों देश चार हजार किलोमीटर लंबी सीमासाझा करते हैं, लिहाजा घनिष्ठ रूप से जुड़े हैं। हालांकि, तारिक बांग्लादेश की नब्ज भी समझते हैं, जहां युवा शेख हसीना के प्रत्यर्पण के मुद्दे पर भारत के रुख को लेकर शंकित हैं। शायद इसीलिए, चुनाव में जीत के बाद बीएनपी ने हसीना को भारत से वापस बांग्लादेश लाकर मुकदमा चलाने की मांग पर फिर जोर दिया है। यह भी नहीं भूला जा सकता कि 2001 से 2006 के बीच बीएनपी का शासनकाल भारत-बांग्लादेश संबंधों के सबसे बुरे दौरों में से एक था। यही नहीं, पाकिस्तान का मुखौटा मानी जाने वाली जमात भी उस वक्त बीएनपी की सहयोगी थी। अच्छी बात यह है कि तारिक के नेतृत्व में बीएनपी का ताजा रुख न तो स्पष्ट रूप से भारत-विरोधी दिखा है और न ही खुल कर चीन का समर्थक। यह अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस की नीति से अलग है, जिन्होंने परंपराओं से अलग हटते हुए अपनी महत्वपूर्ण विदेश यात्रा के लिए चीन को भारत पर तरजीह दी थी और अपने पूरे कार्यकाल में पाकिस्तान को खुश करने का कोई मौका नहीं छोड़ा था। बांग्लादेश में सत्ता के परिवर्तन की अहमियत भारत भली-भांति समझता है, इसकी झलक तब मिली थी, जब खालिदा जिया खराब तबियत से जूझ रही थीं, और प्रधानमंत्री मोदी ने सार्वजनिक रूप से चिंता व्यक्त की थी, जिस पर बीएनपी ने तुरंत ही आभार भी व्यक्त किया था। इसी तरह, जिया के निधन के बाद भी विदेश मंत्री जयशंकर 2024 की अराजकता के बाद ढाका का दौरा करने वाले पहले भारतीय नेता बने थे। वस्तुत: बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस के अंतरिम शासन वाले दौर, जो साफ तौर पर कट्टरता को प्रोत्साहन देने वाला था, के बाद तारिक रहमान की जीत भारत के लिए एक अवसर हो सकती है, बशर्ते सक्रिय, सतर्क और दूरदर्शी कूटनीति अपनाई जाए। विवाद के मुद्दों पर दोनों देशों को संवाद बढ़ाना होगा, ताकि अतीत की आशंकाओं को पीछे छोड़ा जा सके।

# क्या इस समझौते में बराबरी है?

**-पी चिदंबरम, पूर्व केंद्रीय मंत्री**

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में बड़ा सवाल यह है कि भारत पांच साल में 500 अरब डॉलर के क्या-क्या सामान खरीदेगा? उसके पास ऐसे बहुत कम उत्पाद हैं, जो हमारी अर्थव्यवस्था को मजबूती दे सके।

एक बड़ा प्रश्न है कि 6 फरवरी, 2026 को भारत और अमेरिका सरकार द्वारा दिया गया संयुक्त बयान आखिर है क्या? यह पतंग है, पक्षी है या फिर हवाई जहाज है? संयुक्त बयान ने कई अटकलों को जन्म दिया है। ऊपर से सरकार के टालमटोल और अस्पष्ट रवैये से संदेह के बादल और गहरा गए हैं। व्यापार सौदे की शर्तें तय करने वाले कार्ड डोनाल्ड ट्रंप के हाथ में हैं, इसलिए अमेरिका के लिए यह बयान शायद ज्यादा अहमियत न रखता हो, लेकिन भारत के लिए निश्चित रूप से चिंता का विषय है।

सच्चाई यह है कि यह संयुक्त बयान भ्रामक आधार पर सामने आया है। साल 2025 में भारतीय वार्ताकार बार-बार दावा करते रहे कि वे अमेरिका के साथ एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्री ने कई मौकों पर कहा कि समझौता जल्द ही हो जाएगा, बल्कि साल के अंत तक पूरा होने की बात भी कही गई। लेकिन जब संयुक्त बयान सामने आया तो सच्चाई कुछ और ही निकली। यह न तो पूरी तरह से द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) है, न ही कोई अंतरिम समझौता। यह केवल एक अंतरिम समझौते का ढांचा भर है। मामला खोदा पहाड़, निकली चुहिया जैसी है!

### पारस्परिक नहीं

संयुक्त बयान के बाद दोनों देशों ने दावा किया कि समझौता पारस्परिक है। यह दावा आम आदमी की समझ से परे है। संयुक्त बयान को सरसरी तौर पर देखने से साफ हो जाता है कि यह पारस्परिकता के सिद्धांत पर आधारित नहीं है। संयुक्त बयान के हिस्सों पर गौर करने की जरूरत है।

जहां भारत अमेरिका के सभी औद्योगिक उत्पादों और बड़ी संख्या में खाद्य व कृषि उत्पादों पर शुल्क पूरी तरह खत्म करेगा या घटाएगा, वहीं अमेरिका भारत से आने वाली वस्तुओं पर 18 प्रतिशत का पारस्परिक शुल्क लगाएगा (जो 2 अप्रैल, 2025 को लगाए गए 25 प्रतिशत शुल्क से कम किया गया है)। इसमें कपड़े व परिधान, चमड़ा व जूते, प्लास्टिक व रबर, ऑर्गेनिक केमिकल्स, होम डेकोर, हस्तशिल्प उत्पाद और कुछ मशीनरी शामिल हैं। अमेरिका जेनेरिक दवाइयों, रत्न-हीरों और विमान के पुर्जों समेत कई वस्तुओं पर लगाया गया यह पारस्परिक शुल्क तभी हटाएगा, जब अंतरिम समझौता सफलतापूर्वक पूरा हो जाएगा। यहां 0 प्रतिशत बनाम 18 प्रतिशत में पारस्परिकता कहां है?

भारत अमेरिका के चिकित्सा उपकरणों के व्यापार में लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर करने और अमेरिकी आईसीटी उत्पादों के बाजार में आने में देरी करने वाली कड़ी आयात लाइसेंस प्रक्रियाओं को खत्म करने पर सहमत हुआ है। भारत अमेरिका के खाद्य और कृषि उत्पादों के व्यापार में मौजूद गैर-शुल्कीय बाधाओं को भी दूर करने पर राजी हुआ है। इसके बदले अमेरिका पर कोई समान बाध्यता नहीं है। फिर गैर-

शुल्कीय अवरोधों के मामले में दायित्व बनाम बिना दायित्व के बीच पारस्परिकता कहां है?

भारत अगले पांच वर्षों में अमेरिका से 500 अरब डॉलर के ऊर्जा उत्पाद, विमान व उनके पुर्जे, कीमती धातुएं, तकनीकी उत्पाद और कोकिंग कोयला खरीदने की इच्छा रखता है। दोनों सरकारें तकनीकी उत्पादों के व्यापार को काफी बढ़ाएंगी, जिनमें डाटा सेंटरों में इस्तेमाल होने वाले ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स जैसे उत्पाद शामिल हैं। इस पूरे अनुच्छेद में जिन वस्तुओं का जिक्र है, वे सभी अमेरिकी निर्यात की वस्तुएं हैं। ऐसी कोई भारतीय वस्तु नहीं बताई गई, जिसे अमेरिका खरीदने जा रहा हो, तो फिर पारस्परिकता कहां है? संयुक्त बयान के साथ जारी एक कार्यकारी आदेश में डोनाल्ड ट्रंप ने भारत द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों का उल्लेख किया रूस से सीधे या परोक्ष रूप से तेल आयात बंद करने की भारत की प्रतिबद्धता, अमेरिका से ऊर्जा उत्पाद खरीदने का आश्वासन और रक्षा सहयोग बढ़ाने को लेकर दोनों देशों के बीच समझौता। इन तीन वादों के आधार पर ट्रंप ने 6 अगस्त, 2025 को लगाए गए अतिरिक्त दंडात्मक शुल्क (25 प्रतिशत) को हटाने का फैसला किया। जब बदले में अमेरिका ने कोई ठोस वादा नहीं किया तो भारत से तीन-तीन आश्वासन लेकर पारस्परिकता कहां हुई?

### क्या यह धमकी नहीं?

अगर भारत रूस से सीधे या परोक्ष रूप से कच्चा तेल आयात दोबारा शुरू करता है तो अमेरिका सरकार भारत के खिलाफ अतिरिक्त कदम उठाने पर विचार करेगी, जिनमें भारतीय वस्तुओं पर 25 प्रतिशत का दंडात्मक शुल्क दोबारा लगाना शामिल हो सकता है। 6 फरवरी, 2026 को तय हुआ पूरा समझौता एक ही मुद्दे रूसी तेल की खरीद पर टिका है। अमेरिका की धमकी और भारत की झुकी हुई मुद्रा के बीच पारस्परिकता कहां है?

2 अप्रैल, 2025 से पहले भारतीय वस्तुओं पर अमेरिका का आयात शुल्क एमएफएन (मोस्ट फेवर्ड नेशन) दर के तहत औसतन तीन प्रतिशत था। भारत के साथ अमेरिका का व्यापार अच्छा था, इसलिए डोनाल्ड ट्रंप ने अपने विवादित आपातकालीन अधिकारों का सहारा लेते हुए भारतीय सामान पर 25 प्रतिशत का तथाकथित पारस्परिक शुल्क लगा दिया, जिसे अब घटाकर 18 प्रतिशत किया गया है।

इस तरह के पारस्परिक शुल्कों की वैधानिकता कई देशों के संदर्भ में अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है और संभव है कि इन्हें असांविधानिक ठहरा दिया जाए। अगर ऐसा हुआ तो भारत को इसके लिए राष्ट्रपति ट्रंप को नहीं, बल्कि अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट को धन्यवाद देना पड़ेगा। नतीजा यह होगा कि दोनों देश फिर से पुरानी स्थिति (यथास्थिति) पर लौट आएंगे, लेकिन तब तक अमेरिका भारत से कई रियायतें निकलवा चुका होगा और वह भी बिना बदले में कुछ दिए। उक्त पारस्परिकता का अर्थ यही है।

### आयात बोझ न बन जाए

व्यापार विशेषज्ञ अजय श्रीवास्तव के अनुसार, स्टील और एल्युमिनियम पर अमेरिका का शुल्क 50 प्रतिशत ही रहेगा और ऑटो उपकरणों पर 25 प्रतिशत। इसके बावजूद भारत अमेरिकी औद्योगिक वस्तुओं, कई कृषि उत्पादों, लाल ज्वार, सोयाबीन तेल, वाइन व स्पिरिट्स, कारों और हाई-एंड मोटरसाइकिलों पर कहीं ज्यादा गहरी रियायतें दे रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत पांच साल में 500 अरब डॉलर के क्या-क्या सामान खरीदेगा? अमेरिका के पास ऐसे बहुत कम उत्पाद हैं, जो वास्तव में भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत कर सकें। आशंका यह है कि मजबूरी में हमें महंगे विमान/सैन्य उपकरण और ऊंची लागत पर अमेरिकी तेल बड़ी मात्रा में खरीदना पड़े और यह भी साफ न हो कि उनका इस्तेमाल या आर्थिक लाभ आखिर कैसे होगा?

## प्रेम हृदय को विस्तार देता है

**-मार्कस ऑरेलियस**

*घृणा हृदय को संकुचित करती है, जबकि मानवीय एकता और प्रेम उसे विस्तार देता है। इसलिए यदि जीवन में वास्तविक आनंद और असीम ऊर्जा चाहिए, तो अपने भीतर प्रेम, सम्मान और आत्मसम्मान का दीप जलाइए।*

*इतिहास गवाह है कि सत्ता की चाह और जीवन का संघर्ष अक्सर मनुष्य के स्वभाव को कठोर और संवेदनहीन बना देते हैं। लेकिन मानवता को एक ऐसा मार्ग भी दिखाया गया है, जहां शांति और धैर्य ही सबसे बड़े हथियार हैं। वास्तव में, हमारे जीवन की गुणवत्ता इस बात पर निर्भर नहीं करती कि हमारे पास कितने भौतिक संसाधन हैं, बल्कि इस पर निर्भर*

*करती है कि हमारे विचारों में कितनी शुद्धता और गहराई है। जब हम अपने मस्तिष्क को सकारात्मकता से भर लेते हैं, तो बाहरी अभाव हमें विचलित नहीं कर पाते।*

*इस ब्रह्मांड में वर्तमान ही वह एकमात्र सत्य है, जिसे हम वास्तव में जी सकते हैं। एक बहुत ही क्रांतिकारी विचार है-कल्पना कीजिए कि आप मर चुके हैं और आपका पिछला जीवन समाप्त हो गया है। ऐसे में, अब जितना भी समय आपके पास बचा है, उसे एक बोनस की तरह जिएं। यह सोच आपको आलस्य, भय और टालमटोल से मुक्त करती है। जब आप वर्तमान को ही एकमात्र सत्य मान लेते हैं, तब भविष्य की चिंता और अतीत का पछतावा स्वतः समाप्त हो जाता है। तब आप हर क्षण को पूरी सजगता व ऊर्जा के साथ जीने लगते हैं। इससे आपको हर दिन कुछ नया और सार्थक करने की स्फूर्ति तथा प्रेरणा भी मिलती रहती है।*

*अक्सर हम एक अच्छा इन्सान कैसा होना चाहिए, इस पर लंबे प्रवचन देते हैं या बहस करते हैं, जबकि ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं है; बस उठिए और एक अच्छा इन्सान बनकर दिखाइए। क्योंकि सच्ची खुशी उस अंधेरे में नहीं मिलती, जहां हम दूसरों के प्रति घृणा पालते हैं, बल्कि वह तो उस प्रकाश में जन्म लेती है, जहां हम मानवता की एकता को हृदय से स्वीकारते हैं। ऊर्जा तब कई गुना बढ़ जाती है, जब हम प्रतिशोध नहीं, बल्कि करुणा को चुनते हैं; जब हम विभाजन नहीं, बल्कि संबंधों को मजबूत करते हैं। घृणा हृदय को संकुचित करती है, जबकि मानवीय एकता और प्रेम उसे विस्तार देता है। इसलिए यदि जीवन में वास्तविक आनंद और असीम ऊर्जा चाहिए, तो अपने भीतर प्रेम, सम्मान और आत्मसम्मान का दीप जलाइए। यही दीप आपके मार्ग को भी प्रकाशित करेगा और संसार को भी।*

## तकनीक

**नए एआई मॉडल लोगों को प्रभावित करने और उनके नजरिये को बदलने में इन्सानों जितने ही सक्षम हैं।**

# कहीं एआई आपको बदल तो नहीं रहा

अठारह महीने पहले तक यह उम्मीद थी कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की राह सोशल मीडिया से अलग होगी। चूंकि तब एआई का विकास कुछ मुट्ठी भर बड़ी तकनीकी कंपनियों के हाथों में नहीं सिमटा था, और न ही इसने उपभोक्ताओं के ध्यान को विज्ञापन एवं निगरानी के जरिये भुनाने की कोशिश शुरू की थी। पर दुर्भाग्य देखिए, एआई अब सोशल मीडिया के करें पर चल पड़ा है और उसने उपभोक्ताओं को आर्थिक संसाधन में बदलने का लक्ष्य बना लिया है। जब ओपनएआई ने 2024 के अंत में चैटजीपीटी सर्च फीचर और अक्तूबर 2025 में अपना ब्राउजर चैटजीपीटी एटलस लॉन्च किया, तो इसने डाटा हासिल करने की होड़ को तेज कर दिया, ताकि विज्ञापन को और प्रभावी बनाया जा सके।

ध्यान दीजिए, यह उसी कंपनी ने किया, जिसके सीईओ सैम ऑल्टमैन कभी एआई और विज्ञापन के मेल को असहज बताते थे। अब वही कहते हैं कि एआई एप्स में विज्ञापन शामिल करते हुए भी भरोसा बनाए रखा जा सकता है। फिर भी चैटजीपीटी के उत्तरों में प्रायोजित सामग्री देखने का दावा करने वालों की अटकलें संकेत देती हैं कि भरोसा पूरी तरह स्थापित नहीं हुआ है।

वर्ष 2024 में एआई सर्च कंपनी पप्लेक्सिटी ने अपने प्लेटफॉर्म पर विज्ञापनों के प्रयोग शुरू किए। कुछ महीनों बाद माइक्रोसॉफ्ट ने भी अपने कोपायलट एआई में विज्ञापन जोड़े। गूगल के एआई मोड सर्च में भी अब विज्ञापन बढ़ते ना रहे हैं, और अमेजन का रूफस चैटबॉट भी इससे अछू?ता नहीं है। हाल ही में, ओपनएआई ने घोषणा की कि वह चैटजीपीटी के मुफ्त संस्करण में भी शीघ्र विज्ञापनों का परीक्षण शुरू करेगा। एक सुरक्षा विशेषज्ञ और डाटा वैज्ञानिक के रूप में मैं इन घटनाओं को उस भविष्य की आहट मानता हूं, जहां एआई कंपनियां विज्ञापनदाताओं और निवेशकों के हित में उपयोगकर्ताओं के व्यवहार को प्रभावित कर मुनाफा कमाएंगी। यह चेतावनी है कि एआई के विकास की दिशा को निजी दोहन से हटाकर सार्वजनिक हित की और मोड़ने का समय अब तेजी से निकलता जा रहा है। देखा जाए तो बैटजीपीटी सर्च या एटलस ब्राउजर की कार्यक्षमता कोई नई चीज नहीं है। मेटा व पप्लेक्सिटी वर्षों से ऐसे फीचर्स दे रहे थे। पर ओपनएआई का यह व्यावसायिक रख चिंताजनक है, क्योंकि सर्च इंजन से पैसा कमाने का आज तक केवल एक ही सफल मॉडल रहा है, गूगल द्वारा स्थापित विज्ञापन मॉडल। गूगल की कमाई का 80 से 90 फीसदी हिस्सा विज्ञापन से आता है। उसकी बाकी सारी सुविधाएं केवल इसलिए हैं, ताकि उपयोगकर्ताओं का डाटा जुटाया जा सके और उनका ध्यान विज्ञापनों की ओर मोड़ा जा सके।

दो दशकों तक इस क्षेत्र में एकाधिकार रखने वाला गूगल अब उपयोगकर्ताओं की जरूरतों के बजाय कंपनी की जरूरतों के हिसाब से ज्यादा बेहतर है। आज गूगल सर्च के परिणाम निम्न-गुणवत्ता वाले एआई-जनित लेखों, एफिलिएट मार्केटिंग बाली सौम साइटों और विज्ञापनों से भरे रहते हैं, जिन्हें असली परिणामों से अलग पहचानना भी मुश्किल हो जाता है। एआई के माध्यम से किया जाने वाला विज्ञापन पारंपरिक वेब सर्च से कहीं अधिक गहरा प्रभाव डाल सकता है। यह आपकी सोच, खर्च करने के तरीके और यहां तक कि व्यक्तिगत मान्यताओं को बेहद सूक्ष्म तरीके से प्रभावित करने की क्षमता रखता है। अध्ययन

बताते हैं कि एआई मॉडल लोगों को प्रभावित करने और उनके नजरिये को बदलने में इन्सानों जितना ही सक्षम है। यह प्रभाव केवल खरीदारी या वोट देने तक सीमित नहीं रहेगा, यह हमारे लिखने और एक-दूसरे से बातचीत करने के तरीके को भी बदल सकता है। हालांकि, स्थिति निराशाजनक लग सकती है, लेकिन इसे अब भी बदला जा सकता है। समस्या तकनीक की नहीं, बल्कि उन कॉरपोरेट प्राथमिकताओं की है, जिनके तहत इन्हें चलाया जाता है। आपको याद रखना होगा कि आपका डाटा किसके साथ

यह एक क्लाउड आधारित वीडियो एडिटिंग प्लेटफॉर्म है, जो विशेष रूप से उन लोगों के लिए डिजाइन किया गया है, जिन्हें बिना किसी भारी सॉफ्टवेयर को डाउनलोड किए पेशेवर वीडियो बनाने हैं। उपयोगकर्ता इसे किसी भी कंप्यूटर, टैबलेट या मोबाइल ब्राउजर में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसका ऑटो-सबटाइटल जनरेटर फीचर हिंदी सहित 125 से अधिक भाषाओं में वीडियो की आवाज को पहचान कर स्वचालित रूप से टेक्स्ट में बदल देता है, जिससे घंटों का काम मिनटों में हो जाता है। उपयोगकर्ता टेक्स्ट-टू-वीडियो के जरिये केवल लिखित स्क्रिप्ट से पूरा वीडियो तैयार कर सकते हैं, जिसमें फुटेज, संगीत और एआई अवतार भी शामिल होते हैं।

साझा हो रहा है और उसका उपयोग कैसे किया जा रहा है। सरकारों से भी बहुत कुछ अपेक्षित है। वे उपभोक्ताओं को अपने डाटा पर अधिकार दे सकती हैं, डाटा सुरक्षा एजेंसियां बना सकती हैं, और सार्वजनिक हित में एआई मॉडल विकसित कर सकती हैं, जो पारदर्शी निगरानी में संचालित हो। वे खतरनाक उत्पादों के विज्ञापन पर रोक और प्रायोजित सामग्री के अनिवार्य खुलासे जैसे नियम भी बना सकती हैं। अगर ओपनएआई और एंथ्रोपिक पजैसी कंपनियों को अपने प्रीमियम ग्राहकों का भरोसा बनाए रखना है, तो उन्हें पारदर्शिता, गोपनीयता और सुरक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता ईमानदारी से निभानी होगी।

**ब्रूस श्नाइयर**
**(द कन्वर्सेशन)**

## मुद्दा

# बेईमान मौसम और बुनियादी ढांचा

भारत इस समय अपने बुनियादी ढांचे के ऐतिहासिक विस्तार के दौर में है, पर बदलते जलवायु पैटर्न ने इन संपत्तियों की सुरक्षा पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस समय अपने इंफ्रास्ट्रक्चर के सबसे आक्रामक विस्तार के दौर में तेजी से आगे बढ़ रहा है-सड़कें, बंदरगाह, सासुरंगें, हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट्स, शहरों का विस्तार आदि, क्योंकि आधारभूत संरचना का विस्तार राष्ट्र की आर्थिक प्रगति के लिए प्रमुख प्राथमिकता बन चुका है। परिवहन नेटवर्क, सागरमाला परियोजना के जरिये बंदरगाहों का विस्तार, डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर-5जी का तेजी से विस्तार, नवीकरणीय ऊर्जा (सौर और पवन) को बढ़ावा देने और स्मार्ट सिटी मिशन के तहत शहरों का आधुनिकीकरण, पीएम गतिशक्ति (नेशन मास्टर प्लान) जैसा बहुत कुछ हो रहा है।

दूसरी तरफ, जलवायु संबंधी बढ़ते जोखिम इन संपत्तियों का बीमा कराने की भारत की क्षमता से ज्यादा हो सकते हैं। भारत में जलवायु परिवर्तन के प्रभाव अब छिटपुट नहीं रहे, बल्कि इनकी आवृत्ति और गंभीरता में लगातार वृद्धि हो रही है। 2010 के दशक के मध्य से इसमें तीव्र उछाल आया है, क्योंकि बाढ़ जैसी आपदाएं जोखिम परिदृश्य पर हावी होती जा रही हैं। जलवायु परिवर्तन के प्रति संवेदनशील क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विस्तार सबसे तेजी से हो रहा है, जिससे बीमा कंपनियां जोखिमों का सटीक आकलन करने में जूझ रही हैं। हालांकि, भारत का अधिकांश भाग बीमा योग्यता की सीमा के भीतर है। ऐसे में, सवाल उठता है कि क्या ये अरबों रुपये की परिसंपत्तियां जलवायु झटकों के लिहाज से वास्तव में सुरक्षित हैं और अगर नुकसान हुआ, तो उसका आर्थिक बोझ कौन उठाएगा! हाल ही में जारी क्लाइमेट ट्रेंड्स की भारत के बुनियादी ढांचे के लिए जलवायु जोखिम और बीमा रिपोर्ट बताती है कि दिल्ली में 1986 और 2016 के बीच शहरी क्षेत्रों में 1.3 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि हुई, जबकि बाढ़ का जोखिम 2.46 फीसदी की दर से कहीं अधिक तेजी से बढ़ा। इस अंतर के और भी बढ़ने की आशंका है। जैसे-जैसे संपत्ति का केंद्रीकरण बढ़ता है, देश के कुछ हिस्से, खासकर हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के इलाके, बीमा योग्य न होने (अनइंश्योरबल) की सीमा के करीब पहुंच रहे हैं। भारत का बुनियादी ढांचे पर खर्च सकल घरेलू उत्पाद के तीन प्रतिशत से अधिक हो गया है, लेकिन अब मौसम बेईमान हो चुका है। वर्ष 2025 से यह साबित हो गया है कि भारत में जलवायु प्रभावों का पैटर्न बदल चुका है। बाढ़, अत्यधिक वर्षा, चक्रवात, भूस्खलन और लू अब राजमार्गों, बंदरगाहों और जलविद्युत परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचा रहे हैं, जिससे बीमा प्रीमियम बढ़ रहे हैं। यह सरकारों, बीमाकर्ताओं और निवेशकों-सभी के लिए बढ़ते वित्तीय जोखिमों को उजागर करती है। भारत की कई बड़ी परियोजनाएं संवेदनशील इलाकों में हैं। ओडिशा का पारादीप पोर्ट, आंध्र प्रदेश के नए पोर्ट प्रोजेक्ट्स, हिमाचल और उत्तराखंड की सड़कें, सिक्किम का तीस्ता हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट, लद्दाख का जोजिला टनल और अरुणाचल की जलविद्युत परियोजनाएं, इन सबमें करीब 2.95 लाख करोड़ रुपये का निवेश है। प्रमुख बीमा कंपनियों-एसबीआई जनरल इंश्योरेंस, म्यूनिख री इंडिया, स्विस री इंडिया और भारतीय सामान्य बीमा निगम का मानना है कि जलवायु जोखिम अब एक %प्रमुख व्यावसायिक जोखिम% बन चुका है। बीमाकर्ताओं ने स्वीकार किया कि मौजूदा मॉडल बदलते पैटर्न को पकड़ने में सक्षम नहीं हैं। वर्ष 2000 के बाद से भारत में प्राकृतिक आपदाओं से आर्थिक नुकसान 99 अरब डॉलर से अधिक रहा है और 2023 में ही यह 12 अरब डॉलर था।

**डॉ सीमा जावेद**

## इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

**इंदौर। एजेंसी।** गुजरात लाइन से तेजी के समाचारों के बीच आलौच्य सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में सींगदाना तेल सुधार पर रहा। सोया तेल में नरमी दर्ज हुई। अच्छी आवकों के बीच सोयाबीन में नरमी बनी । किराना जिंसों में हल्दी बाजार ढ़ीले रहे। दलहनों में चना माँग के अभाव में लुढ़का। तुअर में तेजी अटकी।

**किराना**- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार कमजोर ही रहा। महाशिवरात्रि के लिए फलिहारी जिंसों में पूछपरख रही। शक्कर में लेवाली सामान्य है। बाजार दायरे में बने हुए है। शक्कर में बाजार 4050-4120 रू. प्रति क्विंटल के मध्य बने रहे। खोपरा गोला पूर्वस्तर पर मजबूत रहा। हल्दी में नये मालों की आवकों के बीच बाजार सुस्ती पर रहे। हल्दी में निजामाबाद क्वालिटी माल 275-282 रू. प्रति किलो से घटकर 200-250 रू. प्रति किलो पर आ गये। जीरे में नये मालों की आवकों का दबाव आने वाले दिनों में बढ़ने की संभावना है। नये मालों की दस्तक उत्पादक मंडियों में शुरू हो गई है। हल्दी निजामाबाद क्वालिटी मालों में बाजार 200-250 रू. प्रति किलो पर आ गया। नारियलों में सीमित आवकों के बीच बाजार मजबूती के बने रहे। नारियलों में 120 भरती मालों में बाजार 2900-3150 रू. प्रति थैले पर आ गये।

**तेल तिलहन**- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों व तिलहनों में बाजार सामान्य ही रहे। बाजार सूत्रों का मानना है कि सींगदाना तेलों में राजकोट लाइन पर सुर्खी बनने से भावों में तेजी देखी गयी। सींगदाना तेलों में बाजार 1730-1740 रू. प्रति 10 किलो से बढ़कर 1760-1780 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। सोया व कपास्या तेलों में व्यापार अपेक्षा से कमजोर रहा। सोया तेलों में इस दौरान 25-30 रू. प्रति 10 किलो की गिरावट आयी और सोया तेल रिफाइंड मालों में 1375-1380 रू. प्रति 10 किलो से टूटकर 1340-1345 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन में संयंत्रों की पूछपरख है। वहीं आवकें अच्छी रहने से भावों में नरमी रही। सोयाबीन में बाजार 55-5700 रू. प्रति क्विंटल से घटकर 5300-5350 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। सरसो व रायडा बना रहा।

**दाल दलहन**- आलौच्य अवधि में स्थानीय अनाज मंडी में कारोबार सामान्य ही रहा। चने में बढ़ते बाजार अटकते है। चने में 150-250 रू. प्रति क्विंटल तक की गिरावट आयी और चना टूटकर 5750-5850 रू. से 5600-5650 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। तुअर में बाजार 7000-7700 रू. प्रति क्विंटल पर आ गयी। उड़द में पूछपरख ठंडी रहने पड़ने से बाजार मंदी के रहे। उड़द में बाजार 8100-8200 रू. प्रति क्विंटल से घटकर 7500-7800 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। मसूर में बाजार 5650 से 5600 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया।

## विदेशी दबाव और नई फसल के बीच खाद्य तेलों के दाम में उतार-चढ़ाव

**नई दिल्ली। एजेंसी।** विदेशी बाजारों में पिछले सप्ताह खाद्य तेलों के दाम में गिरावट रही। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने की अफवाहों ने भी घरेलू बाजार पर दबाव डाला। अधिकांश तेल-तिलहन के दाम सप्ताह के अंत तक गिरावट के साथ बंद हुए। सरसों का दाम एमसएपी से ऊपर बना हुआ है। नई फसल मंडियों में आने को तैयार है और तेल की मात्रा भी अधिक है। तेल मिलें खरीद मूल्य कम करने का प्रयास कर रही हैं। मौसम खुलने पर आवक बढ़ने से दाम और टूटने की संभावना है। सोयाबीन की उपलब्धता कम होने के कारण तेल संयंत्र पूरी क्षमता से काम नहीं कर पा रहे। ब्राजील में अच्छी फसल और आगे के सौदे दामों को 8-10 रुपये/किलो नीचे धकेल रहे हैं। परिणामस्वरूप सोयाबीन तेल के दाम में भी गिरावट रही। मूंगफली की मांग अधिक और उपलब्धता कम रहने से दाम में मजबूती बनी रही। जाड़े और कम मांग के कारण पाम और पामोलीन तेल के दाम गिरावट के साथ बंद हुए। सरकार ने आयात शुल्क भी बढ़ाया है, जिससे बाजार में संतुलन बनाने की कोशिश की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि बीते सप्ताह सरसों दाना 40 रुपये की गिरावट के साथ 6,910-6,935 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। दादरी मंडी में बिकने वाला सरसों तेल 50 रुपये की गिरावट के साथ 14,200 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमश- 10-10 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 2,390-2,490 रुपये और 2,390-2,535 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज के थोक भाव क्रमश- 250-250 रुपये की गिरावट के साथ क्रमश- 5,350-5,400 रुपये और 4,950-5,000 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। इसी प्रकार दिल्ली में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 14,350 रुपये प्रति क्विंटल, इंदौर में सोयाबीन तेल 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,950 रुपये और सोयाबीन डीगम तेल का दाम 300 रुपये की गिरावट के साथ 11,200 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। उन्होंने कहा कि बाजार के आम रुख के उलट, जाड़े में साबुत खाने और अच्छी गुणवत्ता के खाद्य तेल की मांग बढ़ने से अकेले मूंगफली तेल-तिलहन की कीमतों में सुधार देखा गया। मूंगफली तिलहन 125 रुपये सुधरकर 7,125-7,500 रुपये क्विंटल, मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये के सुधार के साथ 17,500 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल 50 रुपये के सुधार के साथ 2,775-3,075 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। बीते सप्ताह में सीपीओ तेल का दाम 175 रुपये की गिरावट के साथ 11,725 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलीन दिल्ली का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 13,625 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 200 रुपये की गिरावट के साथ 12,525 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।गिरावट के आम रुख के बीच, समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल का दाम भी 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

## सुप्रीम कोर्ट की रेरा पर सख्ती, रियल एस्टेट सेक्टर में बढ़ेगी जवाबदेही

**नई दिल्ली। एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट ने रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (रेरा) के कामकाज पर गंभीर टिप्पणी की है। अदालत ने कहा कि कई राज्यों में प्राधिकरण डिफॉल्टर बिल्डर्स को राहत देते दिख रहे हैं, जबकि उनका मुख्य उद्देश्य खरीदारों के हितों की सुरक्षा करना है। कोर्ट ने यह भी संकेत दिया कि यदि प्राधिकरण प्रभावी ढंग से कार्य नहीं करते, तो रेरा के अस्तित्व पर पुनर्विचार आवश्यक हो सकता है। कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि अब केवल कानून का होना पर्याप्त नहीं है; उसका ईमानदार और कड़ा प्रवर्तन जरूरी है। राज्यों के रेरा प्राधिकरणों को परियोजनाओं की समयसीमा की निगरानी, एस्क्रो खातों का पारदर्शी उपयोग और लंबित शिकायतों का शीघ्र निपटारा सुनिश्चित करना होगा।

# वैश्विक कारकों से मिलेगी शेयर बाजार को दिशा

**सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव भी बाजार की धारणा कर सकता है प्रभावित**

**मुंबई। एजेंसी।** भारतीय शेयर बाजार ने पिछले सप्ताह आईटी कंपनियों में दबाव के कारण गिरावट का सामना किया। सप्ताह की शुरुआत में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिला, लेकिन शुक्रवार को बाजार में भारी गिरावट ने निवेशकों के पोर्टफोलियो पर लाल निशान छोड़ दिए। विशेषज्ञों के अनुसार यह सप्ताह किसी रोलर-कोस्टर राइड से कम नहीं था। निवेशक अब आने वाले सप्ताह की ओर अपनी नजरें लगाए हुए हैं, क्योंकि बाजार में स्थिरता की उम्मीद फिलहाल नहीं है। इस सप्ताह में निवेशक मुख्य रूप से वैश्विक संकेतों पर ध्यान देंगे। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के मिनट्स जारी होने वाले हैं, जो ब्याज दरों और अमेरिकी अर्थव्यवस्था की स्थिति का स्पष्ट संकेत देंगे। इसके अलावा सोने और चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव भी भारतीय बाजार की धारणा को प्रभावित कर सकता है। निवेशक इन संकेतों के आधार पर अपने निवेश निर्णयों को संशोधित कर सकते हैं। घरेलू स्तर पर इस सप्ताह आयात-निर्यात के आंकड़े जारी होंगे। ये आंकड़े बाजार की धारणा को सीधे प्रभावित कर सकते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि निवेशक इन आंकड़ों और वैश्विक संकेतों का विश्लेषण करके अपनी रणनीति तय करेंगे। इसके अलावा बैंकिंग, मेटल और आईटी सेक्टर पर भी इन आंकड़ों का असर देखा जा सकता है।

## सट्टेबाजी पर लगाम लगाने आरबीआई ने शेयर बाजार से जुड़े कर्ज नियम किए सख्त

**नई दिल्ली। एजेंसी।** भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शेयर और कमोडिटी बाजार में बढ़ती सट्टेबाजी गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए कर्ज नियमों को कड़ा कर दिया है। केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया है कि 1 अप्रैल से प्रतिभूति बाजार से जुड़े ब्रोकरों और अन्य मध्यस्थ संस्थानों को दिए जाने वाले सभी ऋण पूरी तरह सुरक्षित (कोलेटरल आधारित) होने चाहिए। अब बैंक ऐसे किसी भी कर्ज की अनुमति नहीं देंगे, जिसका उपयोग ब्रोकर अपनी खुद की प्रोपायटरी ट्रेडिंग या निवेश गतिविधियों में करें। नए नियमों का सबसे अधिक असर प्रोपायटरी ट्रेडिंग फर्मों पर पड़ सकता है। पूंजी की लागत बढ़ने और उधारी सीमित होने से उनकी लाभप्रदता पर दबाव आने की आशंका है। देश के सबसे बड़े शेयर बाजार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज में पिछले वर्ष इक्विटी ऑप्शंस कारोबार में प्रोप फर्मों की हिस्सेदारी 50 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि कैश इक्विटी सेगमेंट में उनकी भागीदारी करीब 30 प्रतिशत तक पहुंच गई, जो 21 वर्षों का उच्च स्तर है। विशेषज्ञों का मानना है कि पूंजी की उपलब्धता घटने से ट्रेडिंग वॉल्यूम प्रभावित हो सकता है। आरबीआई ने यह भी निर्देश दिया है कि यदि बैंक किसी ब्रोकर की ओर से प्रोप ट्रेड के लिए गारंटी देते हैं, तो वह पूरी तरह सुरक्षित होनी चाहिए। कुल जमानत में कम से कम 50 प्रतिशत नकद अनिवार्य होगा, जबकि शेष हिस्सा नकद समकक्ष या सरकारी प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किया जाएगा। मार्जिन ट्रेडिंग सुविधा के तहत दिए जाने वाले ऋण भी अब केवल नकद या अत्यधिक तरल प्रतिभूतियों से सुरक्षित होंगे। यदि शेयर जमानत के रूप में पेश किए जाते हैं, तो उन पर 40 प्रतिशत की छूट (हेयरकट) लागू होगी। केंद्रीय बैंक का यह कदम वित्तीय प्रणाली में जोखिम को सीमित करने की दिशा में अहम माना जा रहा है।

## वेदांता ने नायरा को घरेलू कच्चे तेल की आपूर्ति रोकी

**नायरा में रोसनेफ्ट समेत कई रूसी कंपनियों का स्वामित्व है**

**नई दिल्ली। एजेंसी।** रूस के अलावा दुनिया के अन्य देशों से कच्चे तेल की आपूर्ति बंद होने के बाद रोसनेफ्ट के समर्थन वाली वाली भारतीय रिफाइनरी कंपनी नायरा एनर्जी को घरेलू बाजार में भी कच्चा तेल मिलना बंद हो गया है। सूत्रों के मुताबिक वेदांता लिमिटेड की केयर्न ऑयल एंड गैस ने पाबंदियों के इस माहौल के बीच नायरा को राजस्थान के अपने तेल क्षेत्र से से कच्चे तेल की आपूर्ति रोक दी है। नायरा में रोसनेफ्ट समेत कई रूसी कंपनियों का स्वामित्व है। राजस्थान से आने वाला कच्चा तेल उसकी कुल जरूरत का लगभग पांच-10 प्रतिशत था। इस आपूर्ति को गुजरात में उसकी दो करोड़ टन सालाना (लगभग 4,00,000 बैरल प्रति दिन) क्षमता वाली वाडिनार रिफाइनरी में पेट्रोल और डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता था। पिछले साल यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा कंपनी पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद वेदांता लिमिटेड की लंदन स्थित मूल कंपनी वेदांता रिसोर्सेज एक प्रतिबंध के दायरे में आने वाली कंपनी के साथ वाणिज्यिक करार के कारण दूसरे पाबंदियों के खतरे को लेकर सावधान हो गई थी। इस मामले की जानकारी रखने वाले दो सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि अनुपालन की संभावित दिक्कतों से बचने के लिए वेदांता की केयर्न ऑयल एंड गैस ने नायरा को कच्चे तेल की आपूर्ति रोक दी। केयर्न ऑयल एंड गैस राजस्थान के बाड़मेर तेल क्षेत्र का परिचालन करती है। हालांकि, इस बारे में नायरा को भेजे गए ईमेल का जवाब नहीं मिला।

**मेष**- आज का दिन आपके लिए आवश्यकताओं की पूर्ति पर ध्यान देने के लिए रहेगा। आपके खर्च अधिक रहेंगे, लेकिन फिर भी आपकी इनकम अधिक रहने से आपको उसकी टेंशन नहीं होगी। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को भी पूरा करना होगा। आपके रहन सहन के स्तर में भी बदलाव लाने की आप पूरी कोशिश करेंगे। घर-परिवार में आपके दिए गए सुझाव लोगों को खूब पसंद आएंगे।

**वृषभ**- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको किसी सरकारी काम पर पूरा ध्यान देना होगा। आपकी तरक्की की राह में आ रही बाधाएं भी दूर होंगी। परिवार में किसी सदस्य के विवाह प्रस्ताव पर मोहर लग सकती है। राजनीति में आपको किसी बड़े पद की प्राप्ति होने से माहौल खुशनुमा रहेगा। आपको अपनी माता जी की सेहत को लेकर थोड़ा ध्यान देना होगा। कार्यक्षेत्र में कोई आपको बहलाने फुसलाने की कोशिश कर सकता है।

**मिथुन**- आज का दिन आपके लिए खर्चों भरा रहने वाला है। आपको अपनी इन्कम को ध्यान में रखकर व्यय करना बेहतर रहेगा। आपके लिए गए निर्णय के लिए को लेकर आपको पछतावा हो सकता है। परिवार में किसी सदस्य की सेहत में यदि गिरावट चल रही थी, तो उसको लेकर आपको सतर्कता बनी रहेगी। छोटे बच्चों की सेहत के साथ आप कुछ समय व्यतीत करेंगे, जिससे आपको काफी सारी टेंशनों से भी छुटकारा मिलेगा।

**कर्क**- आज का दिन आपके लिए मध्यम रूप से फलदायक रहने वाला है। आपको अपने कामों को लेकर योजना बनाकर चलना होगा और आपकी उन्नति की राह में आ रही बाधाएं दूर होंगी, लेकिन कार्यक्षेत्र में आपको मन मुताबिक काम ना मिलने से कठिनाइयां बनी रहेगी। आप किसी से धन उधार न ले ,नहीं तो आपको उसे उतारने में समस्या आएगी। बिजनेस में आप कुछ योजनाओं में बदलाव करेंगे, जो आने वाले समय में आपके लिए बेहतर रहने वाले हैं।

**सिंह**- आज का दिन आपके लिए किसी नई प्रॉपर्टी की खरीदारी के लिए अच्छा रहेगा। आपको किसी से मांगकर वाहन चलाने से बचना होगा। आप अपने मनमौजी स्वभाव के कारण कामों को कल पर टालने की कोशिश करेंगे। आपका भगवान की भक्ति में खूब मन लगेगा और आप जीवनसाथी की खूब केयर करेंगे, जिससे आपका रिश्ता पहले से बेहतर होगा। परिवार में किसी नये मेहमान का आगमन हो सकता है।

**कन्या**- आज का दिन आपके लिए किसी नई नौकरी की प्राप्ति के लिए बढ़िया रहने वाला है। आपको किसी पुरानी गलती से सबक लेना होगा और आपका कोई पारिवारिक मामला यदि आपको लंबे समय से टेंशन दे रहा था, तो उससे भी आपको छुटकारा मिलेगा।

**तुला**- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आपको जीवनसाथी से कोई बात गुप्त नहीं रखनी है, नहीं तो इससे आपके आपसी रिश्ते में दरार पैदा हो सकती हैं। आपको अपने बॉस की बातों को भी इग्नोर करने से बचना होगा। आप अपनी शौक मौज की चीजों में भी इजाफा करेंगे और आपके सुख साधनों में भी वृद्धि होगी।

**वृश्चिक**- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता भरा रहने वाला है। आपके ऊपर काम का बहुत अधिक रहेगा। आपकी नेतृत्व क्षमता बढ़ेगी, लेकिन आपकी कुछ नए लोगों से मुलाकात होगी। आप उनसे कोई जरूरी जानकारी शेयर करने से बचें। आपको अपनी मेहनत का पूरा फल मिलेगा। कोई सरकारी काम यदि आपका लंबे समय से पेंडिंग था, तो वह भी पूरा होता दिख रहा है।

**धनु**- आज का दिन आपके लिए धैर्य और संयम से काम लेने के लिए रहेगा, इसलिए आप अपनी वाणी की सौम्यता बनाए रखें। आपने यदि किसी काम को कल पर टाला, तो बाद में वह आपके लिए समस्या बन सकती है। आपको अपनी संतान से किए हुए वादे को पूरा करना होगा। आपको अपरिचित लोगों से थोड़ा सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

**मकर**- आज का दिन आपके लिए आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आपको नौकरी से संबंधित यदि कोई समस्या चली आ रही थी, तो वह भी दूर होगा और जीवनसाथी आपके बिजनेस में आपका पूरा साथ देंगे। आपको अपनी मेहनत पर पूरा भरोसा रखना होगा। कोई सरकारी काम यदि आपका पेंडिंग चल रहा था, तो वह भी पूरा हो सकता है।

**कुंभ**- आज का दिन आपके लिए कुछ खास रहने वाला है। आपकी कार्यक्षेत्र में लोगों से खूब पटेगी, जिससे आपको काम करने में भी खूब मजा आएगा और बिजनेस को लेकर भी आपकी कोई डील यदि लंबे समय से टेंशन दे रही थी, तो वह भी फाइनल हो सकती है। किसी काम को पूरा करने में आपको यदि कोई मुश्किल थी, तो उसे पूरा भी आप आसानी से कर सकेंगे।

**मीन**- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहेगा। आपकी अपने बॉस से भी कहासुनी होने की संभावना है, इसलिए आपको कामों पर पूरा फोकस बनाना होगा। परिवार में वरिष्ठ सदस्यों का सहयोग व सानिध्य आपको भरपूर मात्रा में मिलेगा। आपका कोई कानूनी मामला आपके लिए समस्या बन सकता है, जिस पर आपको पूरी निगरानी बनाकर रखनी होगी।

## शब्दजाल - 8172

*शब्द जाल में 'द' से शुरु होनेवाले 10 शब्द ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.*

| | | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| अ | ज | ग | र | द | शा | व | ता | र | र | क |
| दा | वि | ल | ग | श | जी | ग | द | इ | द | ली |
| द | स्ता | ना | ल | र | छ | ची | द | रा | स्त | क |
| री | ज | र | दो | थ | ज | न | ह | न | र | क |
| क | खु | द | भा | लू | लं | का | न | ग | ख्वा | क |
| जी | द | श | ल | य | ख | पू | ना | हि | न | को |
| ती | लो | क | ड़ी | ब | प | र | श | र | र | द |
| क | र्ज | ल्जा | ई | धा | द | क | गो | लो | श | र्श |
| ने | बा | म | न्न | ब्रा | हे | लू | री | श | प | नी |
| तें | दु | आ | प | व | ज | र्त | ऐ | बें | हा | य |
| क | द | स्ता | वे | ज | ल | गा | य | द | प | थ |

दशावतार, दहेज, दशक, दस्ताना, दहन, दस्तावेज, दशरथ, दर्शनीय, दलबदलू, दस्तरख्वान

### शब्दजाल - 8171 का हल

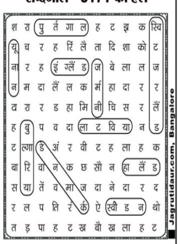

Jagrutidaur.com, Bangalore

## फिल्म वर्ग पहेली- 7116

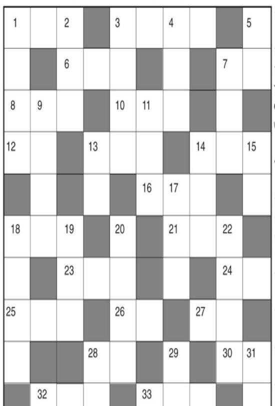

**बायें से दायें:-**

१. 'दिल से तुझको बेदिली' गीत वाली दिलीपकुमार, मीना की फिल्म-३
३. राजेश खन्ना, डिम्पल की 'जब दर्द नहीं था सीने' गीत वाली फिल्म-४
६. संजय दत्त, नम्रता की फिल्म-३
७. संजीव, सुचित्रा की 'तेरे बिना जिंदगी से कोई' गीत वाली फिल्म-२
८. 'आया है मुझे फिर' गीत वाली धर्मेन्द्र, शर्मिला की फिल्म-३
१०. 'हुन हुना रे हुन' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'हंसाती है रूलाती' गीत वाली तुषार, ग्रेसी, अमृता की फिल्म-२
१३. संजीवकुमार, राखी की 'तेरे आँखों के दो' गीत वाली फिल्म-३
१४. फिल्म 'निकाह' में दीपक और राज बब्बर के साथ नायिका कौन थी-३
१६. अनिल, पूनम की 'मिली तेरे प्यार की' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'दिल क्यों धड़कता है' गीत वाली राहुल राय, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२१. तुषार कपूर, अंतरा की फिल्म-३
२३. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंन्द्र, रामेश्वरी की फिल्म-३
२४. अभिषेक, अंतरा की 'आवारा मन में' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'ये दुनिया वाले' गीत वाली देव आनंद, आशा पारेख की फिल्म-३
२६. 'सुन जरा सोनिये सुन' गीत वाली फिल्म-२
२७. 'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनी, सुष्मिता पटेल की फिल्म-२
२८. सुनील शेट्टी, सोमी की 'दिल मेरा यहाँ' गीत वाली फिल्म-२
३०. मनोजवाजपेई, उर्मिला की फिल्म-२
३२. देवानंद, नूतन की 'हम तो जानी प्यार करेगा' गीत वाली फिल्म-३
३३. 'जाने क्या पिलाय' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-३

**ऊपर से नीचे:-**

१. जीतेंद्र, जीनत की 'मेरी उमर का एक लड़का' गीत वाली फिल्म-२,२
२. अमिताभ, शशि, परवीन, नीतू की फिल्म-३
३. 'चलो बुलावा आया' गीत वाली फिल्म-४
४. 'कोई मिल गया' में ऋतिक का नाम था-३
५. 'चल चमेली बाग में' गीत वाली फिल्म-२
७. 'भोर भये पंछी धुन' गीत वाली राजेश खन्ना, रेखा की फिल्म-३
९. सचिन, सुचेता की 'झुमका कजरा बिंदिया गजरा' गीत वाली फिल्म-४
११. ऋषि, चंकी, नीलम की फिल्म-३
१३. राजकपूर डबल रोल, नर्गिस की फिल्म-२
१४. 'जिंदगी ये पल, ये पल जिंदगी' गीत वाली सुष्मिता, सुशांत की फिल्म-३
१५. धर्मेन्द्र वाली 'जब याद किसी की आती है' की नायिका कौन थी?-२
१७. 'ना ये जमीं थी ना आसमां था' गीत वाली विश्वजीत, राजश्री की फिल्म-३
१८. देव आनंद, हेमा की 'इलाहाबाद में पैदा हुई' गीत वाली फिल्म-४
१९. दिलीप कुमार, अनिल कपूर, रति की फिल्म-३
२०. प्रदीपकुमार, नर्गिस की फिल्म-४
२२. 'बाजूबंद खुल खुल जाये' गीत वाली फिल्म-४
२८. अब्बास, शर्बाणी की 'सिर्फ संडे को करती हूँ मैं तो प्यार' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'याईला रे लड़की' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'कोरे कागज पे लिखवाले' गीत वाली फिल्म-२

### फिल्म वर्ग पहेली- 7115

Jagrutidaur.com, Bangalore

## दैनिक पंचांग

**16 फरवरी 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति**

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य | कुंभ में | कुंभ | 06.22 बजे से |
| चंद्र | मकर में | मीन | 07.58 बजे से |
| मंगल | मकर में | मेष | 09.29 बजे से |
| बुध | कुंभ में | वृष | 11.09 बजे से |
| गुरु | मिथुन में | मिथुन | 13.07 बजे से |
| शुक्र | कुंभ में | कर्क | 15.20 बजे से |
| शनि | मीन में | सिंह | 17.37 बजे से |
| राहु | कुंभ में | कन्या | 19.49 बजे से |
| केतु | सिंह में | तुला | 21.59 बजे से |
| राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक | | वृश्चिक | 00.14 ब.से |
| | | धनु | 02.30 बजे से |
| | | मकर | 04.35 बजे से |

**सोमवार** 2026 वर्ष का 47 वा दिन
**दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शिशिर।
**विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947
**मास** फाल्गुन (दक्षिण भारत में माघ)
**पक्ष** कृष्ण
**तिथि** चतुर्दशी 17.35 बजे को समाप्त।
**नक्षत्र** श्रवण 20.48 बजे को समाप्त।
**योग** वरीयान 01.50 बजे रात्र को समाप्त।
**करण** शकुनि 17.35 बजे तदनन्तर चतुष्पद 05.37 बजे प्रात: को समाप्त।
**चन्द्रायु** 24.2 घण्टे
**रवि क्रान्ति** दक्षिण 12° 24'
**सूर्य** उत्तरायन
**कलि अहर्गण** 1872622
**जूलियन दिन** 2461087.5
**कलियुग संवत्** 5126
**कल्पारंभ संवत्** 1972949123
**सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123
**वीरनिर्वाण संवत्** 2552
**हिजरी सन्** 1447
**महीना** सावान
**तारीख** 27

| दिन का चौघड़िया | | | रात का चौघड़िया | | |
|---|---|---|---|---|---|
| अमृत | 05.53 से | 07.22 बजे तक | चर | 05.43 से | 07.14 बजे तक |
| काल | 07.22 से | 08.50 बजे तक | रोग | 07.14 से | 08.45 बजे तक |
| शुभ | 08.50 से | 10.19 बजे तक | काल | 08.45 से | 10.17 बजे तक |
| रोग | 10.19 से | 11.48 बजे तक | लाभ | 10.17 से | 11.48 बजे तक |
| उद्वेग | 11.48 से | 01.17 बजे तक | उद्वेग | 11.48 से | 01.19 बजे तक |
| चर | 01.17 से | 02.45 बजे तक | शुभ | 01.19 से | 02.51 बजे तक |
| लाभ | 02.45 से | 04.14 बजे तक | अमृत | 02.51 से | 04.2 बजे तक |
| अमृत | 04.14 से | 05.43 बजे तक | चर | 04.22 से | 05.53 बजे तक |

**चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ** शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

## प्रसंगतः बुराई की जड़

एक बार मगध के महामंत्री चाणक्य राजकाज संबंधी परामर्श के लिए सम्राट चंद्रगुप्त से मिलने जा रहे थे। रास ते में उनके पांव में कांटा चुभ गया। उनके मुंह से चीख निकल गई। उन्होंने झुककर उस कंटीले पौधे को देखा फिर कुल्हाड़ी मंगवाई और अपने हाथों से उस पौधे को उखाड़ कर फेंक दिया। उखाड़ कर फेंकने के बाद उन्होंने उस पौधे की जड़ों को भी जमीन से निकाला और उन्हें जला दिया। इसके बाद उन्होंने अपने शिष्यों से छाछ मंगवाकर उसे उस स्थान पर डाल दिया ताकि पुनः पौधा पनप कर अपने कांटों से किसी राहगीर को पीड़ा न पहुंचा सके। यह देखकर एक शिष्य जिज्ञासावश बोला, 'गुरुजी, आपने मात्र एक कंटीले पौधे को निकालने के लिए इतनी मेहनत क्यों की ? यदि आप हमें आदेश देते तो हम तुरंत यह कर देते।' शिष्य की बात सुनकर चाणक्य मुस्करा कर बोले, ' मैंने तुम सबको सीख देने के लिए ही यह कार्य स्वयं किया है। इस कार्य के माध्यम से मैं तुम सब को यह बताना चाहता हूं कि जब तक बुराई की जड़ को खत्म न किया जाए तब तक वह पूरी तरह खत्म नहीं होती और गाहे-बगाहे अपनी चपेट में किसी न किसी को ले ही लेती है। इसलिए केवल बुराई को दूर करने की नहीं बल्कि उसकी जड़ को काटने की आवश्यकता है ताकि वह फिर कभी पनप ही न सके। यदि तुम बुराई की जड़ काट दोगे तो तुम्हारा जीवन अपने आप सहज व शांतिपूर्ण हो जाएगा।' शिष्य चाणक्य की इस बात से सहमत हो गए ।

## सूडोकु नवताल- 7425

★★★✯☆ मध्यम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 2 | 9 | | 3 | 1 | | | 8 | |
| 3 | 6 | | 2 | | 7 | | 9 | |
| | | 7 | | | 6 | | 2 | 1 |
| | 7 | | 1 | | | | | |
| 1 | 3 | | | 4 | | | 7 | 2 |
| | | | | | 5 | | 4 | |
| 6 | 2 | | 4 | | | 9 | | |
| | 5 | | 6 | | 9 | | 1 | 8 |
| | 1 | | | 5 | 3 | | 6 | 4 |

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

### सूडोकु नवताल -7424 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 3 | 9 | 7 | 5 | 1 | 4 | 6 | 8 | 2 |
| 1 | 2 | 8 | 6 | 9 | 3 | 4 | 5 | 7 |
| 6 | 4 | 5 | 2 | 8 | 7 | 1 | 3 | 9 |
| 5 | 7 | 3 | 4 | 6 | 9 | 2 | 1 | 8 |
| 2 | 1 | 9 | 7 | 5 | 8 | 3 | 4 | 6 |
| 4 | 8 | 6 | 3 | 2 | 1 | 7 | 9 | 5 |
| 9 | 3 | 2 | 8 | 4 | 6 | 5 | 7 | 1 |
| 7 | 6 | 1 | 9 | 3 | 5 | 8 | 2 | 4 |
| 8 | 5 | 4 | 1 | 7 | 2 | 9 | 6 | 3 |

## शब्द पहेली - 8640

**बाएँ से दाएँ**

1. भीगा हुआ-2
2. गाने वाला-3
4. दिया, चिराग-2
6. केश-2
7. जिससे ताला खुलता है-2
9. सूरमा -3
12. नख-3
14. तेरह गुणा चार-3
16. एक जैसा तल-4
17. दरवाजे की आवाज-2,2
18. कड़ा, तेज-3
20. आँखों के ऊपर की परत-3
22. साधुवाद देना, वाह-वाह-3
24. पुत्र, एक रंग-2
26. तुम का आदर सूचित शब्द-2
27. पत्र-2
28. आश्चर्य-3
29. तट, किनारा-2

**ऊपर से नीचे**

1. छोटा गीत-3
2. मुँह के दोनों ओर का भाग-2
3. जो पका न हो-2
5. हवा, वायु-3
6. बच्चा, बालक-2
8. वीणा, एक वाद्य-2
10. जितेन्द्र व रेखा की एक फिल्म-2,3
11. मूल्य, दर-2
13. मारकाट-5
14. बच्चा-3
15. नाज, अदा-3
19. पंजाब की एक नदी-2
20. जांच-पड़ताल-3
21. हुनर-2
22. बददुआ-2
23. नगर-3
25. बेल, कोमल लम्बा पौधा-2
26. फूलों का प्राकृतिक रस-2

### शब्द पहेली-8639 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| त | मा | शा | ई | | ह | जा | म | त |
| ल | ता | | मा | ज | रा | | त | ह |
| बा | | | न | | र | न | | री |
| र | ह | न | | न | त | म | स्त | क |
| | | शे | | य | | की | | |
| ना | मु | म | कि | न | | न | मा | ज |
| बा | | न | फा | | स | | | रू |
| कि | म | | य | म | न | | द | र |
| फि | त | र | त | | क | रा | मा | त |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

# कोटेश्वर महादेव में भोले के दर्शन को उमड़ा आस्था का सैलाब

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लांजी।

## शिवरात्रि पर शिवमय हुआ लांजी नगर

**धर्म नगरी लांजी में प्राकृतिक छटा बिखेरती सुरम्यी वादियों के मध्य आदिकाल से साक्षात भगवान श्री कोटेश्वर महादेव का वास है प्राचीन सिद्धपीठ एवं 108 उपलिंगो में से एक बाबा कोटेश्वर महादेव की महिमा का संपुर्ण जिले तथा आस पास के पडोसी राज्य में गुणगान व्याप्त है। 15 फरवरी 2026 महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कोटेश्वर धाम में बसें भगवान श्री कोटेश्वर महादेव की पुजा अर्चना करनें के लिये हजारो की संध्या मे श्रद्धालुओ की भीड उमड पडी प्रत्येक वर्षो से देखा जा रहा है की रात्रि मे 12 बजें के बाद से ही श्रद्धालु भक्त गणो की कतारदर्शन हेतू लगने लगती और जैसे जैसे भोर होती है वैसे वैसे दर्शनार्थियो की संध्या मे लगातार बढोतरी नजर आने लगती है। कोटेश्वर धाम परिसर को मा एग्रो इण्डस्ट्रीज के संचालक राजेश अग्रवाल एवं परिवार के द्वारा विशेष पण्डाल साज सज्जा से सजाया गया था, व्यवस्थाओ को देखकर भी दर्शनार्थी काफी प्रसन्नचित दिखाई दिये, पुलिस प्रशासन एवं स्थानीय लोगो के द्वारा मंदिर परिसर के भीतर दर्शन की सुचारू व्यवस्था की गई थी, कतार बद्ध तरीके से कोटेश्वर धाम में दर्शनार्थीयो ने दर्शन लाभ प्राप्त किये।**

### राजेश अग्रवाल एवं परिवार ने मंदिर की साज सज्जा सहित बैठक व्यवस्था, किया फलो का वितरण

प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर कोटेश्वर महादेव के मंदिर को नगर के प्रतिष्ठित व्यापारी राजेश अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल, अंकित अग्रवाल एवं परिवार के द्वारा तथा साथी शिवभक्तों के द्वारा साज सज्जा करवाई गई थी, मंदिर सहित गर्भ गृहो को फुलो एवं फलो से सजाया गया, मंदिर परिसर के अन्तर्गत शामियाना लगाया गया जिससे भक्त जनों को धुप मे कतार मे ना रहना पडे, मंदिर के समक्ष बैठक की उत्तम व्यवस्था की गई। साथ ही राजेश अग्रवाल एवं परिवार के द्वारा मंदिर परिसर के समक्ष प्रतिवर्षा नुसार इस वर्ष भी फलो का वितरण किया गया था जो कि प्रात- 11 बजे से शाम 7 बजे तक किया गया। इसके अतिरिक्त श्याम बैण्ड के द्वारा सुबह से लेकर संध्या काल तक शिव जी के भक्ति मय संगीत के माध्यम से संपूर्ण परिसर को शिवमय किया, मंदिर की साज सज्जा एवं व्यवस्थाओं को देखकर दर्शनार्थीयों ख्खुब सराहा साथ फल आदि ग्रहण कर पूण्य लाभ अर्जित किया।

महाशिवरात्रि पर्व पर हमेशा से देखा जा रहा है कि कोटेश्वर धाम में भक्तो की भीड़ बढती ही जा रही है जिसको लेकर पूर्व से प्रशासन के द्वारा व्यवस्थाऐं चाक चौबंद करने हेतु बैठके आदि आयोजित की गई थी। पर्व के दिवस अपर कलेक्टर धुर्वे जी, एसडीएम कमल चंद सिंहसार, एसडीओपी ओमप्रकाश (भापुसे), तहसीलदार भवेदी, नायब तहसीलदार संजय बारस्कर, थाना प्रभारी दीप सिंह परमार, एसआई सुन्दर लाल पंवार, एसआई विधी पाण्डेय सहित पुलिस थाना लांजी में पदस्थ एएएसआई, प्रआरक्षक, आरक्षक, महिला आरक्षक, दल बल के साथ तैनात रहा जिनके द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर में सुचारू रूप से व्यवस्थाओं को बनाये रखा जिससे दर्शनार्थियो को दर्शन करने में किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नही हुई। प्रशासनिक अमले के द्वारा समय समय पर धाम परिसर का निरीक्षण किया गया ताकि किसी भी प्रकार से अव्यवस्थाऐं ना हो पाये। इसके साथ नगर परिषद लांजी का भी व्यवस्थाओं में विशेष योगदान रहा जिनके कर्मचारियो के द्वारा बखुबी अपनी ड्यूटी निभाई गई। वहीं मंदिर परिसर में ग्राम रक्षा समिति के सदस्य तथा अन्य स्थानीय वालंटियर के द्वारा भी अपनी अपनी सेवाऐं धाम परिसर मे दी गई।

### जनप्रतिनिधीयों ने किया कोटेश्वर महादेव के दर्शन

महाशिवरात्री के पावन अवसर पर जहां क्षेत्र सहित आस पास के हजारों श्रृद्धालु दर्शनो के लिये पंहुचते है वहीं क्षेत्र के जनप्रतिनिधी भी क्षेत्र सहित देश प्रदेश की खुशहाली की कामना की। कोटेश्वर महादेव के दर्शनो के लिये सांसद भारती पारधी, विधायक राजकुमार कर्राहे, पूर्व विधायक रमेश भटेरे, पिछडा वर्ग आयोग सदस्य श्रीमती मौसम हरिनखेड़े सहित क्षेत्र अन्य जनप्रतिनिधी कोटेश्वर धाम पंहुचकर भगवान शिव के दर्शन किये और पूजा अर्चना कर क्षेत्र के सुख समृद्धि एवं शांति की कामना की है। अभिषेक पूजन के पश्चात धाम परिसर में उपस्थित श्रृद्धालुओं से भी मुलाकात की। उन्होने कहा कि कोटेश्वर महादेव धाम क्षेत्र की आस्था का प्रमुख केन्द्र है और यहां दर्शन करने से आध्यात्मिक ऊर्जा का अनुभव होता है। वहीं उपस्थित जनप्रतिनिधियों के द्वारा कोटेश्वर धाम को लेकर भी विशेष चचाऐं कि गई साथ श्रृद्धालु, दर्शनार्थियो के लिये बेहतर व्यवस्था बनाये जाने की भी बात की गई।

### पशीने परिवार के द्वारा साबुदाना खिचड़ी वितरण

महाशिवरात्रि पर्व पर प्रतिवर्ष उषादेवी पशीनें एवं परिवार के द्वारा साबुदाना खिचंडी का वितरण किया जाता है। बतादे कि पर्व पर अधिकांश लोगो का उपवास रहता है ऐसे में पशीने परिवार प्रतिवर्ष कोटेश्वर धाम परिसर पर आने वाले भक्तों के लिये साबुदाना खिचड़ी का पबंध किया जाता है। हजारो की संख्या में भक्त गण कोटेश्वर महादेव के दर्शन लेकर साबुदाना खिचड़ी रूपी प्रसाद ग्रहण करते है। उक्त आयोजन में महिला मण्डल की सदस्य गण भी प्रसाद वितरण में सहयोगी रही। इसके अतिरिक्त कोटेश्वर धाम परिसर में शिवभक्तो के द्वारा पुलाव एवं अन्य प्रसादी वितरण किया गया।

### 11111 दीपों की ज्योति से जग मगाया कोटेश्वर धाम

प्रतिवर्ष महाशिवरात्री की पूर्व संध्या पर शिव भक्तों के द्वारा कोटेश्वर धाम परिसर को दीपों की रोशनी से सजाया जाता है। इस वर्ष भी 11,111 दीपों की ज्योति कोटेश्वर धाम जगमगाया। शिवभक्त मनोज किरनापूरे एवं उनके साथियों ने बताया कि महाशिवरात्रि की रात्रि 1 बजे कोटेश्वर महादेव मंदिर में उनके द्वारा 11,111 दीपक प्रज्वलित किए गये है। यह दिव्य दीप प्रज्वलन का कार्य वे पिछले सात वर्षों से निरंतर करते आ रहे हैं। उनका कहना है कि दीपों की यह श्रृंखला भगवान शिव के प्रति अटूट आस्था और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना का प्रतीक है।

## लॉजी के 2 खिलाड़ियों का सब-जूनियर वॉलीबॉल राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में चयन

पद्मेश न्यूज। लांजी। मध्य प्रदेश एमेच्योर वालीबॉल एसोसिएशन के सानिध्य में जूनियर खिलाड़ियों के ट्रायल का आयोजन छिंदवाड़ा के पुलिस लाइन खेल मैदान में 14 फरवरी को आयोजित किया गया था। जिसमें छिंदवाड़ा, बालाघाट, सिवनी एवं बैतूल के जिले के खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल में हिस्सा लिया। इन चार जिलों के खिलाड़ियों में 12 खिलाड़ियों का चयन कर राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शामिल किया जाना था। जिसमें शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी लांजी के 2 खिलाड़ियों ने चयन ट्रायल प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमे दिशा घोंग ? एवं रानू लांडे ने लांजी से चयन ट्रायल में हिस्सा लिया और अपनी अपनी स्किल, ओर खेल के जरिये दोनों ही खिलाड़ियों ने अपना स्थान राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पक्का किया। लांजी से दोनों ही खिलाड़ी शहीद भगत सिंह स्पोर्ट्स अकादमी में ब्लॉक समन्वयक एवं प्रशिक्षक प्रज्ञात वासनिक के कुशल नेतृत्व में नियमित रूप से खेलों का प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं। 17 से 19 फरवरी तक आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता सिंगरौली में अकादमी के दोनों खिलाड़ी अपने खेल का प्रदर्शन करेंगे। खिलाड़ियों का चयन होने पर नवीन रामटेक्कर, राकेश मर्सकोले, अजय कारसर्प, भगवन्ति खान (प्रशिक्षक), विनोद चौधरी, विनय सातपुते, साहिल पांडे, वरुण बड़मे, नवीन मात्रे, यश वानखेड़े, एवं सभी सीनियर खिलाड़ियों ने चयनित खिलाड़ ?यों के उज्वल भविष्य कामना की एवं शुभकामनायें दी।

## दादा कोटेश्वर की पावन नगरी में महाशिवरात्रि पर नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

**पद्मेश न्यूज। लांजी।** दादा कोटेश्वर महादेव धाम की पावन नगरी लांजी में महाशिवरात्रि पर्व के शुभ अवसर पर क्षेत्रवासियों को स्वास्थ्य सेवा समर्पित करने का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया गया। संजीवनी क्लिनिक एवं बिहोने मेडिकल के संयुक्त तत्वावधान में 15 फरवरी को नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का भव्य आयोजन किया गया।

यह शिविर बालाघाट रोड स्थित संजीवनी क्लिनिक, विशाखा रोज नर्सरी के निकट आयोजित हुआ, जहां महाशिवरात्रि के पावन मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं स्थानीय निवासी पहुंचे और नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच व उपचार का लाभ उठाया।

शिविर में विभिन्न रोगों की जांच, आवश्यक उपचार एवं विशेषज्ञ परामर्श प्रदान किए गए। शिविर में सेवाएं प्रदान करने वाले प्रमुख चिकित्सकों में डॉ. रुपेंद्र गिरिया (एमबीबीएस), डॉ. अंकित खरोले (एमबीबीएस, डीसीएच), डॉ. सुमित आर. खरोले (एमबीबीएस), डॉ. अमित आर. खरोले (एमबीबीएस), तथा महिला चिकित्सक डॉ. अर्चना मइड़ा सहित अन्य सम्मानित डॉक्टरों की टीम शामिल रही। चिकित्सकों ने मरीजों की विस्तृत जांच कर दवाइयां वितरित करने के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी महत्वपूर्ण सलाह भी प्रदान की।

आयोजकों के अनुसार, स्वास्थ्य शिविर में कुल 87 मरीजों ने पंजीयन कराकर उपचार प्राप्त किया। शिविर की सफलता में संजीवनी क्लिनिक और बिहोने मेडिकल के समस्त स्टाफ सदस्यों का अथक परिश्रम एवं समर्पण महत्वपूर्ण रहा।

## राजपाल यादव हैं जेल में और साल 2018 का वीडियो हो गया वायरल

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता राजपाल यादव के तिहाड़ जेल में रहने की खबरें सुर्खियां बनी हुई हैं। चेक बाउंस केस में उन्हें जेल जाना पड़ा है, जिसके बाद कई बॉलीवुड सितारे उनकी मदद के लिए सामने आए हैं। इसी बीच एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें वो रिहा होने की खुशी जता रहे हैं।

दरअसल सोशल मीडिया पर उनका एक वीडियो तेजी से वायरल हुआ है, जिसमें राजपाल यादव जेल से रिहा होने की खुशी जाहिर करते दिख रहे हैं और सलमान खान का धन्यवाद कर रहे हैं। वीडियो में राजपाल कहते हैं, सलमान भाई बड़े भाई की तरह हैं। उनके साथ बैठकर अंदर से बहुत खुशी महसूस होती है। फैंस इस वीडियो को देखकर मान बैठे कि राजपाल यादव जेल से बाहर आ गए हैं, लेकिन ऐसा कतई नहीं है। दरअसल वायरल वीडियो साल 2018 का बताया जा है, क्योंकि वर्तमान में तो एक्टर अभी भी तिहाड़ जेल में ही बंद हैं।

राजपाल यादव पर साल 2010 का मामला दर्ज है। उन्होंने अपनी डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म अता पता लापता बनाने के लिए 5 करोड़ रुपये उधार लिए थे, लेकिन फिल्म फ्लॉप हो गई और एक्टर कर्ज चुका नहीं पाए। कई चेक बाउंस होने के बाद उनका कुल कर्ज 9 करोड़ रुपये तक पहुंच गया। इस कारण उन्हें जेल में बंद किया गया। राजपाल की इस मुश्किल घड़ी में कई बॉलीवुड सितारे सलमान खान, अजय देवगन, वरुण धवन और सोनू सूद उनकी मदद को तैयार हैं। वायरल वीडियो के कारण फैन्स को भ्रम हुआ, लेकिन फिलहाल राजपाल यादव की रिहाई की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

## मध्य प्रदेश, यूपी, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में दिन का तापमान 30डिग्री पर पहुंचा

नई दिल्ली। देश के हिमालयी इलाकों में सोमवार तक दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय हैं। मंगलवार से हिमाचल, उत्तराखंड और जम्मू-कश्मीर में पहा ?ों पर बारिश-बर्फबारी हो सकती है। वहीं मध्य प्रदेश, यूपी, छत्तीसगढ़ समेत कई राज्यों में दिन का तापमान 30डिग्री सेल्सियस पार हो चुका है। राजस्थान के कई जिलों में तापमान 35डिग्री पर पहुंच गया है। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर, कांचीपुरम और चेन्नई, कर्नाटक के उत्तर कन्नड़ और उडुपी, महाराष्ट्र के रत्नागिरी और सिंधुदुर्ग में घना कोहरा छाया रहा।

वहीं मध्य प्रदेश के कई शहरों में दिन का तापमान बढ़ गया है। राज्य में मौसम बदल सकता है। यूपी के कई शहरों में पारा 30 डिग्री के पार पहुंच गया है। छत्तीसगढ़ में औसत तापमान में 2 डिग्री की ब ?ोतरी दर्ज की गई। राजस्थान के जयपुर, बीकानेर संभाग जिलों में 17-18 फरवरी को बारिश हो सकती है। दिल्ली का एक्यूआई खराब स्तर पर पहुंच गया। एनसीआर में औसत तापमान 11 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तराखंड के ऊंचाई वाले इलाकों में ठंड का असर दिख रहा है। प्रदेश के कई शहरों का न्यूनतम तापमान माइनस 20 से नीचे है। मुनस्यारी में सबसे कम पारा -25डिग्री, बद्रीनाथ में -16, गंगोत्री में -20 दर्ज किया गया है।

## नकली आरटीओ ई-चालान एपीके से बैंक खाते साफ! सूरत में जामताड़ा गैंग के तीन सदस्य गिरफ्तार

सूरत। आज के डिजिटल युग में साइबर अपराधी नई-नई मॉडस ऑपरेंडी अपनाकर लोगों को निशाना बना रहे हैं। गुजरात के सूरत में साइबर क्राइम सेल ने कुख्यात जामताड़ा से जुड़े गैंग के तीन सदस्यों को गिरफ्तार किया है। यह गिरोह लोगों के मोबाइल पर फर्जी आरटीओ ई-चालान की एपीके फाइल भेजकर उनके बैंक खाते खाली कर रहा था। जांच में सामने आया है कि आरोपी व्हाट्सएप पर 'डिजिटल आरटीओ ई-चालान.एपीके' नाम की फाइल भेजते थे। जैसे ही कोई यूजर इस फाइल को डाउनलोड करता, उसका मोबाइल हैक हो जाता। यह मालवेयर मोबाइल के मैसेज, कॉन्टैक्ट और गैलरी की परमिशन हासिल कर लेता था, जिससे ठग सीधे ओटीपी पढ़ लेते और बैंक खातों से रकम निकाल लेते थे। एक मामले में शिकायतकर्ता के बेटे ने जैसे ही यह फाइल डाउनलोड की, उसके खाते से टुकड़ों में कुल 5 लाख 02 हजार 562 रुपये निकाल लिए गए। गिरफ्तार आरोपियों ने चुराए गए पैसों को क्रेडिट कार्ड बिल भुगतान के जरिए ठिकाने लगाने का तरीका अपनाया था। इसके बाद रकम को नकद या सीडीएम मशीन के माध्यम से मुख्य सरगनाओं तक पहुंचाया जाता था। इस काम के बदले वे 10 प्रतिशत कमीशन लेते थे। चौंकाने वाली बात यह है कि गिरफ्तार आरोपियों में एक सिविल इंजीनियर और एक बी.कॉम ग्रेजुएट शामिल है। कम समय में ज्यादा पैसे कमाने की लालच में ये शिक्षित युवा अंतरराज्यीय साइबर गिरोह का हिस्सा बन गए। पुलिस जांच में अश्विन गांगाणी के कार्यालय से 227 क्रेडिट कार्ड, दो क्क्ष्स मशीनें और 92 लाख 53 हजार 663 रुपये के ट्रांजेक्शन का रिकॉर्ड बरामद हुआ है। पुलिस ने इस मामले में राजकोट के निशीत नथवाणी, झारखंड के जामताड़ा के गौतम मंडल और सूरत के अश्विन नरसिंहभाई को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है। साइबर क्राइम सेल ने लोगों से अपील की है कि किसी भी अनजान एपीके फाइल या लिंक को डाउनलोड करने से बचें और संदिग्ध संदेशों की तुरंत शिकायत करें।

## जयपुर एयरपोर्ट में महिला पैसेंजर पर कुत्ते ने किया हमला, लहु-लुहान हुआ पैर

जयपुर। जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के टर्मिनल-2 पर रविवार दोपहर करीब 2-20 बजे एक महिला पैसेंजर पर कुत्ते ने हमला कर दिया। महिला के पैर से खून बहने लगा, लेकिन पास मौजूद लोगों और एयरपोर्ट प्रशासन की मदद से उसे तुरंत प्राथमिक उपचार के लिए पास के प्राइवेट हॉस्पिटल पहुंचाया गया। डॉक्टरों ने महिला का इलाज कर उसे छुट्टी दे दी, और फिलहाल उनकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। एयरपोर्ट प्रबंधन ने बताया कि महिला दिल्ली से जयपुर आई थी और अराइवल एरिया के गेट के पास बाहर निकल रही थी, तभी कुत्ते ने हमला कर दिया। कुत्ते का वैक्सीनेशन पहले ही हो चुका था, इसलिए किसी गंभीर संक्रमण का खतरा नहीं है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कुत्ते ने अचानक महिला पर हमला किया। यह पहला मामला नहीं है जब जयपुर एयरपोर्ट पर कुत्तों ने पैसेंजर्स पर हमला किया। इससे पहले भी कई बार ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। सुप्रीम कोर्ट की गाइडलाइन के अनुसार आवारा कुत्तों को पकड़कर नसबंदी के बाद उसी स्थान पर छोड़ना चाहिए। एयरपोर्ट प्रबंधन ने फेंसिंग का काम शुरू किया है और परिसर में मौजूद कुत्तों का टीकाकरण भी करवाया जा रहा है, लेकिन हाई-सिक्योरिटी एरिया में कुत्तों की मौजूदगी सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती रही है।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबैंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

# शिवरात्रि पर्व पर भोले की भक्ति में डूबी राजधानी

भोपाल। महाशिवरात्रि पर्व पर राजधानी के बड़वाले महादेव मंदिर पर भोले के भक्तों ने बिरला मंदिर से शोभायात्रा निकाली।

## शिवालयों पर विशेष पूजा-अर्चना, कई इलाकों में शिव विवाह आयोजन

भोपाल। देवाधिदेव महादेव और माता गौरा की परिणय बेला का पर्व महाशिवरात्रि शहर के मंदिरों में धूम-धाम से मनाई जा रही है। इस मौके पर घोड़ा-बग्गी और बैंड-बाजे के साथ शहर के मंदिरों में शिव-बारात निकल रही है। मंदिरों में सुबह से ही श्रृंद्धालुओं की भीड़ देखी जा सकती है। बाबा भोलेनाथ का श्रद्धालुओं ने दिव्य श्रृंगार किया है।

मंदिरों में बाबा दिव्य स्वरूप में चांदी की पालकी, बग्गी और गाड़ियों में विराजमान होकर मां गौरा से ब्याह रचाने निकले। इस मौके पर शिव बारात में श्रृंद्धालुओं की भारी भीड़ मंगल गीत गाते नजर आए। श्री पशुपतिनाथ नेपाली समाज गोविंदपुरा में 48वां महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया गया। यहां सुबह 8:30 बजे गंगाजली कलश यात्रा श्री राम मंदिर बरखेड़ा से शुरू होकर चिल्डन पार्क, कार्मल कॉन्वेंट स्कूल, चेतक ब्रिज, गोविंदपुरा ए-सेक्टर होते हुए दोपहर 12 बजे मंदिर परिसर पहुंची। श्री बड़वाले महादेव मंदिर सेवा समिति द्वारा सुबह 10 बजे बाबा बटेश्वर की दिव्य बरात हजारों भक्तों की अगुवाई में निकाली गई। भगवान श्रीकृष्ण-राधा द्वारा भोलेनाथ का पूजन, राम दरबार, प्रदोष श्रृंगार एवं पहाड़ पर भूतेश्वर की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। वहीं, दूसरे भाग में शाम को शिव बारात में बटेश्वर भक्त एवं महिला मंडल का डबरू मंजीरा दल, आदिवासी नृत्य दल, बैंड, ओम नमः शिवाय मंडल का अखंड जाप और पीछे रजत रथ पर दूल्हा बने बाबा बटेश्वर नंदी पर सवार होकर निकले।

## शिव दरबार साईबाबा नगर से शाम 5 बजे निकलेगी शिव बारात

भोपाल। महाशिवरात्रि पर्व के अवसर पर शिव दरबार साईबाबा नगर से आज शाम पांच बजे भव्य रूप से शिव बारात निकलेगी। इस मौके भर भगवान भोलेनाथ को दिव्य स्वरूप में सजाया जाएगा। श्री शिव आश्रय सेवार्थ समिति के डॉ. सुशील सिंह ठाकुर ने बताया कि 13 फरवरी को हल्दी-मेहंदी, 14 फरवरी को महिला संगीत का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आज भगवान के विवाह समारोह में हजारों की संख्या में श्रृद्धालु शामिल होंगे। समिति द्वारा इसके लिए बकायदा भगवान शिव और मता पार्वती के विवाहिक कार्यक्रम का निमंत्रण पत्र छपवाया गया है। जिसमें लग्न, मुहूर्त और समय का जिक्र है। भगवान का माता गौरा के साथ विवाह की रस्में और वरमाला कार्यक्रम 1100 क्वार्टर हनुमान मंदिर, अरेरा कॉलोनी में रात्रि आठ बजे संपन्न होगा। इससे पहले समिति द्वारा 2 फरवरी से आठ फरवरी तक शिव महापुराण का आयोजन किया गया था।

## हत्या के आरोपी को उम्रकैद की सजा

भोपाल। ईंटखेड़ी इलाके में ढाबे पर साथ काम करने वाले कमल सिंह मीना की हत्या के मामले में साथी कर्मचारी संजू उर्फ संजय विश्वकर्मा पुत्र रामसिंह विश्वकर्मा (29) निवासी पिपरिया होशंगाबाद को अपर सत्र न्यायाधीश सुचिता श्रीवास्तव ने उम्रकैद और 1000 रुपए जुमनि की सजा सुनाई है। गौरतलब है कि दादा जी ढाबे पर 26 अक्टूबर 2023 को कर्मचारियों के बीच कहा-सुनी के बाद आरोपी संजू ने कमल सिंह मीना के सिर पर रॉड मार दी थी।

## दवा बाजार में गंदगी आयोग ने लिया संज्ञान

भोपाल। दवा बाजार में गंदगी, मेडिकल वेस्ट और अतिक्रमण होने का मामला सामने आया है। दवा बाजार में 500 से ज्यादा मेडिकल दुकानें संचालित हैं। मेडिकल वेस्ट को बाजार के बेसमेंट एरिया में फेंका जा रहा है। दवाइयों के रैपर, बोतलें और अन्य बायोमेडिकल कचरा खुले में पड़ा हुआ है। मानव अधिकार आयोग ने इस मामाले में संज्ञान लेते हुए, जिम्मेदार अधिकारियों से जवाब तलब किया है। उन्हें एक सप्ताह में जवाब देना होगा।

### BU: एग्जाम में देरी से PG छात्रों में रोष

# नवंबर में होनी थी परीक्षा, फरवरी तक जारी नहीं हुआ टाइम टेबल

प्रदेश टुडे एजुकेशन

भोपाल। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय की लेटलतीफी का खामियाजा यहां के स्टूडेंट्स को भुगतना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि प्रबंधन अपने ही बनाए एकेडमिक कैलेंडर का पालन नहीं कर रहा है। यहां परीक्षाएं 82 दिन लेट हैं। खास तौर से पीजी के फर्स्ट सेमेस्टर के स्टूडेंट्स का पूरा एकेडमिक कैलेंडर ध्वस्त हो चुका है। यहां नवंबर में शुरू होने वाली परीक्षाओं का फरवरी में भी टाइम टेबलजारी नहीं किया गया है। 20 नवंबर से 13 फरवरी तक पूरे 85 दिन बीत चुके हैं और अब तक परीक्षा शुरू नहीं हो सकी है। अभी तक विश्वविद्यालय यूटीडी में पढ़ाए जाने वाले विभिन्न विषयों के सिलेबस अधिकृत तौर पर संबंधित शाखा को उपलब्ध नहीं करा सका है।

### 92 दिन की देरी से शुरू हो सकती हैं परीक्षाएं

विश्वविद्यालय अधिकारियों का कहना है कि परीक्षाएं 20 फरवरी से शुरू कराने की तैयारी चल रही है। यदि ऐसा होता है तो परीक्षाएं तय शेड्यूल से 92 दिन की देरी से शुरू होंगी। इस बीच छात्र इंतजार और असमंजस में हैं कि आखिर परीक्षाएं कब शुरू होंगी और अगले सेमेस्टर की परीक्षाएं कब शुरू होंगी।

### छात्रों को नहीं पता कब शुरू होगी अगले सेमेस्टर की पढ़ाई

*फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षा में करीब 20 से 25 दिन का समय तय माना जा रहा है। ऐसे में परीक्षाएं फरवरी के अंत से लेकर मार्च के मध्य तक चलेंगी। इसका सीधा अर्थ है कि जिन सेकंड सेमेस्टर की कक्षाओं को 20 दिसंबर से शुरू हो जाना था, वे अब फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षाएं खत्म होने के बाद ही शुरू हो पाएंगी। इस तरह सेकंड सेमेस्टर की पढ़ाई तीन माह देर से शुरू होने की उम्मीद है। यानी बीयू पीजी छात्र न सिर्फ परीक्षा में पिछड़ गए हैं, बल्कि उनकी नियमित पढ़ाई भी तीन माह से ज्यादा पिछड़ गई है।*

### स्टूडेंट्स को साल बर्बाद होने का सता रहा डर

विवि प्रशासन की यह लारवाही सीधे-सीधे छात्रों के एकेडमिक भविष्य पर भारी पड़ रही है। इस बार कॉलेजों और यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट के सिलेबस एक जैसे हैं। इसके कारण विवि इसकी परीक्षाएं एक साथ कराने की योजना बनाई है। तब कैलेंडर के अनुसार पीजी फर्स्ट सेमेस्टर की परीक्षाएं 12 दिसंबर के बीच पूरी होनी थी। इसके बाद 13 दिसंबर से 19 दिसंबर तक सेमेस्टर ब्रेक मिलना था और 31 दिसंबर तक परीक्षा परिणाम घोषित हो जाने चाहिए थे। इसी के मुताबिक सेकंड सेमेस्टर की कक्षाएं 20 दिसंबर से शुरू होनी थी।

### सूने पड़े मकान का ताला तोड़ा

# वन अधिकारी के घर चोरी करने वालों की पुलिस कर रही तलाश

प्रदेश टुडे क्राइम

भोपाल। मिसरोद थाना क्षेत्र में वन विभाग के एक अधिकारी के सूने मकान को चोरों ने निशाना बनाया। चोरों सोने- चांदी के जेवरात, नगदी समेत घर में लगे सीसीटीवी कैमरे और डीवीआर लेकर फरार हो गए। पुलिस के अनुसार 61 वर्षीय ऋषिराज रानाभाट पटेल नगर सलैया में रहते हैं। वह वन विभाग में अधिकारी हैं। 10 फरवरी को सीसीटीवी कैमरे चेक किए थे, तो उस समय सब कुछ सामान्य था। एक दिन बाद जब वे घर लौटे तो हॉल का सेंटर लॉक टूटा मिला। अंदर जाकर देखा तो घर का सारा सामान बिखरा पड़ा मिला। अलमारी में रखे चांदी के जेवरात, करीब दस हजार रुपए नकद और गुल्लक में रखी रकम समेत हजारों रुपए का सामान गायब मिला। वहीं छोला मंदिर थाना क्षेत्र के रासलाखेड़ी निवासी राकेश शर्मा के घर से सोने-चांदी के जेवरात, गुल्लक और नकदी समेत हजारों रुपए का सामान चोरी हो गया।

## अवैध शराब के साथ गिरफ्तार ओरोपी की जमानत अर्जी खारिज

भोपाल/जबलपुर। 342 लीटर अवैध देशी शराब के साथ भोपाल पुलिस द्वारा पकड़े गए एक आरोपी की जमानत अर्जी हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। जस्टिस जीएस अहलूवालिया की अदालत ने कहा है कि अभी आरोपी की जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता है। राजधानी के श्याम नगर में रहने वाले रोहन यादव की ओर से यह अर्जी दाखिल की गई थी। उसे गांधी नगर थाना पुलिस ने 10 दिसंबर 2025 को कार में रखी 342 बल्क लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया गया था।

## रिश्वत केस में मंत्रालय के चपरासी को 4 साल सजा

भोपाल। सामान्य प्रशासन विभाग मप्र मंत्रालय वल्लभभवन के प्यून सुरेश सिंह को 4000 रुपए की रिश्वत लेने के मामले में विशेष न्यायाधीश (लोकायुक्त संगठन) राम प्रताप मिश्र ने 4 साल के कारावास और 6000 रुपए के जुमनि की सजा सुनाई है। लोकायुक्त की ओर से मामले में विशेष लोक अभियोजक विवेक गौड़ ने पैरवी की। फरियादी डॉ. मंजू कैथोरिया ने इस मामले में आवेदन पेश कर शिकायत की थी।

## चिलम चटकी का लोकार्पण

भोपाल। तुलसी साहित्य अकादमी की सृजन श्रृंखला - 54 के अंतर्गत वरिष्ठ शिक्षाविद् डा. राजेश तिवारी के काव्य संग्रह का लोकार्पण किया गया। दुष्यंत कुमार स्मृति पाण्डुलिपि संग्रहालय में आयोजित इस कार्यक्रम में डा. मोहन तिवारी आनंद की राष्ट्रीय अध्यक्ष तुलसी साहित्य अकादमी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे।

## युवतियों को फ्रॉड कॉल-मैसेज करने चल रही स्वकैमर्स इंडस्ट्री

भोपाल। भारतीय लोक प्रशासन संस्थान और नूतन कालेज द्वारा साइबर सुरक्षाः चुनौतियां एवं समाधान पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें पूर्व आईएएस ओपी रावत, प्राचार्य डॉ दीप्ति श्रीवास्तव मौजूद थीं।

राज्य साइबर सेल एसपी प्रणय नागवंशी प्रेजेन्टेशन के माध्यम से बताया कि किस प्रकार साइबर स्कैम किया जाता है। किस किस ऐप को अपने मोबाईल में डॉउन लोड करके इन स्कैमों से बचा जा सकता है। चक्षु ऐप तथा अन्य ऐप किस प्रकार हमारे मोबाइल को सुरक्षा प्रदान करते है। स्वकैमर्स के द्वारा पूरी इंडस्ट्री चलाई जा रही है, जो कि महिलाओं एवं लड़कियो को फ्रॉड कॉल एवं मैसेज करते है तथा बार बार स्टॉकिंग की जाती है। आम लोगों से किस प्रकार साइबर क्राइम या फ्रॉड किये जाते हैंऔर डिजिटल अरेस्ट की भी महत्वपूर्ण जानकारी नागवंशी द्वारा दी गई।

साभार प्रदेश टूडे

# 18 से होगी शाकाहारी वन्य प्राणी गणना

भोपाल

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान में शाकाहारी वन्य प्राणियों की गणना 18 फरवरी से शुरू होगी। तीन दिवसीय वन्य प्राणी गणना में वन विहार में चीतल, सांभर, नीलगाय, काला हिरण, चौसिंगा, जंगली सुअर और लंगूर सहित अन्य वन्य प्राणियों की गणना की जाती है। वन विहार में इन सभी प्रजातियों के प्राणी स्वतंत्र रूप से विचरण करते हैं। इसके चलते वन विहार पर्यटकों के लिए बड़े आकर्षण के रूप में उभर कर सामने आया है।

वन्य प्राणी गणना 20 फरवरी तक चलेगी, इस दौरान गणना सुबह 7 बजे से शुरू होकर 9 बजे तक पूरी कर ली जाएगी। इस कारण सुबह 6.30 से 10 बजे तक पर्यटक वन विहार के अंदर भ्रमण नहीं कर सकेंगे। बता दें कि 2024 में हुई शाकाहारी वन्य प्राणी की गणना में लगभग 1510 वन्य प्राणी पाए गए थे, जबकि 2022 में यह वन विभाग के अधिकारियों को 1652 वन्य प्राणी मिले थे। इस गणना के आधार पर ही वन विहार राष्ट्रीय उद्यान प्रबंधन द्वारा शाकाहारी प्राणियों के लिए घास के मैदान विकसित किए गए हैं और गर्मियों में पूरक आहार की व्यवस्था भी की जाती है। वन विहार प्रबंधन से मिली जानकारी के अनुसार इस साल खुले में विचरण करने वाले प्राणियों की संख्या 1600 के करीब हो सकती है। गणना मानव संग्रहालय की दीवार से शुरू होकर तालाब तक पूरी होगी। 20 ट्रांजिट लाइनों पर कर्मचारी पैदल चलते हुए चीतल, सांभर और काला हिरण जैसी प्रजातियों की प्रत्यक्ष गणना करेंगे।

### वन विहार में तीन दिन चलेगी गिनती

### राज्य कर्मचारी एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा का आह्वान

# होली से पूर्व महंगाई भत्ता देने की मांग

भोपाल। मप्र अधिकारी कर्मचारी एवं पेंशनर्स संयुक्त सोर्चा ने राज्य सरकार से केंद्र के कर्मचारियों के समान जुलाई 2025 से दिए जाने वाला तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता प्रदेश के अधिकारियों कर्मचारियों एवं पेंशनरों को होली के पूर्व घोषित कर भुगतान किए जाने की मांग की है। साथ ही नव नियुक्त कर्मचारियों को प्रथम नियुक्ति दिनांक से 100 फीसदी वेतन दिए जाने, स्वास्थ्य बीमा योजना का आदेश जारी करने, लिपिक को मंत्रालय के समान समय मान वेतनमान दिए जाने, सहायक ग्रेड 3 का ग्रेड पे 1900 के स्थान पर 2400 किए जाने, पेंशनरों के लिए धारा 49 समाप्त किए जाने, शिक्षकों को वरिष्ठता का लाभ दिए जाने, विभिन्न संवर्गों की वेतन विसंगतियां दूर किए जाने, कार्यभारिक कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति बाद अवकाश नगदी कारण का लाभ दिए जाने, चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का ग्रेड पे सुधार करने के साथ ही पदनाम परिवर्तित किए जाने सहित अन्य मांगें रखी गई हैं।

## मजदूर संघ सुलझाएंगे अतिथि शिक्षकों के मामले

भोपाल। अतिथि शिक्षक वेतन, भत्तों से लेकर ई अटेन्डेंस के मामले मजदूर संघ के साथ मिलकर सुलझाएंगे। पिछले दो सालों से इनकी मांगें लंबित है। स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों सहित मंत्री को ज्ञापन - सौंपा जाना है। अतिथि शिक्षक समन्वय समिति के प्रांताध्यक्ष सुनील परिहार ने बताया कि प्रदेश में 72 हजार अतिथि शिक्षक है। बावजूद इसके उनकी समस्याओं पर सुनवाई नहीं हो रही है। अधिकारियों सहित सरकार को कई बार ज्ञापन दिए जा चुके हैं। अब कर्मचारी ट्रेड यूनियन के सामने हमने अपनी बात रखी है। इसी कड़ी में भारतीय मजदूर संघ के महामंत्री कुलदीप सिंह गुर्जर से मुलाकात कर मांग पत्र दिया है। यह एक प्लेटफार्म तैयार किया जा रहा है जिसमें सभी संगठन अतिथियों के साथ होंगे। इसमें शिक्षक भर्ती वर्ग के तहत वेटिंग सूची के अभ्यर्थियों को भी शामिल किया जाना है। मुख्यमंत्री, शिक्षामंत्री के सामने मांगें रखी जाएगी।

## निगम ने बस्तियों से पानी के सैंपल भरे, जांच को लैब भेजे

भोपाल। निगम अमले ने शुक्रवार को झुग्गी बस्तियों सहित शहर के 128 स्थानों से जल नमूने लेकर गुणवत्ता परीक्षण के लिए प्रयोगशालाओं में भेजे। 8 परीक्षण केंद्रों पर नमूनों की जांच की जा रही है। निगम के अनुसार अब तक झुग्गी बस्तियों के 4,074 स्थानों समेत कुल 9410 नमूनों की जांच कराई जा चुकी है। जल संरक्षण के तहत 1705 पाइप-लाइन लीकेज भी सुधारे गए, जिनमें शुक्रवार को ही 38 लीकेज शामिल हैं। हेल्पलाइन पर प्राप्त नौ शिकायतों का निराकरण किया गया।

## होली त्योहार के लिए चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

भोपाल। होली के चलते रेलवे में अतिरिक्त यात्रियों की भीड़ बढ़ रही है। भोपाल रेल मंडल ने अतिरिक्त ट्रेनों का शेड्यूल जारी किया, लेकिन इनमें भी लंबी वेटिंग की स्थिति बनती जा रही है। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया ने बताया कि अतिरिक्त यातायात को क्लियर करने के लिए शुक्रवार को चार जोड़ी स्पेशल ट्रेन चलाने का शेड्यूल जारी किया गया है। आने वाले दिनों में यदि जरूरत पड़ी तो अतिरिक्त ट्रेनें संचालित की जाएंगी। रीवा-रानी कमलपति-रीवा सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेन 28 फरवरी को रीवा से दोपहर 12:30 बजे चलेगी जो 9: 15 बजे रानी कमलापति स्टेशन आएगी। भोपाल-रीवा-भोपाल स्पेशल ट्रेन पांच मार्च को भोपाल से सुबह 10:30 बजे प्रस्थान कर उसी दिन रात में 8:45 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। रानी कमलापति-दानापुर-रानी कमलापति स्पेशल ट्रेन रानी कमलापति से दानापुर स्पेशल ट्रेन 27 फरवरी और 02 मार्च को रानी कमलापति से दोपहर 1:25 पर चलेगी।

# विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स भारत ने पाकिस्तान को हराया

नई दिल्ली। एजेंसी।

**टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाकिस्तान के महामुकाबले से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम ( भारत-ए ) ने पाकिस्तान को हरा दिया है। ACC विमेंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2026 के छठे मैच में भारत-ए ने पाकिस्तान-ए को 8 विकेट से मात दी। रविवार को बैंकॉक के तेर्दथाई क्रिकेट ग्राउंड में पाकिस्तान-ए ने भारत-ए को जीत के लिए 94 रनों का टारगेट दिया था। इस टारगेट को भारत-ए ने 10.1 ओवर में ही आसानी से हासिल कर लिया।**

## वृंदा दिनेश ने नाबाद 55 रन बनाए

पाकिस्तान-ए के खिलाफ रन चेज में भारत-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। टीम ने पारी की पहली ही गेंद पर हुमैरा काजी का विकेट गंवा दिया। हुमैरा को वहीदा अख्तर ने नेहा शर्मिन के हाथों कैच कराया। इसके बाद वृंदा दिनेश और अनुष्का शर्मा ने दूसरे विकेट के लिए 79 रन की साझेदारी कर भारतीय टीम को जीत के करीब पहुंचाया।

अनुष्का ने चार चौके की मदद से 26 बॉल पर 24 रन बनाए। अनुष्का को मोमिना रियासत ने आउट किया। वहीं ओपनर वृंदा दिनेश ने सिर्फ 29 गेंदों पर नाबाद 55 रन की पारी खेली, जिसमें 12 चौके शामिल रहे। तेजल हसब्निस ने भी नाबाद 12 रन बनाए।

## भारत पॉइंट्स टेबल में दूसरे पर आया

भारतीय टीम अब अपने आखिरी ग्रुप मुकाबले में 17 फरवरी को नेपाल का सामना करेगी। इस टूर्नामेंट में राधा यादव की अगुवाई वाली भारत-ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी और उसे पहले मुकाबले में संयुक्त अरब अमीरात ने 7 विकेट से हरा दिया था। दूसरी ओर पाकिस्तान-ए ने अपने पहले मैच में नेपाल को 30 रनों से हराया था। भारत दो मैचों में एक जीत और एक हार के बाद पॉइंट्स टेबल में दूसरे नंबर पर हैं। पहले नंबर पर UAE है। इस टूर्नामेंट में भारत-ए, पाकिस्तान-ए, नेपाल और UAE के साथ ग्रुप-ए में है। वहीं ग्रुप-बी में थाईलैंड, मलेशिया, बांग्लादेश-ए और श्रीलंका-ए मौजूद हैं। दोनों ग्रुप से टॉप दो-दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 20 फरवरी को खेले जाने हैं।

# टी20 विश्वकप -वेस्टइंडीज ने नेपाल को 9 विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी

मुंबई। जैसन होल्डर की शानदार गेंदबाजी और कप्तान शाई होप के अर्धशतक से वेस्टइंडीज ने टी20 विश्व कप के ग्रुप सी के मैच में नेपाल को नौ विकेट से हराकर सुपर आठ में जगह बनायी है। इस प्रकार वेस्टइंडीज इस ग्रुप से सुपर आठ में पहुंचने वाली पहली टीम बन गयी है। वेस्टइंडीज की जीत में जैसन होल्डर सहित अन्य सभी गेंदबाजों की भी अहम भूमिरा रही। होल्डर ने 27 रन देकर 4 विकेट लिए जिससे नेपाल के बल्लेबाज खुलकर नहीं खेल पाये। इस मैच में वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए दीपेंद्र सिंह ऐरी के 58 रनों की सहायता से 20 ओवरों में आठ विकेट पर 133 रन बनाये। दीपेंद्र के अलावा सोमपाल कामी ने 15 गेंद पर चार चौकों की सहायता से नाबाद 26 रन बनाये। इसके बाद 134 रनों के लक्ष्य को वेस्टइंडीज ने में 15.2 ओवरों में केवल एक विकेट के नुकसान पर ही 134 रन बनाकर हासिल कर लिया। कप्तान शाई होप ने पांच चौके और तीन छक्के लगाकर नाबाद 61 रन बनाए।

वहीं शिमरोन हेटमायर ने 32 गेंद पर चार चौके और दो छक्के लगाकर नाबाद 46 रन बनाए। इन दोनों के बीच दूसरे विकेट के लिए 91 रनों की साझेदारी हुई। वेस्टइंडीज की टीम ने इस प्रकार लगातार तीसरी जीत के साथ ही छह अंक हासिल कर ग्रुप सी में नंबर एक स्थान पर अपनी जगह पक्की कर ली है। वह इस समूह से सुपर आठ में पहुंचने वाली पहली टीम है। वहीं इंग्लैंड चार अंक के साथ इस ग्रुप में दूसरे स्थान पर है। वहीं नेपाल की टीम लगातार तीसरी हार के साथ ही सुपर आठ की दौड़ से बाहर हो गयी है।

वेस्टइंडीज की जीत की बल्लेबाजों के अलावा गेंदबाजों ने भी योगदान दिया । होल्डर ने चार विकेट लिए जबकि मैथ्यू फोर्ड ने चार ओवर में 10 रन देकर एक विकेट लिया। होल्डर को मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने तेज शुरुआत

की। ब्रैंडन किंग ने 17 गेंद पर 22 रन बनाये। वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में एक विकेट पर 44 रन बनाए। हेटमायर ने संदीप लामिचाने की गुगली पर पारी का पहला छक्का लगाया। वहीं शाई होप ने छक्का जड़कर 38 गेंद में अपने पचास रन पूरे किया। इसी के साथ ही होप ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में 10वां अर्धशतक लगाया है। लामिचाने ने तीन ओवर में 38 रन दिये।

वहीं इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए केवल दीपेंद्र सिंह और सोमपाल ही रन बना पाये। बाकि बल्लेबाज असफल रहे जिससे टीम बड़ा स्कोर नहीं बना पायी।

# टी-20 वर्ल्डकप में अमेरिका की लगातार दूसरी जीत

### नामीबिया को 31 रन से हराया, संजय कृष्णमूर्ति ने 68 रन बनाए; शाल्कविक को 2 विकेट

चेन्नई। अमेरिका ने टी-20 वर्ल्ड कप में लगातार दूसरी जीत हासिल कर ली है। रविवार को टीम ने नामीबिया को 31 रन से हरा दिया। 26वें मैच में ॠ ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। ग्रुप-ए का यह मैच चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए अमेरिका ने नामीबिया को 200 रन का टारगेट दिया। टीम ने 4 विकेट खोकर 199 रन बना दिए।

संजय कृष्णमूर्ति ने सबसे ज्यादा 68 रन बनाए। उन्होंने 33 बॉल पर 6 सिक्स और 4 चौके लगाए। वहीं कप्तान मोनांक पटेल ने 30 बॉल पर 52 रन बनाए। उन्होंने 3 चौके और 3 सिक्स लगाए। नामीबिया से कप्तान जेरार्ड इरास्मस और विलेम माईबर्ग ने 2-2 विकेट चटकाए। रूबेन ट्रम्पलमैन सबसे महंगे गेंदबाज साबित हुए। उन्होंने 4 ओवर में 52 रन दे दिए। 200 रन का पीछा करने उतरी नामीबिया की टीम 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 168 रन ही बना सकी। टीम से लॉरेन स्टीनकैंप ने 58 रन की पारी खेली। जेजे स्मिट ने 31 रन का योगदान दिया। अमेरिका से शैडली वान शाल्कविक ने सबसे ज्यादा 2 विकेट लिए।

# टी20 विश्वकप-यूएई के खिलाफ हर हाल में जीत हासिल करने उतरेगी अफगानिस्तान

नई दिल्ली। अफगानिस्तान की टीम सोमवार को ग्रुप डी के अहम मुकाबले में अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मुकाबले में सुपर ओवर में हार के कारण अब उसे अंतिम आठ के लिए अपनी संभावनएं बरकारार रखने ये मैच हर हाल में जीतना होगा। वहीं यूएई ने पिछले मैच में कनाडा को हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ रहेगा।

ग्रुप डी में दक्षिण अफ्रीका और न्यूजीलैंड छह और चार अंकों लेकर शीर्ष दो स्थानों पर हैं, ऐसे में यूएई को क्वालीफाई करने इस मैच में जीत हासिल करनी होगी। वहीं अफगानिस्तान दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बेहद करीबी हार के बाद ये मैच जीतना चाहेगी। उसे अंतिम आठ में जगह बनाने अपने बचे हुए मैच बड़े अंतर से जीतने होंगे। इसके अलावा प्रतियोगिता में बने रहने के लिए अन्य मैचों के परिणामों पर भी निर्भर रहना होगा। इससे पहले न्यूजीलैंड ने यूएई को 10 विकेट से हराया था जबकि कनाडा के खिलाफ भी उसे कड़े संघर्ष के बाद जीत मिली थी।

कनाडा के खिलाफ यूएई के शीर्ष और मध्य क्रम के बल्लेबाज विफल रहे थे हालांकि सलामी बल्लेबाज आर्यंश शर्मा के 74 रनों से उसे जीत मिली। इसके अलावा शोएब खान ने 51 रन बनाये। यूएई के बल्लेबाजों के लिए अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी का सामना करना कठिन रहेगा। यूएई के कप्तान मोहम्मद वसीम कहना है कि हमें सातवें से 15वें और 16वें ओवर तक बीच के ओवरों में अपनी बल्लेबाजी में सुधार करना होगा।

यूएई की गेंदबाजी इकाई ने कनाडा के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी की थी। तेज गेंदबाज जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट लिए पर रहमानुल्लाह गुरबाज, गुलबदीन नायब और अजमतुल्लाह उमरजाई जैसे बल्लेबाजों को रोकना उनके लिए आसान नहीं रहेगा। गुरबाज ने पिछले मैच में 42 गेंदों में 84 रन बनाकर बनाकर आक्रामक बल्लेबाजी की थी जो वह अब भी जार रखना चाहेंगे।

# बीसीसीआई के नियम का उल्लंघन कर रहे पांड्या

कोलंबो। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या टी20 विश्कवप के लिए अपनी गर्लफ्रेंड महिका शर्मा के साथ कोलंबो पहुंच हैं। जिसके कारण वह निशाने पर आ गये हैं। इसका कारण है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने क्रिकेटरों को अपने परिवार को साथ रखने की अनुमति नहीं दी है। भारतीय टीम यहां पाकिस्तान के साथ मुकाबले के लिए जब पहुंची तो महिला भी हार्दिक के साथ थी। पांड्या महिका का हाथ पकड़कर एयरपोर्ट से बाहर आये।

ऐसे में अब बोर्ड के परिवार को साथ नहीं रखे जाने नियम पर भी सवाल उठे हैं। इससे पहले नामीबिया के खिलाफ मैच के बाद दिल्ली में हार्दिक और महिका को होटल में एक साथ देखा गया था। इसके बाद से ही सोशल मीडिया पर ये भी कहा जाने लगा कि हार्दिक बोर्ड के नियम का खुलेआम उल्लंघन करते हैं।

बीसीसीआई के परिवार को बनाये नियम के अनुसार 45 दिनों से ज्यादा लंबे टूर पर ही खिलाड़ी अपने साथ अपने परिवार को रख सकते हैं। केवल इतना ही नहीं, इस 45 दिनों के टूर में भी खिलाड़ी अधिक से अधिक 14 दिन ही परिवार को साथ रख सकेंगे। आईसीसी टी20 विश्व कप 45 दिनों त नहीं चलने वाला है। ऐसे में यहां बीसीसीआई का नियम सख्ती से लागू नहीं किया जा सकता है पर

खिलाड़ियों के जो भी परिजन पहुंचने हैं। उनके लिए व्यवस्था बोर्ड नहीं करता बल्कि उन्हें अपना इंतजान स्वयं करना होता है। उन्हें टीम होटल में साथ रुकने की अनुमति नहीं है। ये नियम इसलिए बनाया गया है जिससे खिलाड़ी का ध्यान अपने खेल पर ही रहे। वहीं हार्दिक बोर्ड के नियम के खिलाफ जाकर अपनी गर्लफ्रेंड के साथ होटल में पहुंचे। टीम इंडिया के कोलंबो पहुंचने का वीडियो सामने आया है, इसमें देखा गया है कि कोच गौतम गंभीर सहयोगी स्टाफ के साथ ही किसी उतरे पर पांड्या महिका के साथ दिखे जबकि नियम ये है कि परिवार या किसी करीबी के पहुंचने पर उसका इंतजाम कहीं और किया जाये।

# टी20 विश्वकप से बाहर हुई ओमान, दक्षिण अफ्रीका सुपर आठ में क्वालीफाई करने के करीब पहुंची

नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका में जारी आईसीसी टी20 विश्वकप कप से अब तक केवल एक टीम ओमान ग्रुप बी से सुपर 8 के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ से बाहर होने के साथ ही टूर्नोमेंट से भी बाहर हुई है। ओमान 3 में से 3 मैच हारी है। ऐसे में सुपर 8 में पहुंचने की उसकी उम्मीद नहीं है। एक मुकाबला ओमान का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बचा है पर उसमें जीतने पर भी अंक तालिका पर प्रभाव नहीं होगा। इस ग्रुप में श्रीलंकाई टीम पहले जबकि जिम्बाब्वे दूसरी वहीं ऑस्ट्रेलिया तीसरे नंबर पर है। चौथे नंबर पर आयरलैंड की टीम ने 3 में से एक मैच जीता है।

ग्रुप डी की में दक्षिण अफ्रीका ने सुपर 8 के लिए लगभग क्वालीफाई कर लिया है। टीम पहले 3 मैच जीत चुकी है। नेट रन रेट भी अच्छा है, लेकिन इस ग्रुप में दो और टीमें 6 अंक हासिल कर सकती हैं। ऐसे में उन्हें क्वालीफिकेशन का टैग नहीं मिला है। न्यूजीलैंड दूसरे और यूएई तीसरे नंबर पर है। चौथे नंबर पर अफगानिस्तान और पांचवें पर कनाडा की टीम है।

वहीं ग्रुप में भारत 4 अंक और बेहतर नेट रन रेट के साथ शीर्ष पर है दूसरे नंबर पर पाकिस्तान है। पाकिस्तान भी अपने पहले दोनों मैच जीत चुका है। तीसरे स्थान पर अमेरिका की टीम है, जिसने 3 में से एक मैच जीता है। नीदरलैंड को 3 मैचों के बाद 2 अंक मिले हैं। वहीं अंत में नामीबियाई टीम है। ग्रुप सी में इंग्लैंड की टीम फिर से शीर्ष 2 में पहुंची है। इस ग्रुप में शीर्ष पर वेस्टइंडीज है, जो 2 में से दो मैच जीती है। इंग्लैंड ने 3 में से दो मैच जीते हैं। स्कॉटलैंड 3 में से एक मैच जीतकर तीसरे स्थान पर है। इटली ने दो में से एक मैच जीता है और नेपाल की टीम 2 मैच अपने हार चुकी है।

ग्रुप डी की में दक्षिण अफ्रीका ने सुपर 8 के लिए लगभग क्वालीफाई कर लिया है। टीम पहले 3 मैच जीत चुकी है। नेट रन रेट भी अच्छा है, लेकिन इस ग्रुप में दो और टीमें 6 अंक हासिल कर सकती हैं। ऐसे में उन्हें क्वालीफिकेशन का टैग नहीं मिला है। न्यूजीलैंड दूसरे और यूएई तीसरे नंबर पर है। चौथे नंबर पर अफगानिस्तान और पांचवें पर कनाडा की टीम है।

# विराट से दो बल्ले पाकर गदगद नजर आये अफगानिस्तान के बल्लेबाज गुरबाज

अहमदाबाद। भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हुए मुकाबले में अपनी जबरदस्त बल्लेबाजी से दिल जीतने वाले अफगानिस्तान के बल्लेबाज रहमानुल्लाह गुरबाज को दो बल्ले उपहार में दिये हैं। वही गुरबाज ने शानदार तोहफा देने के लिए विराट का आभार जताया और कहा भाई आप महान हैं, हर पीढ़ी आपसे प्रेरणा लेती है। गुरबाज के इस संदेश से साफ है कि वह विराट का बेहद सम्मान करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब कोहली ने अपने बेशकीमती बल्लों को साथी खिलाड़ियों को भेंट किया है। वह आम तौर पर अपने बल्लों को उपहार में देते आये हैं। इसे पहले उन्होंने बांग्लादेश के शाकिब अल हसन के अपने ही साथ खिलाड़ी रजत पाटीदार और रिंकू सिंह को भी उपहार में बल्ले दिये थे। गुरबाज ने इस मैच में धमाकेदार बल्लेबाजी कर अपनी टीम को जीत के बेहद करीब पहुंचा दिया था। इस बल्लेबाज ने जबरदस्त शॉट लगाकर दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। बल्लेबाजी के दौरान वह निडर दिखे। इस मैच का परिणाम दो सुपर ओवरों में निकला अफगान टीम को हार जरुर झेलनी पड़ी पर गुरबाज ने दिल जीत लिया।

# कपिल देव ने अभिषेक शर्मा की आक्रामक बल्लेबाजी की तारीफ की, लेकिन दी महत्वपूर्ण चेतावनी

नई दिल्ली। भारत के पूर्व विश्व कप विजेता कप्तान कपिल देव ने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की धमाकेदार बल्लेबाजी की जमकर तारीफ की है। नई दिल्ली स्थित कुतुब गोल्फ कोर्स में आयोजित डीपी वर्ल्ड प्लेयर्स चैम्पियनशिप 2026 के दौरान मीडिया से बातचीत में कपिल देव ने कहा कि पहली ही गेंद पर बड़ा शॉट खेलने की क्षमता हर खिलाड़ी में नहीं होती और अभिषेक इस कौशल के साथ अलग पहचान रखते हैं। कपिल ने कहा, 卐अगर कोई पहली गेंद पर छक्का मार सकता है तो क्यों नहीं ? यह असाधारण क्षमता है। यदि वह अगले दो-तीन साल तक इसी तरह प्रदर्शन करता रहा, तो उसे महान खिलाड़ियों की सूची में रखा जाएगा। हालांकि कपिल देव ने उनकी बल्लेबाजी की प्रशंसा के साथ एक महत्वपूर्ण चेतावनी भी दी। उन्होंने कहा कि प्रतिभा शुरुआत में मदद करती है, लेकिन लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में टिकने के लिए निरंतर सुधार जरूरी है। उनके मुताबिक, पहले साल खिलाड़ी अपनी प्रतिभा के दम पर चलता है, दूसरे साल भी काम चल जाता है, लेकिन तीसरे साल तक गेंदबाज उसकी कमजोरियों को पहचान लेते हैं। ऐसे में खिलाड़ी को अपने खेल में लगातार नई चीजें जोड़नी पड़ती हैं, वरना प्रदर्शन गिर सकता है।अभिषेक शर्मा के आंकड़े भी उनके प्रभाव को साबित करते हैं। 2024 में भारत के लिए पदार्पण करने वाले अभिषेक अब तक 39 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके हैं, जिनमें उन्होंने 1,297 रन बनाए हैं। उनका औसत 36 और स्ट्राइक रेट 136 है। उन्होंने 123 चौके और 88 छक्के लगाकर भारत को तेज शुरुआत देने वाले महत्वपूर्ण बल्लेबाज के रूप में खुद को स्थापित किया है। कपिल देव ने क्रिकेट के साथ अन्य खेलों को प्रोत्साहन देने की भी बात कही। प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कहा कि क्रिकेट देश में बहुत आगे बढ़ चुका है, लेकिन बाकी खेलों को भी समान समर्थन मिलना चाहिए। उन्होंने कहा, 卐क्रिकेट ने मुझे बहुत कुछ दिया है, लेकिन हमें अन्य खेलों की जिम्मेदारी भी खुद उठानी होगी। हर बात के लिए सरकार की ओर देखना सही नहीं है।

# 1 ओवर में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले भारतीय बैटर में ईशान शामिल

नई दिल्ली। भारत की ओर से टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सबसे ज्यादा छक्के जड़ने वाले बल्लेबाजों की प्रतिष्ठित सूची में अब ईशान किशन का नाम भी जुड़ गया है। नामीबिया के खिलाफ एक ओवर में उनके चार शानदार छक्कों ने उन्हें उन भारतीय खिलाड़ियों की कतार में खड़ा कर दिया है, जिनके नाम टी20 में एक ओवर में सबसे ज्यादा छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज है। इस सूची में सबसे ऊपर हैं दिग्गज बल्लेबाज युवराज सिंह, जिन्होंने साल 2007 टी20 विश्व कप में इंग्लैंड के खिलाफ एक ही ओवर में 6 छक्के लगाकर इतिहास रच दिया था। यह रिकॉर्ड आज तक कोई भारतीय बल्लेबाज नहीं तोड़ पाया है और यह कारनामा विश्व क्रिकेट की सबसे यादगार उपलब्धियों में से एक माना जाता है।

दूसरे स्थान पर संयुक्त रूप से तीन भारतीय बल्लेबाज हैं रोहित शर्मा, रिन्कु सिंह और संजय सैमसन। रोहित और रिंकू ने अफगानिस्तान के खिलाफ एक ओवर में 5 छक्के उड़ाए थे, जबकि संजू सैमसन ने बांग्लादेश के खिलाफ 2024 में 5 गेंदों पर 5 छक्के जड़कर इस रिकॉर्ड की बराबरी की थी। चार छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची भी काफी दिलचस्प है। इस ग्रुप में सूर्यकुमार यादव, जिसने हांगकांग के खिलाफ एक ओवर में चार छक्के जड़े, और अक्षर पटेल तथा सूर्यकुमार की श्रीलंका के खिलाफ साझेदारी वाली पारी भी शामिल है। रोहित शर्मा का नाम भी इस श्रेणी में दोबारा आता है, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक ओवर में चार छक्के ठोक दिए थे।

# युजवेंद्र चहल के नए ऐड पर बवाल, शुगर डैडी रेफरेंस से भड़के लोग

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल एक बार फिर चर्चा में हैं, लेकिन इस बार वजह मैदान पर उनकी गेंदबाज़ी नहीं, बल्कि एक नया विज्ञापन है जो सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा कर चुका है। चहल की निजी जिंदगी पिछले कई महीनों से सुर्खियों में रही है। पिछले साल उन्होंने अपनी पत्नी धनश्री वर्मा से तलाक लिया था। तलाक की अंतिम सुनवाई के दिन वह 'शुगर डैडी' लिखी टी-शर्ट पहनकर पहुंचे थे, जिसने सोशल मीडिया पर खूब हलचल मचाई थी। अब उसी संदर्भ का इस्तेमाल उन्होंने एक नए ऐड में किया है, जिसे लेकर लोग नाराज़ हैं। माइक्रो-ड्रामा प्लेटफ़ॉर्म स्टोरी टीवी के साथ एक प्रमोशनल कैंपेन में चहल को 'चीफ स्टोरी ऑफिसर' के रूप में दिखाया गया है। ऐड के एक सीन में वह अपने ऑफिस में प्रवेश करते हुए नजर आते हैं और पीछे दीवार पर लिखा होता है 卐जीरो शुगर (डैडी) डाइट।卐 एक अन्य सीन में वह एक सेलेब्रिटी कपल के गंदे तलाक और गुजारा भत्ते पर चर्चा करते दिखते हैं। दर्शकों ने तुरंत इसे चहल की अपनी निजी जिंदगी पर तंज के रूप में जोड़ा। सोशल मीडिया पर इसे घटिया, असंवेदनशील और बिलो द लाइन कहा जा रहा है।

कई यूजर्स का कहना है कि चहल जानबूझकर अपने तलाक को मार्केटिंग एंगल के रूप में उपयोग कर रहे हैं। रेडिट और एक्स (ट्विटर) पर शेयर किए गए स्क्रीनशॉट्स में लोग चहल पर भड़के नजर आए। एक यूजर ने लिखा, 卐शुगर डैडी वाला रेफरेंस किसी ऐड में डालना बेहद लो-क्लास है।卐

दूसरे ने चहल पर आरोप लगाया कि वे केवल अपनी नेटवर्थ को चर्चा का केंद्र बनाकर 卐लो सेल्फ-एस्टीम卐 दिखा रहे हैं। वहीं एक यूजर ने तंज कसते हुए कहा, 卐क्रिकेट में अब ज्यादा कुछ बचा नहीं, इसलिए वह तलाक को ज्यादा से ज्यादा भुना रहे हैं।卐 यह विवाद उस घटना से जुड़ा है जब चहल ने 'बी योर ओन शुगर डैडी' टी-शर्ट पहनकर अदालत में एंट्री मारी थी, जिसके बाद सोशल मीडिया पर धनश्री को गोल्ड-डिगर तक कहा गया था। धनश्री ने बाद में इसे 卐पब्लिक स्पेक्टेकल और 卐दर्दनाक卐 बताते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी थी।

चहल और धनश्री ने दिसंबर 2020 में शादी की थी। 2022 से दोनों अलग रह रहे थे और 2024 में दोनों ने आपसी सहमति से तलाक ले लिया। तलाक की वजह सार्वजनिक नहीं की गई, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक, शादी के बाद रहने की जगह और करियर प्राथमिकताओं को लेकर मतभेद उभर आए थे। चहल के इस नए ऐड ने अब एक बार फिर पुरानी बहस को हवा दे दी है।

# 23 साल की उम्र में मिली कप्तानी थी सबसे कठिन परीक्षा -जेसन होल्डर

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के अनुभवी ऑलराउंडर जेसन होल्डर ने खुलासा किया है कि महज 23 वर्ष की उम्र में राष्ट्रीय टीम की कप्तानी संभालना उनके करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण अनुभव था। होल्डर ने कहा कि उन्हें उस समय पता ही नहीं था कि कप्तानी सिर्फ मैदान पर फैसले लेने तक सीमित नहीं होती, बल्कि उसके साथ चयन प्रक्रियाएं, प्रशासनिक मुद्दे और मैदान के बाहर अनेक दबाव भी जुड़े होते हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह अगर पहले जान पाते कि कप्तानी कितनी बड़ी जिम्मेदारी है, तो शायद इतनी जल्दी यह भूमिका नहीं निभाते। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन कठिन परिस्थितियों ने ही उन्हें मजबूत बनाया और उसी अनुभव ने उन्हें आज का इंसान बनाया है।

होल्डर ने बताया कि शुरुआत में वह कप्तानी को सरल मानकर चले थे, लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें समझ आया कि वास्तविक चुनौतियां पिच के बाहर ज्यादा होती हैं। खिलाड़ियों को साथ लेकर चलना, टीम के चयन पर बातचीत, बोर्ड की अपेक्षाओं को संभालना और लगातार आलोचनाओं से जूझना उनके लिए मानसिक रूप से बेहद कठिन रहा। इसके बावजूद उन्होंने भरोसा नहीं खोया और जिम्मेदारी निभाते हुए टीम में अनुशासन और आत्मविश्वास बनाए रखने की कोशिश की।

2016 में वेस्टइंडीज के आईसीसी टी20 विश्वकप 2016 खिताब को उन्होंने अपने जीवन के सबसे खास पलों में से एक बताया।

# महात्मा मंदिर में अमित शाह का बड़ा ऐलान.. अब राशन वितरण होगा पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी

## गुजरात से सार्वजनिक वितरण प्रणाली में बड़ा बदलाव, सीबीडीसी और 'अनाज एटीएम' का शुभारंभ

गांधीनगर। एजेंसी।

**यहां के महात्मा मंदिर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के गुजरात दौरे के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली (पीडीएस) में क्रांतिकारी परिवर्तन लाने वाले कई प्रकल्पों का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित कई गणमान्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम में 'सेंट्रल बैंक डिजिटल करेंसी' (सीबीडीसी) आधारित आधुनिक वितरण प्रणाली और पायलट प्रोजेक्ट के रूप में 'अनाज एटीएम' की शुरुआत की गई। इस नई व्यवस्था के तहत राशन के पूरे स्टॉक की रियल-टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी, यहां तक कि विदेश से भी इसकी निगरानी की जा सकेगी। सरकार का दावा है कि इससे वितरण प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, सरल और भ्रष्टाचारमुक्त बनेगी।**

अपने संबोधन में अमित शाह ने कहा कि पहले दिल्ली से भेजे गए 5 किलो अनाज में से बीच रास्ते में चोरी हो जाती थी, लेकिन अब तकनीक और डिजिटल राशन कार्ड के जरिए एक दाना भी गायब नहीं होगा। उन्होंने कहा कि गुजरात में तैयार इस नई मशीन के जरिए गरीबों की सुरक्षा की नई शुरुआत की गई है। उन्होंने कांग्रेस और राहुल गांधी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी झूठ बोलते हैं और भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ता किसी भी मंच पर उनसे बहस करने को तैयार हैं। शाह ने कहा कि देश की जनता ने 2014 में ही कांग्रेस को 'टाटा-बाय बाय' कह दिया था। कांग्रेस ने केवल 'गरीबी हटाओ' के नारे दिए, जबकि भाजपा सरकार ने पिछले 10 वर्षों में 60 करोड़ गरीबों का जीवन स्तर सुधारा और 27 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला।

किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए शाह ने कहा कि अमेरिका के साथ संभावित ट्रेड डील से भारतीय किसान सुरक्षित हैं और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों की सुरक्षा के लिए दृढ़ता से खड़े हैं। उन्होंने बताया कि कांग्रेस के समय कृषि बजट 26 हजार करोड़ रुपये था, जिसे भाजपा सरकार ने बढ़ाकर 1 लाख 26 हजार करोड़ रुपये कर दिया। साथ ही किसानों के खातों में सीधे 6 हजार रुपये ट्रांसफर किए जा रहे हैं, जिससे उन्हें कर्ज लेने की जरूरत कम हुई है। डेयरी और मत्स्य उत्पादों को वैश्विक बाजार तक पहुंचाने की दिशा में भी काम किया जा रहा है।

डिजिटल इंडिया की चर्चा करते हुए शाह ने कहा कि 11 साल पहले किसी ने कल्पना नहीं की थी कि भारत डिजिटल लेनदेन में दुनिया में अग्रणी बनेगा, लेकिन आज सबसे अधिक डिजिटल ट्रांजैक्शन भारत में हो रहे हैं। अब राशन वितरण प्रणाली भी डिजिटल युग में प्रवेश कर चुकी है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से आगे बढ़ रहा है और सरकार का हर निर्णय गरीबों और जरूरतमंदों को ध्यान में रखकर लिया जाता है। उन्होंने कहा कि डिजिटल भारत की परिकल्पना अब साकार हो चुकी है। छोटे व्यापारी भी डिजिटल भुगतान स्वीकार कर रहे हैं और तकनीक गांव-गांव तक पहुंच चुकी है। उन्होंने बताया कि 25 करोड़ से अधिक लोग गरीबी से बाहर आए हैं और 1 लाख से अधिक गांव डिजिटल हो चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत आने वाले दिनों में 'अनाज एटीएम' पूरी तरह कार्यरत हो जाएंगे, जिससे लाभार्थियों को निर्धारित मात्रा में पारदर्शी तरीके से अनाज मिल सकेगा।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने कहा कि सीबीडीसी कोई नई तकनीक नहीं है, बल्कि यह लोगों को उनका हक दिलाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि देश में 80 करोड़ से अधिक लोगों को अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है और यह दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजना है। सीबीडीसी के क्रियान्वयन को बड़ी चुनौती बताते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के निर्देश पर छोटे जिलों और ब्लॉकों तक जाकर कमियों की पहचान की गई। 100 प्रतिशत राशन कार्ड को डिजिटल करने का लक्ष्य रखा गया था और 2 से 3 करोड़ 'साइलेंट' राशन कार्ड रद्द किए जाएंगे, जिससे वास्तविक लाभार्थियों को फायदा मिलेगा। जोशी ने पूर्व प्रधानमंत्री के उस बयान का उल्लेख करते हुए कहा कि पहले एक रुपये में से केवल 15 पैसे ही लाभार्थी तक पहुंचते थे, लेकिन अब डिजिटल प्रणाली में पूरा एक रुपया सीधे खाते में जाता है।

सीबीडीसी व्यवस्था के तहत लाभार्थी को आरबीआई के माध्यम से डिजिटल फूड कूपन मिलेगा, जिसे वह दुकान पर स्कैन कर अनाज प्राप्त कर सकेगा। जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है, वे ओटीपी के जरिए भी अनाज ले सकेंगे। अब लाभार्थी अपने मोबाइल पर देख सकेगा कि उसे कौन सा अनाज और कितनी मात्रा में मिलना है। कार्यक्रम के अंत में जोशी ने कहा कि आज गुजरात की धरती से अनाज वितरण प्रणाली में 'डिजिटल सत्याग्रह' की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने कहा कि जब अमित शाह किसी योजना का शुभारंभ करते हैं, तो अन्य राज्य भी उसे तेजी से लागू करते हैं।

## भारत की तेल कंपनियां अपने सर्वोत्तम हित को समझेंगी और उसी आधार पर फैसले लेंगी

### जयशंकर ने अमेरिका को साफ शब्दों में समझाया

नई दिल्ली। रूसी तेल आयात कम करने की प्रतिबद्धता वाले दावे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता की नीति के प्रति दृढ़ता से प्रतिबद्ध है और ऊर्जा खरीद पर फैसला राजनीतिक दबाव के बजाय लागत, जोखिम और उपलब्धता द्वारा निर्देशित होंगे। म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में जर्मन विदेश मंत्री जोहान वाडेफुल के साथ एक संवादात्मक सत्र में जयशंकर ने कहा कि वैश्विक ऊर्जा बाजार जटिल है और भारत की तेल कंपनियां अपने सर्वोत्तम हित में जो उचित समझेगी, उसके आधार पर निर्णय लेंगी।

उन्होंने कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता के प्रति हमारा दृढ़ संकल्प है क्योंकि यह हमारे इतिहास और विकास का अभिन्न अंग है। यह एक ऐसा गहरा संबंध है जो राजनीतिक परिदृश्य से परे है। ऊर्जा के मुद्दों की बात करें तो, आज यह एक जटिल बाजार है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना ??है कि भारत में तेल कंपनियां, यूरोप की तरह और शायद दुनिया के अन्य हिस्सों की तरह, उपलब्धता, लागत और जोखिमों को ध्यान में रखकर ऐसे निर्णय लेती हैं जो उनके हित में हों।

क्या भारत व्यापार समझौते के प्रावधानों के तहत रूसी तेल खरीदना बंद कर देगा और क्या इस कदम से नई दिल्ली की रणनीतिक स्वायत्तता की नीति पर असर पड़ सकता है। भारत ने वाशिंगटन के इस दावे की न तो पुष्टि की है और न ही खंडन किया है कि उसने रूसी कच्चे तेल की खरीद बंद करने की प्रतिबद्धता जताई है। पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प के बीच हाल ही में हुई फोन वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ में अहम कमी की घोषणा की, जिससे यह पहले के 50 फीसदी से घटकर 18 फीसदी हो गया। इस कमी में वह 25 फीसदी टैरिफ हटाना भी शामिल है जो ट्रम्प ने पिछले साल भारत पर लगाया था। उन्होंने इस दंडात्मक टैरिफ का कारण नई दिल्ली द्वारा रूस से तेल की निरंतर खरीद बताया था।

## केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह ने मनाया अपना 74वां जन्मदिन

नई दिल्ली। राजनैतिक छवि एक अनुभवी और दक्ष प्रशासक हरदीप सिंह पुरी रविवार को अपना 74वां जन्मदिन मनाया है। हरदीप सिंह पुरी बीजेपी के प्रमुख नेताओं में शामिल हैं। बता दें उनकी छवि एक कुशल वक्ता की रही है। खासकर शहरी विकास, आवास और पेट्रोलियम जैसे क्षेत्रों में। उनका प्रशासनिक और कूटनीतिक अनुभव नीतिगत समझ को मजबूत बनाता है। इसके साथ ही वह यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि भी रह चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 15 फरवरी 1952 को दिल्ली में हरदीप सिंह पुरी का जन्म हुआ था। इनके पिता का नाम भगत सिंह पुरी था, जोकि एक सिविल सेवक थे। वहीं इनकी मां का नाम कुंदन पुरी था। उन्होंने अपनी शुरूआती शिक्षा लाजपत नगर से पूरी की थी। फिर वह बोर्डिंग स्कूल भी गए। उन्होंने हिंदू कॉलेज, दिल्ली से इतिहास में कला स्नातक और फिर इतिहास में कला स्नातकोत्तर की डिग्री ली। फिर दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से इतिहास के व्याख्याता के रूप में भी काम किया।

साल 1974 में पुरी भारतीय विदेश सेवा में शामिल हुए। फिर साल 1994 से 1997 तक और 1999 से 2002 तक वह विदेश मंत्रालय में भारत सरकार के संयुक्त सचिव के रूप में काम किया। इसके बाद साल 1997 से लेकर 1999 तक हरदीप सिंह पुरी ने रक्षा मंत्रालय में भारत सरकार के संयुक्त सचिव के रूप में भी काम किया। बाद में वह ब्राजील में भारत के राजदूत बने। फिर साल 2009 से लेकर 2013 तक विदेश मंत्रालय में भारत सरकार के सचिव के रूप में काम किया। हरदीप सिंह पुरी ने ब्राजील में अहम राजनयिक पदों पर तैनात रहे। वहीं जापान, यूनाइटेड किंगडम और श्रीलंका में वह उप-उच्चायुक्त थे। ब्राजील में हरदीप सिंह पुरी को ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ रियो ब्रैंको के सम्मान से नवाजा गया।

साल 2011 से लेकर 2013 तक संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की आतंकवादी निरोधी समिति के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया है। वहीं अगस्त 2011 और फिर नवंबर 2012 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष के रूप में भी काम किया। 2014 में हरदीप सिंह पुरी बीजेपी में शामिल हो गए। वह साल 2018 से यूपी से राज्यसभा के सदस्य चुने गए। साल 2017 में उनको आवास और शहरी मामलों के मंत्री के रूप में कैबिनेट में शामिल किया गया। वहीं मई 2019 में पुरी ने बीजेपी के उम्मीदवार के रूप में अमृतसर से चुनाव लड़ा, लेकिन वह हार गए। साल 2019 में वह उड्डयन राज्य मंत्री और वाणिज्य मंत्री बने और फिर उद्योग राज्य मंत्री बने। जुलाई 2021 में उनको केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री के पद पर पदोन्नत किया।

## उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे की तबीयत बिगड़ी, हॉस्पिटल में कराया गया भर्ती

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री और शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे के छोटे बेटे तेजस ठाकरे की तबीयत अचानक खराब होने के बाद उन्हें मुंबई के सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के अनुसार, तेजस पिछले तीन दिनों से अस्पताल में भर्ती हैं और उनका इलाज जारी है। हालांकि, उन्हें किस बीमारी या स्वास्थ्य समस्या के कारण भर्ती किया गया है, इस बारे में आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी सामने नहीं आई है। परिवार के करीबी सूत्रों के मुताबिक, उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है। रविवार सुबह उद्धव ठाकरे स्वयं अस्पताल पहुंचकर बेटे का हालचाल जाना। अस्पताल के बाहर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी रखी गई है और पार्टी के कुछ चुनिंदा नेता एवं कार्यकर्ता भी वहां पहुंचे। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार तेजस ठाकरे सार्वजनिक और राजनीतिक जीवन से दूर ही रहते हैं। वे शिवसेना (यूबीटी) की सक्रिय राजनीति में शामिल नहीं हैं और अपने पेशेवर जीवन पर ध्यान केंद्रित करते हैं। उन्होंने मुंबई के प्रतिष्ठित जय हिंद कॉलेज और बॉम्बे स्कॉट्टिश स्कूल से शिक्षा प्राप्त की है। पेशे से वे एक संरक्षणवादी (कंजरवेशनिस्ट) और वाइल्डलाइफ रिसर्चर हैं तथा पर्यावरण और जैव विविधता के क्षेत्र में रुचि रखते हैं। तेजस आमतौर पर मीडिया और सार्वजनिक कार्यक्रमों से दूरी बनाए रखते हैं, लेकिन वर्ष 2024 में उद्योगपति मुकेश अंबानी के पुत्र अनंत अंबानी के संगीत समारोह में उनका डांस करते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुआ था, जिसके बाद वे चर्चा में आए थे।

## साबरमती रेलवे स्टेशन बनेगा विश्वस्तरीय हब, 65 फीट ऊंचा हाई-रूफ आकार ले रहा

अहमदाबाद। भारतीय रेल द्वारा यात्री सुविधाओं के उन्नयन एवं आधुनिक अवसंरचना विकास की दिशा में साबरमती स्टेशन का पुनर्विकास कार्य तीव्र गति से प्रगति पर है। इस पुनर्विकास परियोजना के अंतर्गत स्टेशन पर ट्रैकों के ऊपर विशाल हाई-रूफ एवं कॉन्कोर्स का निर्माण किया जा रहा है, जिससे स्टेशन को आधुनिक स्वरूप देने के साथ-साथ यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। 15 फरवरी 2026 को मंडल रेल प्रबंधक श्री वेद प्रकाश ने स्टेशन पर तीव्र गति से चल रहे पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने प्लेटफॉर्म संख्या 4/5 एवं 2/3 के ऊपर हाई-रूफ निर्माण के लिए लॉन्च किए गए 28 मीटर लंबे ट्रस का अवलोकन किया। निर्माणाधीन हाई-रूफ का प्लेटफॉर्म संख्या 4 से 7 के बीच ट्रस लॉन्चिंग का कार्य पूर्ण हो चुका है, जबकि शेष भाग में कार्य प्रगति पर है। जिसका प्लेटफॉर्म संख्या 7 से प्लेटफॉर्म संख्या 1 तक तथा आगमन फुटओवर ब्रिज से सर्कुलेटिंग एरिया तक विस्तार होगा। कॉन्कोर्स क्षेत्र में विशाल प्रतीक्षालय (वेटिंग हॉल) एवं फूड प्लाजा जैसी आधुनिक सुविधाए भी होगी, जिससे यात्रियों को बेहतर आराम एवं खानपान की सुविधा प्राप्त होगी। कॉन्कोर्स का क्षेत्रफल लगभग 110म36 वर्गमीटर होगा। वहीं हाई-रूफ का आकार 122म171 मीटर तथा 88म110 मीटर होगा, जिससे कुल लगभग 30,542 वर्गमीटर क्षेत्र ट्रैकों के ऊपर कवर होगा। यह छत प्लेटफॉर्म से लगभग 65 फीट की ऊंचाई पर स्थापित की जा रही है। इसी क्रम में 28म4.25म3.25 मीटर आकार एवं लगभग 26 टन वजनी एक विशाल ट्रस को 65 फीट की ऊंचाई पर 810 टन क्षमता वाली क्रेन की सहायता से सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया। कार्यस्थल की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बावजूद यह कार्य 8 घंटे के मेगा ब्लॉक के दौरान सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। स्टेशन पुनर्विकास योजना के अंतर्गत यात्रियों की सुगमता हेतु 20 लिफ्ट, 20 एस्केलेटर तथा 20 सीढ़ियों का प्रावधान किया जा रहा है। इन आधुनिक सुविधाओं से यात्रियों की आवाजाही सुगम होगी तथा स्टेशन पर भीड़ प्रबंधन में भी सहायता मिलेगी।

## एआई सम्मिट में एनविडिया चिप निर्माता कंपनी के सीईओ जेन्सेन हुआंग नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। भारत में बहुप्रतीक्षित एआई इंपेक्ट सम्मिट की शुरुआत नई दिल्ली में होने जा रही है। पांच दिवसीय इस वैश्विक सम्मेलन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र से जुड़े कई दिग्गज नेता और टेक कंपनियों के प्रमुख हिस्सा लेंगे। हालांकि, समिट से ठीक पहले एक बड़ी खबर सामने आई है, वह यह कि अमेरिकी चिप निर्माता कंपनी एनविडिया के सीईओ जेन्सेन हुआंग इस सम्मिट में शामिल नहीं होंगे।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार एनवीडिया ने आधिकारिक बयान जारी कर बताया कि अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण जेन्सेन हुआंग भारत की यात्रा नहीं कर पाएंगे। पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार, उन्हें बुधवार को नई दिल्ली में एक विशेष मीडिया इवेंट में भाग लेना था और सम्मिट के प्रमुख वक्ताओं में शामिल होना था। उनकी अनुपस्थिति को टेक जगत में एक झटके के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि एनवीडिया एआई चिपसेट निर्माण में वैश्विक अग्रणी कंपनी मानी जाती है और उसके उत्पाद डेटा सेंटर से लेकर उन्नत डिवाइसों तक में उपयोग किए जाते हैं।

कंपनी ने अपने बयान में कहा कि वह भारत के तेजी से विकसित हो रहे एआई इकोसिस्टम और एआई इम्पेक्ट सम्मिट के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। जेन्सेन हुआंग की गैरमौजूदगी के बावजूद एनवीडिया की एक उच्चस्तरीय टीम समिट में भाग लेगी। कंपनी के एग्जीक्यूटिव वाइस प्रेसिडेंट जे प्यूरी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति दर्ज कराएगा।

## गूगल से सीखी 'एमडी ड्रग्स' बनाने की तरकीब, बाथरूम में चला रहा था मिनी लैब

### शेयर बाजार में रु. 20 लाख का घाटा, कर्ज उतारने के लिए केमिस्ट ने चुना नशे का काला कारोबार

भरुच। दक्षिण गुजरात के भरूच जिले में युवाओं को ड्रग्स के जाल में फंसाने की साजिश रचने वाले एक और आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गूगल पर सर्च कर घर के बाथरूम में एमडी ड्रग्स बनाने वाला अंकलेश्वर का एक केमिस्ट भरूच स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप (एसओजी) के हत्थे चढ़ गया। झगडिय़ा पुलिस के मुताबिक आरोपी ने अंकलेश्वर की सिद्ध को-ऑपरेटिव हाउसिंग सोसायटी के बी ब्लॉक स्थित किराए के मकान में ड्रग्स बनाने की पूरी व्यवस्था कर रखी थी। मास्टर बेडरूम से जुड़े बाथरूम को ही उसने मिनी लैब में बदल दिया था। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार रात छापा मारा। अंदर का दृश्य देखकर पुलिस टीम भी हैरान रह गई। आरोपी दिन में नौकरी करता था और रात में बाथरूम में ड्रग्स तैयार करता था। गूगल से जानकारी लेकर वह अलग-अलग केमिकल मिलाकर एमडी ड्रग्स बना रहा था। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी अनिल गोरधन राखोलिया मूल रूप से जूनागढ़ जिले के विसावदर तालुका के वीरपुर गांव का रहने वाला है। वह पिछले सात वर्षों से परिवार के साथ भरूच में रह रहा था। जीआईडीसी क्षेत्र की जीआईएल कंपनी में प्रोडक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत था और उसे प्रति माह करीब रु. 48 हजार वेतन मिलता था। शेयर बाजार में लगभग रु. 20 लाख का कर्ज होने के कारण उसने अवैध कमाई का रास्ता चुना। शुरुआती प्रयास में वह असफल रहा, लेकिन दूसरे प्रयास में ड्रग्स बनाने में सफल हो गया। इसके बाद उसने बाजार में सैंपल देकर बिक्री के लिए संपर्क साधना शुरू किया। हालांकि, भरूच एसओजी की सतर्क टीम ने समय रहते कार्रवाई करते हुए आरोपी को रंगेहाथ पकड़ लिया। इस मामले में अंकलेश्वर बी डिवीजन पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी से रिमांड लेकर सप्लाई चेन और अन्य संभावित कनेक्शन की जांच में जुटी है। वैज्ञानिक ज्ञान का दुरुपयोग कर ड्रग्स बनाने की इस घटना ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस की मुस्तैदी से बड़ी मात्रा में ड्रग्स बाजार तक पहुंचने से पहले ही जब्त कर ली गई। अब आगे की जांच में और क्या खुलासे होते हैं, इस पर सबकी नजर टिकी है।

## दो बच्चों की मां को जेठ के बेटे से हुआ प्यार, वेलेंटाइन-डे की रात खुल गया राज

बागपत। यूपी के बागपत में एक शादीशुदा महिला का दिल अपने ही जेठ के बेटे पर आ गया, जिसके बाद महिला अपने भतीजे से चोरी-छिपे मिलने लगी और पांच साल तक दोनों की प्रेम कहानी पर प्यार का रंग चढ़ता गया, लेकिन कहते हैं- इश्क़ और मुश्क़ छिपाए नहीं छिपते। इसी बीच वेलेंटाइन-डे की रात इस 'सीक्रेट लव स्टोरी' का राज खुल गया और फिर जो हुआ, उसने पूरे गांव को हैरान कर दिया।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह मामला दोघट थाना क्षेत्र के टिकरी गांव का है। महिला पूजा की शादी करीब 8 साल पहले पंकज से हुई थी। उनके दो बेटे भी हैं। परिवार सामान्य रूप से चल रहा था, लेकिन इसी बीच महिला को अपने ही जेठ के बेटे से प्यार हो गया। पिछले पांच साल से दोनों छिप-छिपाकर मिलते थे, लेकिन घरवालों को इसकी भनक तक नहीं लगी। इसी बीच 14 फरवरी यानी वेलेंटाइन-डे के दिन दोनों का प्रेम जग जाहिर हो गया। दोनों को मिलते हुए परिजनों ने रंगे हाथों पकड़ लिया। इस दौरान जमकर बवाल हुआ। मामला इतना बढ़ा कि मामला थाने पहुंच गया। थाने में भी काफी देर तक समझौते की कोशिश होती रही, लेकिन जब कोई समाधान नहीं निकला तो महिला के पति ने फैसला लिया, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी।

पति ने अपनी पत्नी की शादी अपने ही भतीजे से थाना परिसर में करवा दी। दोनों ने एक-दूसरे को माला पहनाई और गांव से विदाई कर दी। यह नज़ारा देख थाने में मौजूद लोग भी हैरान रह गए। इस शादी की पूरे इलाके में चर्चा हो रही है। पुलिस के मुताबिक किसी भी पक्ष की ओर से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। मामला आपसी सहमति सुलझा लिया गया। हालांकि थाने में हुई इस अनोखी शादी ने रिश्तों, सामाजिक मर्यादाओं और पारिवारिक बंधनों पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं?

## सिक्किम और त्रिपुरा में लगे भूकंप झटके, तीव्रता कम होने से नहीं हुआ जान-माल का नुकसान

नई दिल्ली। रविवार सुबह भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में भूकंप के कई झटके लगे। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक भारत में कुल चार झटके दर्ज किए गए, जिनमें से तीन सिक्किम और एक त्रिपुरा में आया। सिक्किम के नामची में सुबह 5:26 बजे और फिर 6:58 बजे 2.4 तीव्रता के दो झटके महसूस किए गए, जबकि मंगन में सुबह 5:10 बजे 2.2 तीव्रता का भूकंप आया। इसके साथ ही त्रिपुरा के गोमती जिले में भी सुबह 6:38 बजे 2.6 तीव्रता का झटका आया। राहत की बात यह है कि इन झटकों की तीव्रता कम थी और केंद्र जमीन से केवल 5 से 10 किलोमीटर की गहराई में था।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक भारत के अलावा दुनिया के कई देशों में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। अफगानिस्तान में सुबह 4:28 बजे 4.3 तीव्रता का सबसे तेज झटका महसूस आया, जिससे वहां हल्के नुकसान की खबरें है, हालांकि किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है। इसके अलावा म्यांमार में त ?के दो बार 3.2 तीव्रता के झटके लगे। अमेरिका के ओक्लाहोमा, इंडोनेशिया के जावा, चिली और पुर्तगाल के अजोरेस द्वीप समूह में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। सीस्मोलॉजिकल सेंटर के मुताबिक पुर्तगाल में आए भूकंप की तीव्रता 2.6 मापी गई।

विशेषज्ञों के मुताबक रविवार को आए इन झटकों से कहीं भी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। सिक्किम और त्रिपुरा में आए भूकंप के झटके हल्के थे, जिनसे जनजीवन पर कोई खास असर नहीं पड़ा। हालांकि, वैश्विक स्तर पर भूकंप हमेशा एक बड़ी चिंता का विषय है। आंकड़ों पर नजर डालें तो दुनिया भर में भूकंपों के कारण हर साल औसतन 40 से 60 अरब डॉलर यानी करीब 3 से 5 लाख करोड़ रुपये का आर्थिक नुकसान होता है। 2011 में जापान का तोहोकू भूकंप और 2023 में तुर्की-सीरिया में आई तबाही इसके भयावह उदाहरण हैं।

बता दें सालाना आधार पर भूकंप के कारण औसतन 10,000 से 20,000 लोगों की मौत हो जाती है, लेकिन यह संख्या आपदा की तीव्रता के आधार पर बदलती रहती है। जानकारों का कहना है कि अक्सर भूकंप खुद उतना खतरनाक नहीं होता, जितना कि कमजोर इमारतों का गिरना, आग लगना, सुनामी या भूस्खलन नुकसान पहुंचाते हैं। आज की घटनाओं ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सतर्क रहने की जरुरत को दोहराया है।

## शिरडी में साईं बाबा और महादेव की एक साथ पूजा, भक्तों के लिए 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी

शिरडी। रविवार को महाराष्ट्र समेत पूरे देश में महाशिवरात्रि बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। अलग-अलग महादेव मंदिरों में दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी। वहीं महाराष्ट्र के शिरडी में भी भक्तों की भारी भीड़ देखी गई। महाशिवरात्रि के अवसर पर साईं बाबा के दर्शन के लिए हज़ारों भक्त जमा हुए। साईं बाबा संस्थान की तरफ से साईं बाबा की समाधि के पास देवाधि देव महादेव की तस्वीर लगाई गई है ताकि भक्त साईं बाबा के साथ भोलेनाथ शंकर के भी दर्शन कर सकें। साथ ही शिरडी में बड़ी संख्या में भक्तों के आने की संभावना और व्रत का दिन होने के कारण, साईं बाबा संस्थान के साईं प्रसादालय में 13 हज़ार किलो साबूदाने की खिचड़ी तैयार की गई। शिरडी आने वाले भक्तों को प्रसादालय में दिन भर साबूदाना खिचड़ी और झिरका प्रसाद परोसा जा रहा था। साईं बाबा संस्थान के प्रसादालय में खिचड़ी बनाने के लिए 5,500 किलो साबूदाना, 4,000किलो मूंगफली, 700 लीटर मूंगफली का तेल, 2,000 किलो आलू और 1,200 किलो चीनी, नमक, लाल मिर्च, हरी मिर्च वगैरह का इस्तेमाल किया गया है। इन सभी चीज़ों से कुल 13,000 किलो महाप्रसाद तैयार किया गया और भक्त इसे बड़ी श्रद्धा से खा रहे थे। सबका मालिक एक का महामंत्र देने वाले साईं बाबा के दर्शन के लिए सभी धर्मों के भक्त शिरडी आते हैं। उनमें से ज़्यादातर साईं संस्थान द्वारा चलाए जा रहे प्रसादालय में प्रसाद लेते हैं।

## बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो की सार्वजनिक रूप से नहीं खिंचवाई जाएंगी तस्वीरें

चंडीगढ़। पंजाब में राधा स्वामी सत्संग ब्यास के प्रमुख बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो की कुछ तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुईं, जिनमें वे राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया और बिक्रम सिंह मजीठिया के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के सामने आने के बाद राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया। सोशल मीडिया पर भी इन तस्वीरों को लेकर प्रतिक्रियाएं दी जा रही हैं। इन्हीं चर्चाओं को ध्यान में रखते हुए राधा स्वामी सतसंग ब्यास प्रबंधन की ओर से फैसला लिया गया है कि अब भविष्य में किसी भी वीवीआईपी या राजनीतिक शख्सियत के साथ बाबा गुरिंदर सिंह ढिल्लो की तस्वीरें सार्वजनिक रूप से नहीं खिंचवाई जाएंगी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इन तस्वीरों के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आईं। बाबा की सियासत में संभावित भूमिका को लेकर सवाल उठने लगे। अकाली दल और बीजेपी के गठबंधन को लेकर भी चर्चाएं तेज हो गईं और कई तरह के कयास लगाए जाने लगे। सूत्रों के मुताबिक यह फैसला संस्था की निष्पक्ष और आध्यात्मिक छवि को बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है, ताकि किसी भी प्रकार की अनावश्यक विवाद या राजनीतिक अटकलों से बचा जा सके।

## देशभर में महाशिवरात्रि पर्व की धूम, भगवान महाकाल के लिए बना 11 फुट का सेहरा

नई दिल्ली। देशभर में महाशिवरात्रि पर्व की धूम है। 12 ज्योतिर्लिंग और शिव मंदिरों में आधी रात से ही दर्शन-पूजन करने भक्त पहुंच गए। मध्यप्रदेश के उज्जैन में महाकाल मंदिर के पट रात 2.30 बजे से खुले हैं। यहां लगातार 44 घंटे दर्शन-पूजन किया जाएगा। इस दौरान शयन आरती नहीं होगी। सोमवार दोपहर 12 बजे साल में एक बार होने वाली भस्म आरती भी होगी। महाकाल का दूल्हे के रूप में शृंगार करने के लिए 3 क्विंटल फूल मंगाए गए हैं। 100 किलो आंक? के फूल, सवा लाख बेल पत्र, 200 किलो देसी फूल से बना 11 फुट का सेहरा बनाया गया है। मध्यप्रदेश के खंडवा में ओंकारेश्वर मंदिर को रात 3 बजे से दर्शन के लिए खोला गया। यहां 24 घंटे लगातार दर्शन पूजन किया जाएगा। वहीं, काशी के विश्वनाथ मंदिर में रात 2:15 बजे मंगला आरती की गई। 3:30 बजे मंदिर दर्शन के लिए खुल गया। यहां रात से भक्तों की लंबी लाइन लगी है। झारखंड के देवघर में बाबाधाम मंदिर में शनिवार को पंचशूलों की विशेष पूजा की गई। इसके बाद मंदिर के शिखरों पर पंचशूलों की पुनर्स्थापना के साथ ही बाबा बैद्यनाथ और माता पार्वती का पारंपरिक गठबंधन भी हुआ।

## न्यूज गैलरी

## कटंगझरी में सड़क दुर्घटना में राधेलाल कावरे की मौत

### रमरमा महादेव पहाड़ी दर्शन कर घर लौटते समय हुई दुर्घटना

**पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।** वारासिवनी पुलिस थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कटंगझरी पेट्रोल पंप के पास में ५८ वर्षीय व्यक्ति की सड़क दुर्घटना में दुखद मौत हो गई। यह घटना उस समय हुई जब राधेलाल कावरे रमरमा महादेव पहाड़ी भगवान भोलेनाथ के दर्शन करने गया था जहां से वह वापस अपने घर लौट रहा था। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर शव को सुरक्षित शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया है।

जिसका पोस्टमार्टम १६ फरवरी की सुबह १० बजे किया जाएगा। प्राप्त जानकारी के अनुसार वारासिवनी क्षेत्र में रमरमा धार्मिक एवं प्राकृतिक सौंदर्य के कारण बहुत ज्यादा प्रसिद्ध है। जहां पर प्रतिवर्ष महाशिवरात्रि के अवसर पर विशाल मेला आयोजित होता है जिसमें नगर जिला सहित मध्य प्रदेश ,महाराष्ट्र के विभिन्न जिलों से लोग महाशिवरात्रि के अवसर पर भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए आते हैं। इस वर्ष भी यह मेला आयोजित किया गया था जहां अपार जनसमूह ने उपस्थित होकर भगवान भोलेनाथ का आशीर्वाद ग्रहण किया। ऐसे ही राधेलाल पिता बैगा कावरे ५८ वर्ष गणेशपुर लालबर्रा का रहने वाला है जो अपनी मोटरसाइकिल से भगवान भोलेनाथ का दर्शन करने के लिए रमरमा महादेव पहाड़ी में आया हुआ था। जहां दर्शन करने के उपरांत वह अपने घर वापस जाने के लिए निकला था तभी दोपहर करीब ४ बजे अचानक कटंगझरी स्थित पेट्रोल पंप के सामने उसकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खेत में उतरकर वृक्ष से टकरा गई। जिसमें वह व्यक्ति गंभीर रूप से घायल होकर उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई यह घटना राहगीरो के द्वारा देखी गई। जिन्होंने मोटरसाइकिल रोककर घायल व्यक्ति को देखने उतरे तो मौके पर बड़ी संख्या में भीड़ लग गई। उक्त व्यक्ति को सिविल अस्पताल वारासिवनी में लाया गया जहां उसकी जांच कर मृत घोषित कर दिया गया। वहीं घटना की अस्पताल तहरीर पुलिस को दी गई जिसमें पुलिस ने अस्पताल पहुंचकर मृत व्यक्ति की जांच कर ग्रामीणों से घटना की जानकारी ली। वहीं शव को सुरक्षित सिविल अस्पताल परिसर स्थित शव विच्छेदन गृह में रखवा दिया गया जहां १६ फरवरी को शव का पोस्टमार्टम किया जाएगा।

## पचामा दादर: सरकार की आधिकारिक रिपोर्ट कहती है प्रस्तावित खनन क्षेत्र में कोई आदिवासी आबादी नही रहती है!!

# संजय उइके, विधायक: सर्वे रिपोर्ट तथ्यहीन और भ्रामक है!!

## वास्तविकता: पचामा दादर समेत आसपास के क्षेत्र में लगभग 33 हजार की आबादी का निवास, 14 ग्राम पंचायतों के 40 से अधिक गांव प्रभावित होंगे

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

**पचामा दादर की पहाड़ियों को खनन कार्य के लिए लीज पर दिए जाने की प्रक्रिया के विरोध में बैहर विधानसभा क्षेत्र के आदिवासी ग्रामीणों का आंदोलन लगातार तेज होता नजर आ रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि खनन से क्षेत्र की प्राकृतिक संपदा, जलस्त्रोतों और आदिवासी आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। बैहर विधायक संजय उइके ने पुन: प्रेस वार्ता आयोजित कर कहा कि सरकार अब तक ग्रामीणों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यदि खनन लीज प्रक्रिया पर तत्काल रोक नहीं लगाई गई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा। विधायक उइके ने बताया कि 18 फरवरी को तहसील स्तर पर फिर से जनआंदोलन आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में आदिवासी ग्रामीण शामिल होंगे।**

15 फरवरी को कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उइके ने स्थानीय सर्किट हाउस में प्रेस वार्ता आयोजित कर पचामा दादर सहित क्षेत्र की पहाडय़िों को खनन लीज पर दिए जाने के मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखी। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य मंसाराम मडावी तथा सामाजिक बंधु भी उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता में मंसाराम मडावी और विधायक उइके ने स्पष्ट किया कि यह जनआंदोलन पूरी तरह गैर-राजनीतिक है और इसका किसी दल, विशेष वर्ग से कोई संबंध नहीं है। उनका कहना था कि यह संघर्ष केवल क्षेत्र के ग्रामीणों, विशेषकर आदिवासी समाज की जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए है। विधायक उइके ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा खनन लीज के लिए तैयार की गई शर्तों और वास्तविक स्थिति में बहुत अंतर है। उनके अनुसार आधिकारिक रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि प्रस्तावित खनन क्षेत्र में कोई आदिवासी आबादी नहीं रहती और न ही वहां की भौगोलिक स्थिति पर खनन का प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। जबकि वास्तविकता यह है कि पचामा दादर सहित आसपास के क्षेत्र में लगभग 33 हजार की आबादी निवास करती है, 40 से अधिक गांव संभावित रूप से प्रभावित होंगे तथा 14 पंचायतें इस दायरे में आती हैं। उन्होंने कहा कि सर्वे रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि क्षेत्र में न तो कोई पर्यावरणीय संवेदनशीलता है और न ही वन्यजीवों पर प्रभाव पड़ेगा, जो कि पूरी तरह तथ्यहीन है। इन परिस्थितियों को देखते हुए वे न्यायालय की शरण लेंगे। आंदोलन की रूपरेखा बताते हुए विधायक ने कहा कि 18 फरवरी को तहसील स्तर पर प्रदर्शन किया जाएगा। इसके बाद जिला स्तर पर व्यापक आंदोलन होगा

और आगे चलकर जंगल बचाओ अभियान के तहत बड़ा जनआंदोलन आयोजित किया जाएगा। उन्होंने सभी सामाजिक संगठनों और नागरिकों से इस मुद्दे पर आगे आकर साथ देने की अपील की। प्रेस वार्ता के दौरान विधायक उईके ने उन आरोपों का भी जवाब दिया, जिनमें कहा गया था कि वे कमीशन न मिलने के कारण विरोध कर रहे हैं। उन्होंने इन आरोपों को निराधार बताते हुए कहा कि यह बयानबाजी उनके ही कुछ परिचितों द्वारा की गई है, जिसे वे गंभीरता से नहीं लेते। उनका कहना था कि आंदोलन का उद्देश्य केवल क्षेत्र और वहां के लोगों के हितों की रक्षा करना है।

### सर्वे रिपोर्ट पूरी तरह गलत हैं

बैहर विधायक संजय उइके ने आरोप लगाया कि संबंधित विभाग द्वारा भेजी गई सर्वे रिपोर्ट पूरी तरह तथ्यहीन और भ्रामक है। विधायक उइके ने कहा कि जिस क्षेत्र में खनन की अनुमति दी जा रही है, वह पर्यावरणीय दृष्टि से संवेदनशील है। वहां वन क्षेत्र, प्राकृतिक जलस्त्रोत और वन्यजीवों का निवास है, किंतु सर्वे रिपोर्ट में यह दर्शाया गया है कि क्षेत्र में न तो आदिवासी आबादी है और न ही पर्यावरण या भौगोलिक स्थिति पर किसी प्रकार का प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने इसे वास्तविक स्थिति के विपरीत बताते हुए कहा कि क्षेत्र की पहाडय़िों और गांवों की गलत जानकारी शासन को भेजी गई है।

### 18 फरवरी को तहसील स्तर में आंदोलन

जिला पंचायत सदस्य मंसाराम मडावी ने स्पष्ट किया कि यदि 18 फरवरी को प्रस्तावित जनसुनवाई को स्थगित नहीं किया गया तो बैहर तहसील में विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई की तारीख आगे न बढ़ाए जाने की स्थिति में सड़कों पर उतरकर चक्काजाम सहित व्यापक जनआंदोलन किया जाएगा।

### नक्सलवाद खत्म और खनन शुरू

मीडिया के एक प्रश्न के उत्तर में विधायक उइके ने कहा कि नक्सलवाद का मुद्दा अलग है और खनन का विषय अलग। उन्होंने यह भी कहा कि वे सीधे तौर पर यह नहीं कहेंगे कि नक्सलवाद समाप्त होने के बाद खनन को प्राथमिकता देने के उद्देश्य से यह प्रक्रिया शुरू की गई है। हालांकि उन्होंने यह जरूर जोड़ा कि जब सरकार किसी क्षेत्र को नक्सलमुक्त घोषित करती है और उसके तुरंत बाद वहां खनन गतिविधियां शुरू होती हैं, तो दोनों घटनाओं के बीच संबंध होने की संभावना से इनकार भी नहीं किया जा सकता।

## क्रिश क्लीनिक के संचालक डॉ. अपूर्बो कुमार सरकार के विरुद्ध अपराध दर्ज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर पुलिस ने कावरे चौक स्थित क्रिश क्लीनिक के संचालक डॉ. अपूर्बो कुमार सरकार के विरुद्ध बिना वैध चिकित्सीय अर्हता के एलोपैथि चिकित्सा पद्धति से उपचार करने के आरोप में धारा 24 मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1987 के तहत अपराध दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 29 अप्रैल 2025 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र किरनापुर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. वर्षा चौबे के नेतृत्व में एक दल द्वारा क्रिश क्लीनिक का आकस्मिक निरीक्षण किया गया था। निरीक्षण के दौरान क्लीनिक में एलोपैथि दवाइयां पाई गईं, किंतु संचालक डॉ अपूर्बो कुमार सरकार द्वारा अपनी वैध चिकित्सीय योग्यता संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। मामला अग्रिम कार्रवाई हेतु मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को प्रेषित किया गया। इसके बाद 10 फरवरी को चिकित्सकों की टीम द्वारा पुन: आकस्मिक निरीक्षण किया गया।जांच के दौरान यह पाया गया कि अपूर्बो कुमार सरकार ने वर्ष 2020 में राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, भोपाल से डिप्लोमा इन फार्मेसी की योग्यता प्राप्त की है। इसके अतिरिक्त 6 जून 1994 को इंडियन काउंसिल ऑफ अल्टरनेट मेडिसिन, पश्चिम बंगाल से आरएमपी (रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टिशनर) के रूप में पंजीयन कराया गया था।साथ ही मुस्कान फार्मेसी के संचालन हेतु ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट 1940 एवं नियम 1945 के तहत फुटकर औषधि विक्रय का लाइसेंस भी प्राप्त है, जिसकी वैधता 12 अगस्त 2026 तक है।निरीक्षण के दौरान क्लीनिक में एलोपैथिक औषधियों के साथ-साथ माइनर एवं मेजर सर्जरी में उपयोग होने वाले उपकरण भी पाए गए। जांच दल के अनुसार राज्य शासन से मान्यता प्राप्त चिकित्सीय अर्हता के बिना एलोपैथिक पद्धति से उपचार किया जाना अवैध चिकित्सा व्यवसाय की श्रेणी में आता है।

### पुलिस ने दर्ज किया प्रकरण

डॉ. वर्ष चौबे द्वारा की गई शिकायत के आधार पर किरनापुर पुलिस ने डॉ. अपूर्बो कुमार सरकार के विरुद्ध धारा 24, मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान परिषद अधिनियम 1987 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर जांच प्रारंभ कर दी है। किरनापुर पुलिस द्वारा मामले की विस्तृत जांच की जा रही है।

## अधिवक्ता की हत्या के विरोध में 16 फरवरी को बालाघाट में भी न्यायालयीन कार्य बहिष्कार

### जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट ने एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग उठाई

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** तहसील अधिवक्ता संघ करेरा, जिला शिवपुरी के अधिवक्ता संजय कुमार सक्सेना की 14 फरवरी 2026 को अपराधियों द्वारा दिनदहाड़े गोली मारकर निर्मम हत्या किए जाने की घटना से प्रदेशभर के अधिवक्ताओं में गहरा रोष व्याप्त है। घटना के विरोध में राज्य अधिवक्ता परिषद, जबलपुर द्वारा 15 फरवरी 2026 को विशेष एवं आपातकालीन वर्चुअल बैठक आयोजित की गई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया है कि 16 फरवरी 2026 को प्रदेश के सभी अधिवक्ता प्रतिवाद दिवस मनाते हुए न्यायालयीन कार्य से पूर्णत: विरत रहेंगे। इसी क्रम में जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट ने भी परिषद के आह्वान का समर्थन करते हुए घोषणा की है कि जिले के सभी अधिवक्ता 16 फरवरी को न्यायालयीन कार्य नहीं करेंगे। साथ ही अधिवक्ता सुरक्षा कानून (एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट) को शीघ्र लागू करने की मांग को प्रमुखता से उठाया जाएगा। जिला अधिवक्ता संघ बालाघाट के अध्यक्ष प्रवेश मलेवार ने बताया कि अधिवक्ताओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु प्रभावी कानून की आवश्यकता लंबे समय से महसूस की जा रही है। इस घटना ने सुरक्षा संबंधी चिंताओं को और गंभीर बना दिया है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

## घुबड़गोंदी में युवक और उसके दादा के बीच मारपीट

**पद्मेश न्यूज। बालाघाट।** खैरलांजी थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम घुबड़गोंदी में एक युवक और उसके रिश्ते के दादा के बीच मारपीट हो गई और दोनों ने एक दूसरे को जान से मार डालने की धमकी दे दी। यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में दोनों के द्वारा की गई रिपोर्ट पर योगेश पिता मनोहर मेश्राम 28 वर्ष और उसके रिश्ते के दादा पतिराम पिता नांगो जी मेश्राम 64 वर्ष के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार योगेश मेश्राम मजदूरी करता है और उसके रिश्ते का दादा पतिराम मेश्राम खेती किसानी और मजदूरी करता है और दोनों के बीच पूर्व से आपसी रंजिश बनी हुई है। 14 फरवरी की रात 9 बजे योगेश मेश्राम अपने गांव के नत्थूलाल लिल्हारे की दुकान तरफ जा रहा था। दुकान के सामने गांव के कन्हैयालाल बिसेन और संतोष शेंडे मिले तब योगेश मेश्राम उनके साथ बातचीत करने लगा था इसी दौरान पतिराम मेश्राम भी गया और वह पुरानी रंजिश को लेकर योगेश मेश्राम को गालियां देने लगा इसके बाद योगेश मेश्राम ने अपने रिश्ते के दादा पतिराम मेश्राम को गालियां दे दी । दोनों आवेश में आकर एक दूसरे को मारपीट कर बैठे और दोनों ने एक दूसरे को जान से मार डालने की धमकी दे दी ।बीच बचाव के बाद पतिराम मेश्राम और योगेश मेश्राम रिपोर्ट करने के लिए खैरलांजी पुलिस थाना पहुंचे। खैरलांजी पुलिस ने दोनों के के द्वारा एक दूसरे के विरुद्ध की गई रिपोर्ट पर दोनों के विरुद्ध अश्लील गालियां देकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

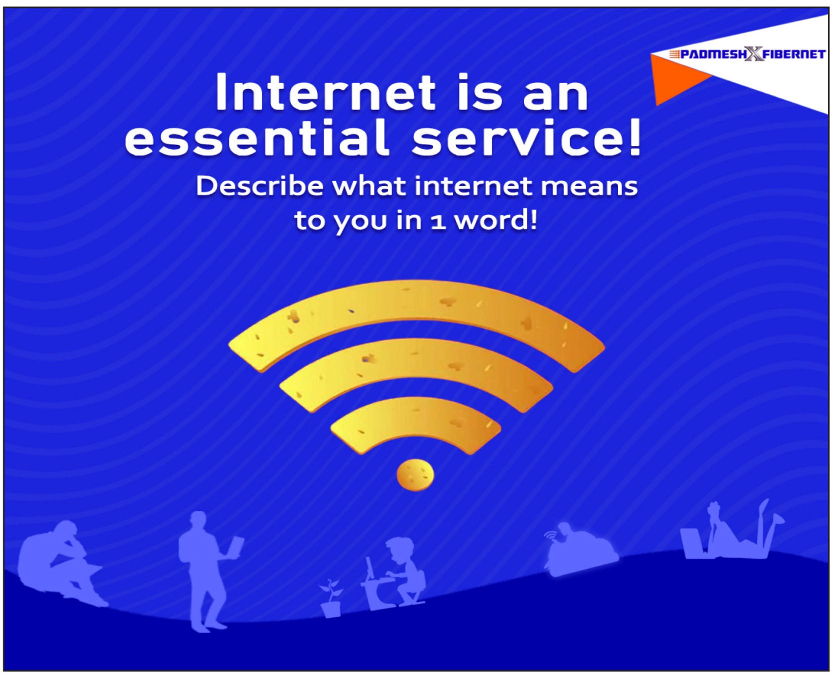

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित, **प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा**, मो.नं. :9425138710,
**स्थानीय संपादक : डॉ. विपिन बिहारी शांडिल्य**, ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट